क्या आप सच्चे भक्त हैं?

यूयं स्वधर्मानुष्ठाने जनावलोकनार्थाय माऽकार्ष्ट

(तुम मनुष्यों को दिखाने के लिये अपने धर्म के काम न करो। मत्ती 6:1)

आज यीशु भक्ति या आराधना के नाम पर मनोरंजन दिखाई दे रहा है। गीतों की धुन पर, संगीत पर और गायक की आवाज़ को महत्व दिया जा रहा है मीटिंगों में गाने के लिये नामी गायकों को बुलाया जाता है। व्यापार की दुनिया मसीही जगत में आ गई है। भक्ति, बिकाऊ वस्तु बन गई है। और मनुष्य अपनी महिमा बटोर रहा है।

सच्चे भक्त को इस चक्रव्यूह से निकलना होगा, यूहन्ना 4:23 में लिखा है, ''पिता अपने लिये भजन करने वालों को ढूँढ़ता है।''

भक्तों के हृदय देखे जाते हैं। क्या उनमें सत्य है, या कहीं वे दिखावटी या नकली उपासना तो नहीं कर रहे, दिखावटी जीवन फरीसी धर्मगुरुओं का था, जो भक्ति तो करते थे, परन्तु उनके हृदय और मन सारे अधर्म से भरे हुए थे। और आत्मा से उपासना करने का अर्थ है, हमें अपने जीवन के हर पहलू से परमेश्वर की महिमा करना है। चाहे हम स्कूल में, नौकरी में, बाज़ार में, कलीसिया में या अपने घर ही में क्यों न हों, हमें प्रभु यीशु में अपना नया जीवन दिखाना है। हमारे जीवन से परमेश्वर की महिमा होनी है। भक्ति के पहले जीवन चाहिये। प्रभु यीशु ने कहा, ''वेदी में भक्ति लाने से पहले, अपने जीवन को सुधारो।'' (मत्ती 5:24)

दिन और रात, हर समय परमेश्वर की महिमा करिये। प्रभु यीशु हमारी संपूर्ण उपासना के योग्य हैं। यदि हम भक्ति नहीं करेंगे, तो निर्जीव पत्थर, जीवित हो, जयजयकार करेंगे। (लूका 19:40)

परमेश्वर ने बालकों और दूध पीते बच्चों के मुँह से सिद्ध आराधना कराई है, मत्ती 21:16, और इसका परिणाम, भजन. 8:2 में लिखा है, ''इस भक्ति के द्वारा शत्रुओं और बदला लेने वालों का सामना होता है।

आज सवाल है–

क्या आप सच्चे भक्त हैं?

शिष्य थॉमसन

''मेरी कहानी'' - अभियान

(मेरी कहानी - आपकी अपनी कहानी है।)

ये आज के हालात में एक प्रचार और गवाही का तरीका है, माध्यम है, और भारत-नेपाल, के मसीही विश्वासियों के लिए एक 'गवाह' बनने का आह्वान है।

"My Story" – movement

''प्रभु यीशु ने कहा, अपने घर जाकर अपने लोगों को बता, कि तुझ पर दया करके प्रभु ने तेरे लिये कैसे बड़े काम किए हैं।'' मरकुस 5:19

कभी मुझे भी अर्ध-मन से सड़क पर खड़ा होना पड़ता था। किसी स्टेडियम से निकलती भीड़, बाजार में दुकानों में बस में ट्रेन में सुसमाचार का वितरण।

मेरे अंदर डर भी था, और शर्म भी।

पर आज

दिल में दर्द भी है, और आंसू भी।

कारण ये की मैं इस बात से वाकिफ हूँ,

कि, मनुष्य अंधकार में, कंगाल, कुचला, अंधा, नंगा और बंधुआ पड़ा है।

और मैं चुपचाप खड़ा होकर देख रहा हूँ, जानते हुए भी की प्रभु यीशु इन्हें ही बचाने आये हैं।

प्रभु यीशु का

धर्म प्रचार नहीं है, परमेश्वर के राज्य की स्थापना है शुभ समाचार है हर मनुष्य की मुक्ति का उपाय है।

प्रभु यीशु ने धर्म में लोगों को नहीं बुलाया, पर थके और बोझ से दबे लोगों को अपने पास बुलाया है,

धर्म परिवर्तन की बातें शैतान का झूठ है और उसका ऐसा हथियार है जिससे मुक्ति की बातें आम लोगों तक न पहुंच सकें। (भेड़ को भेड़िये के रूप में दिखाना)

आज

हर जगह हालात एक विश्वासी के लिए मुश्किल हो गये हैं। सड़कों पर, मैदान में, चर्च के बाहर सुसमाचार सुनाना मुश्किल है,

और बहुतों के लिए एक सुसमाचार न सुनाने का बहाना मिल गया है।

बड़ी भीड़ वाली मीटिंग में सबको अच्छा लगता है, गीत, वीडियो, चंगाई सभा, चमत्कारी सभा, सब को अच्छी लगती हैं,

प्रभु यीशु

रास्तों के किनारे, पेड़ के नीचे, पहाड़ पर, नाव पर, बीमारों के घर में, मंदिर के दालान में, परमेश्वर के राज्य की बातें सुनाते थे।

प्रभु यीशु ने

सच ही तो कहा था उन्होंने मुझे सताया तुम्हें भी सतायेंगे। यूहन्ना 15:20

साथ ही साथ प्रभु यीशु ने ये भी कहा था

''जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे; और पृथ्वी की छोर तक मेरे गवाह होगे।'' प्रेरितों 1:8

आज प्रभु यीशु की खुशखबरी चर्च की चार दिवारी के अंदर बंद हो गई है।

क्या हुआ?

प्रभु यीशु के 'महान आदेश' का, मेरे नाम से जाओ, मेरे अधिकार से जाओ, जगत के अंत तक मैं तुम्हारे साथ हूँ, इत्यादि का

अंधे भिखारी का प्रचार (मेरी कहानी)- बस ये जानता हूँ, कि पहले मैं अंधा था अब देखता हूँ

सामरी स्त्री का प्रचार (मेरी कहानी) - उसने सब कुछ जो मैंने किया बता दिया, कहीं यही तो मसीह नहीं है?

यदि सुसमाचार प्रचार का विरोध है तो ''अपनी कहानी'' अपना अनुभव, अपनी गवाही सुनाइये।

मेरी कहानी

- आपकी छोटी छोटी गवाहियां हैं जो आप बांटते हैं।

न किताब, पर्चे या बाइबिल की हाथ में आवश्यकता है

कहां और किस के साथ

किसी के भी साथ, घर में, दुकान में, गाड़ी में, पड़ोस में, खेत में, रिश्तेदारी में, चर्च में, किचन में, रास्ते में, जानकारों के साथ, अजनबी के साथ अपनी कहानी बांटें।

प्रभु यीशु ने प्रेम किया, आप भी प्रेम करें।

कोई झगड़े, हिंसा की बात का सवाल नहीं है,

कोई सुनना न चाहे तो चुप हो जाइए।

हर दिन की छोटी छोटी आशीषों का बयान करिए, रोटी, चंगाई, कपड़ा, मकान, दुर्घटना से बचाव, यात्रा का अनुग्रह, बच्चों की पढ़ाई, शांति का माहौल, सरकार, देश, हर बात के लिए परमेश्वर द्वारा दिया गया अनुभव बताइये।

बताइये किस तरह प्रभु यीशु ने वादा किया है यदि मेरे नाम से कुछ मांगोगे तो मैं तुम्हें दूंगा।

दूसरों के दुख दर्द को पूछिये ओर उन्हें बताइये यीशु नाम से वे भी मांग सकते हैं। उनके लिए प्रार्थना करिये।

(घटना– विदेश दौरे के दौरान में रास्ते में कॉफी के लिए रुका, दुकान में लंबी लाइन थी, इतने में एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति मेरे पास आकर धीरे से बोला, क्या आप को कोई दर्द या बीमारी तो नहीं? क्योंकि मैं आप के लिए प्रभु यीशु से प्रार्थना कर सकता हूँ, मैं चकित रह गया)

यदि मैं सुसमाचार सुनाऊं, तो मेरा कुछ घमण्ड नहीं; क्योंकि यह तो मेरे लिये अवश्य है; और यदि मैं सुसमाचार न सुनाऊं, तो मुझ पर हाय। 1 कुरिन्थियों 9:16

आज सवाल है–

क्या अपनी कहानी दूसरों को बताएंगे?

पाप और मोक्ष

मैं अक्सर गांवों में या शहरों में लोगों के बीच जाता हूँ और एक बात जो देखने में आती है वो यह कि आत्मिक बातें सरल नहीं लगतीं और परमेश्वर की पवित्र आत्मा का कार्य कठिन बातों को आसान बनाना है।

सरलता से आत्मिक बातों को समझें

- पाप
- शारीरिक स्वेच्छा
- कर्मों से मोक्ष नहीं
- मोक्ष का अर्थ
- पाप कहाँ से आया
- परमेश्वर के स्वरूप का अर्थ
- स्वतंत्रता जिसमें पाप का चुनाव भी संभव है
- अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ और फल
- प्रभु यीशु का कार्य
- विश्वास क्या है
- विश्वास में जीने के सहायक
- मोक्ष प्रार्थना
- आइए कुछ बातों को सरल करें

1. **पाप है क्या परिभाषा :** पाप मनुष्य की उस स्वेच्छा को कहते हैं जो परमेश्वर की इच्छा ओर उद्देश्यों के विपरीत है या मेल नहीं खाती।
2. **पापमय स्वेच्छा का अस्तित्व :** कर्मों में, विचारों में, मन में, हृदय में और उद्देश्यों में रहता है। मनुष्य पाप करने से पापी नहीं बनता पर पापी स्वभाव होने के कारण पाप करता है और पापी कहलाता है क्योंकि मनुष्य का स्वभाव पापी है वह सत्य, पवित्रता और परमेश्वर से अलग होकर भटका हुआ है। इसलिए एक या अनेक पापों से मतलब नहीं है। पाप और पवित्रता का मिश्रण नहीं होता है।
3. **अच्छे कर्म काफी नहीं हैं :** उदाहरण के लिए- यदि परीक्षा में पास होने के लिए 100 में 100 लाना है, तो जिसे 0 मिले और जिसे 99 मिले दोनों फेल हैं। इसी कारण अच्छे कर्मों की मात्रा बढ़ने से हमारी पवित्रता का पलड़ा भारी नहीं होता है। तो पहला निष्कर्ष ये कि अच्छे कर्म जुटाने से मोक्ष नहीं मिलेगा लेकिन इसके विपरीत

मोक्ष मिलने के द्वारा अच्छे कर्मों का जन्म होता है।

4. **मोक्ष का अर्थ :** परमेश्वर से विलय नहीं है पर मिलन है, संगत है। हमारी आत्मा का ईश्वर धाम में पहुँचना है। इस संसार से मुक्त होकर पवित्र और आनंदमय युग मे प्रवेश करना है।
5. **पाप आया कहाँ से :** बाइबल की पहली किताब उत्पत्ति में बड़े साफ शब्दों में इसका वर्णन है। परमेश्वर ने आदि में आकाश और पृथ्वी की सृष्टि की और सारे जानवर, पक्षी, और ब्रह्मांड को बनाया। इसके बाद उसने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया।
6. **परमेश्वर के स्वरूप का अर्थ :** परमेश्वर के गुण स्वभाव और इच्छा के अनुरूप जो स्वरूप है यही उसने मनुष्य को दिया। परमेश्वर के स्वभाव में स्वतंत्रता है और ये मनुष्य को भी दी गयी। इसका मतलब ये नहीं की मनुष्य दुष्कर्म का चुनाव करे।
7. **पाप के चुनाव की स्वतंत्रता :** यदि हमें बोलने की आजादी है इसका अर्थ ये नहीं की हम झूठ बोलें, या गाली दे सकते हैं। यदि हम ऐसा करते हैं तो अपने स्वतंत्र चुनाव करने के अधिकार का दुरुपयोग करते हैं। बाइबल का वो निर्णायक दिन जब मनुष्य पाप में गिरा और उसका संबंध परमेश्वर से टूट गया।
8. **अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ :** अदन का बाग परमेश्वर की सृष्टि थी। परमेश्वर ने हर भली बात बताई ओर हर खतरे से आगाह किया। हर वृक्ष का फल खा सकते हैं पर एक पेड़ जो बाग के बीच में था उसका फल खाने की मनाही थी। उसका नाम था अच्छे और बुरे के ज्ञान का पेड़ जिसके फल खाने से अच्छे और बुरे की सीमित जानकारी हो जाती है। ऐसा ज्ञान जो परमेश्वर के सत्य के विपरीत है।

नाम तो अच्छा है तो बुरा क्या था?

वो ये कि इसे खाकर मनुष्य पाप करने के लिए स्वतंत्र हुआ अपने निर्णय स्वयं करेगा, अच्छा बुरा क्या है वो अपनी समझ से स्थापित करेगा, परमेश्वर के नियम मिटाकर अपने कानून बनाएगा, अपना सत्य स्थापित करेगा और अच्छा और बुरा दोनों करने में सक्षम हो जाएगा।

अंजाम यही हुआ पहले मनुष्य आदम और हवा ने यही किया।

मनुष्य फल खाता है, आत्मिक रूप से मर जाता है और परमेश्वर और मनुष्य का संबंध टूट जाता।

9. **प्रभु यीशु ने क्या किया :** इस संसार में आकर परमेश्वर की इच्छा और जीवन और नियमों को प्रगट किया। परमेश्वर के प्रेम को प्रगट किया और हमें बताया कि परमेश्वर हमारा पिता है जो हमें मुक्ति देता है।

10. **विश्वास क्या है :** विश्वास एक अटूट निश्चय है जिसके होते हुए हम अपनी पापमय स्वेच्छा और उसके स्रोत शरीर के जीवन को अस्वीकार करते हैं। हम अपने पापी विवेक को अस्वीकार करते हैं ओर परमेश्वर के पुत्र प्रभु यीशु के मुक्ति उपाय और वचनों पर भरोसा करते हैं।

मुक्ति विश्वास द्वारा ही मिल सकती है

परमेश्वर की आत्मा हमारे अंदर प्रवेश करे, और ये विश्वास द्वारा संभव होता है। और सही मायने मे ये एक नया जन्म का अनुभव है क्योंकि हमारे शरीर में परमेश्वर का अंग निवास करने लगता है।

हमारे कर्म कांड, दान पुण्य, सोना, चाँदी, धन दौलत, रीति रिवाज या धार्मिक कार्य पवित्र सर्वशक्तिमान परमेश्वर से मिलन के लिए काफी नहीं हैं। उसकी कीमत कहीं अधिक है जिसे हम नहीं पूरा कर सकते हैं।

लेकिन खुशखबरी ये है कि वो कीमत प्रभु यीशु ने आकर अदा की है। पाप का मृत्युदंड उठाया है। बस अब उसकी दोहाई देना है, और दोहाई देने के पहले उस पर और उसके कार्य पर विश्वास करना।

11. **विश्वास के जीवन का मार्गदर्शन कैसे होता है :** पवित्र आत्मा परमेश्वर की इच्छा व सत्य को दिखाता है और उस पर चलने का आग्रह करता है। ये हमारे मन, हृदय और सोच विचार में सत्य की प्रेरणा देता है। परमेश्वर का वचन जो जीवित है, सत्य है और आत्मा है हमें समझ, बुद्धि और मुक्ति प्रदान करता है। भजन 119

12. **मोक्ष प्रार्थना :** प्रभु यीशु मेरा पूर्ण विश्वास है कि आपने मेरे पापों के बदले पवित्र खून बहाया है, मुझे माफी, नया जीवन और अपनी आत्मा का दान देकर मुक्ति प्रदान करो।

आमीन!

शिष्य थॉमसन

तीन सूत्रीय यीशु जीवन

(हमारा जीवन कैसा हो?)

आज हम मसीही कहलाते हैं
पर सवाल हैं
क्या हमने प्रभु यीशु का जीवन पाया है?
शायद

- ज्ञान है पर जीवन नहीं है
- क्रिया-कर्म हैं पर आज्ञापालन नहीं है
- विश्वास है पर अनुभव नहीं है
- शिक्षाएं हैं पर प्रेम नहीं है
- सत्य है पर अनुग्रह नहीं है
- धर्म है पर मुक्ति नहीं है

ऐसा क्यों?

इसलिए कि हमने प्रभु यीशु की बुलाहट को सही तरह से नहीं सुना है।
उसने कहा है
यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे तो अपने आप से इन्कार करे और प्रतिदिन अपना क्रूस उठाए हुए मेरे पीछे हो ले लूका 9:23
तीन सूत्र का जीवन है और इसी क्रम में इसे अपनाना होगा
सूत्र 1. स्वेच्छा का इन्कार करना होगा
सूत्र 2. हमें अपना स्वयं का क्रूस उठाना होगा
सूत्र 3. परमेश्वर की इच्छा जानकर हर दिन उस पर चलना होगा

1. अपने आप से इनकार करे

हमें ''मैं'' या ''अहं'' केंद्रित जीवन त्यागना होगा संसार, शैतान और शरीर की इच्छा को त्यागना है, अपने अधिकारों के लिए नहीं लड़ना है। संसार के उस आनंद को छोड़ना है जो हमे परमेश्वर से दूर ले जाता है। शरीर की लालसा, आँखों की अभिलाषा और जीविका का घमंड धन संपत्ति और वैभव पर भरोसा, छोड़ना है 1 यूहन्ना 2:16 रोमियों 6:11

2. अपना क्रूस प्रतिदिन उठाए

दुख उठाने को तैयार रहे। पवित्र जीवन जीने की राह में दुख, क्लेश, नुकसान, हिंसा और जान तक खोने को तैयार रहे।

कौन हम को मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नँगाई, या जोखिम, या तलवार? रोमियों 8:35

3. मेरे पीछे चला आए

परमेश्वर की इच्छा हर समय जानकर उस पर अमल करना है।

प्रभु यीशु ने कहा मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं पर हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुँह से निकलता है जीवित रहेगा। मत्ती 4:4

परमेश्वर का वचन देहधारी होकर हमारे बीच रहा लेकिन आज प्रभु यीशु शरीर में हमारे बीच नहीं हैं पर उनके वचन हमारे साथ हैं। प्रभु यीशु में जीवन था और वो जीवन मनुष्य का मार्गदर्शन या ज्योति था यूहन्ना 1:4

प्रभु यीशु ने स्वयं इन तीनों सूत्रों पर अमल किया

1. प्रभु यीशु ने परमेश्वर के तुल्य होकर भी मनुष्य रूप धारण कर हमारे बीच डेरा किया। वह सेवक बनकर आया, वह कंगाल बनकर आया, और शून्य बन गया। फिलि. 2:6-7 यूहन्ना 1:14
2. प्रभु यीशु ने क्रूस उठाया और हमें मुक्ति देने के लिए मृत्युदंड स्वीकार किया। यूहन्ना 19:17-18
3. प्रभु यीशु ने कहा ''मैं अपनी इच्छा नहीं परन्तु मेरे भेजने वाले की इच्छा पूरी करने के लिए स्वर्ग से उतरा हूँ'' यूहन्ना 2:6-7, इब्रानियों 10:7

आज सवाल है–

क्या आपका मसीही जीवन इन तीन सूत्रों पर आधारित है?

गीत सूची

गीत	गीत नं.
अच्छा चरवाहा यीशु	1
आओ जग के लोग सब ही	2
आराधना में है छुटकारा,	3
आके देखो सारे लोगों,	4
आज का दिन यहोवा ने बनाया है,	5
आदि और अन्त तू ही है, अल्फा और	6
आवाज़ उठायेंगे, हम साज़ बजायेंगे	7
आराधना हो आराधना	8
आशीष तुम से चाहते हैं,	9
अपनी शाँति, तुम्हें देता हूँ,	10
आओ हम यहोवा का, धन्यवाद करें	11
आने वाला यीशु के जल्द हमारा	12
आनन्द है महा आनन्द है	13
आनन्द आनन्द आनन्द है	14
आओ हम यहोवा के लिये	15
आया मसीह दुनिया में तू	16
आया है यीशु आया है	17
आसमानों में है	18
आनन्द मनायें आओ आनन्द मनायें	19
आनन्द से भर कर जायेंगे हम सब	20
आराधना हो आत्मा से	21
आंसू कब मिटेंगे	22
इंजील की दुनिया में	23
उपहार में भेंटें अपनी	24
उसका एक वादा है	25
उस मसीह का हम नमन, करते हैं सदा	26

गीत	गीत नं.
ऐ मेरे दिल, क्यों डर रहा,	27
ऐ मसीह तुझसे अरमान करूँ	28
एक आग हर दिल में हम को	29
ओ हो मसीह आया जमीन पर	30
कौन बचायेगा, मुझको छुड़ाएगा	31
कौन हमको जुदा उससे कर पायेगा-	32
क्रूस उठाकर, खून बहाकर	33
क्रूस हमें दे दो, काँधे पर हम उठा लें	34
क्रूस को धारण कर, सर्वनिछावर कर	35
क्रूस पर, क्रूस पर, है ये कौन	36
करते हैं तेरी हम स्तुति	37
कलवरी के पास खड़ा हो	38
करुणा से बुलाया है और	39
कठिन प्रभु तुझसे कुछ नहीं है	40
कितना हसीन वायदा ये किया	41
क्या दिन खुशी का आया	42
खून अपना बहाके-कीमत मेरी चुकाते	43
खुशी खुशी मनाओ	44
खुल जायेंगी किताबें, जब भी हिसाब होगा	45
खुशियों की बहार लिए	46
खुदा से माँगो मिलेगा	47
गाते बजाते जायेंगे हम	48
गिन गिन के स्तुति करूँ	49
गिन गिन के स्तुति करूँ मैं	50
घर-घर आये यीशु नाम	51
चलें हम खुशियाँ लेकर यीशु की	52

गीत	गीत नं.
चले हो तुम खुदा के साथ	53
चले जाना है, दूर से दूर तलक	54
चार दिन की जिन्दगी है	55
चाहे तुमको दिल से, गायें ये गीत मिलके	56
जय यीशु, जय जय यीशु	57
जायेंगे यीशु के पीछे हम, जायेंगे-2	58
जी उठा तारणहारा मसीह	59
जीवन का जल हमें दे दे प्रभु	60
जंगली दरख्तों के दर्मियान,	61
जब से प्यारा यीशु आया, मेरा जीवन...	62
जय जय प्रभु यीशु की (2)	63
जय-जय यीशु, जय-जय यीशु (2)	64
जैसा मैं हूँ बगैर एक बात,	65
जगत में आया है तारणहार	66
जब तू जुम्बिस करे हम पर छाया रहे	67
जागो सोने वालों वक्त जाने लगा	68
जिन्दगी मेरी बदल गई	69
जीवन से भी उत्तम, तेरी करुणा	70
जो क्रूस पर कुर्बान है, वो मेरा मसीहा है	71
डरेंगे नहीं, मौत से कभी	72
तुम जगत की ज्योति हो	73
तेरे मार खाने से यीशु मैंने	74
तेरे सन्मुख शीष नवाते, हे जग के करतार	75
तेरे ज़ख्मों को हम	76
तेरे दिल में मुझको जगह मिली	77
तेरे पास आता हूँ	78
तेरे लहू से पाप धोता हूँ	79
तेरे लहू से, मुझे धो ले तू प्रभु	80
तेरा प्यार है महान, तेरा प्यार है यहाँ	81
तेरा हो अभिषेक	82
तेरी आराधना करूँ.....2	83
तेरी महिमा हम गायें मेरे यीशु मसीह	84
तेरी इच्छा पूरी हो जाए	85
तन मन और धन उसे दो	86
थोड़ा समय है बाकी	87
देखो देखो कोई आ रहा है	88
देखो मैं दुनिया के अंत तक	89
दिल मेरा ले ले प्यारे यीशु	90
दिल से गाते बजाते रहो	91
दिन में बादल का छाया बना	92
दुनिया में सबसे प्यारी पुस्तक बाइबल	93
दुनिया का डेरा छोड़कर, एक दिन	94
दुनिया के कोने-कोने में	95
दीपक हम तेरे हैं प्रभु	96
दीप जले प्रभु नाम रहे	97
धन्य तुम्हीं प्रभु, यीशु मसीह मेरे	98
धन्य नाम प्रभु यीशु सुनकर,	99
न कभी वो भूलेगा, न कभी वो छोड़ेगा	100
न तो बल से न शक्ति से	101
नया जीवन होगा, कैसा सुहाना	102
नन्हे मुन्ने बच्चों आओ चलें	103
नया हम गीत गायेंगे	104
नीले आसमान के पार जाएंगे	105
नाम लियो रे नाम लियो रे	106
निर्बल पापी, हारे हुए हम	107
पग पग बढ़ते जाना है	108

गीत	गीत नं.
पाक रूह हम यीशु के प्यासे हैं	109
पाप का बन्धन तोड़ा गया,	110
पावन, प्रभु तुम, शरण तुम्हारे	111
प्रभु का आनन्द है मेरी ताकत	112
प्रभु का धन्यवाद करूँगा	113
प्रभु का दर्शन, यीशु का दर्शन	114
प्रभु मेरा चरवाहा, प्रभु मेरा रखवाला	115
प्रभु तोरे मन्दिरों में पूजन करूँ मैं	116
प्रभु महान् विचारूँ कार्य तेरे	117
प्रभु तेरा प्यार सागर से भी है गहरा	118
प्रभु परमेश्वर तू कितना भला है	119
प्रभु मुझको बना, तू अपना पवित्र स्थान	120
परम पिता की हम स्तुति गायें	121
पवित्र, अति पवित्र स्थान में ले चल प्रभु	122
पवित्र आत्मा आ, पवित्र आत्मा आ	123
पावन है वह प्रभु हमारा	124
पीछे पीछे यीशु तेरे हम चले आयेंगे	125
परमेश्वर पिता परमेश्वर	126
प्रार्थना में जो कुछ माँगा	127
फिर से वो आग बरसा दे	128
प्यारो हिम्मत बांधो आगे बढ़ो क्रूस का...	129
बिजलियाँ चमकेंगी, तुरहियाँ, फ़ूकेंगी	130
बोलो जय मिलकर जय,	131
बरकत और इज़्ज़त और जय तेरी हो,	132
बादलों पे यीशु जब आओगे तुम	133
बिनती सुनले यीशु प्यारे	134
बड़ी भोर को तेरे दर्शन को मैं	135
भजने आए हैं पिताजी	136
भजो मीठा नाम, प्रभु यीशु नाम	137
भजन करूँ, मैं भजन करूँ	138
भजता क्यों नहीं रे मन मूरख	139
मैं तो प्यार की नौका में	140
मुझको यीशु मसीह मिल गये हैं अभी	141
महफिल मसीहा की	142
मुक्तिदाता यीशु नाम	143
मेरी आँखें खोलो यीशु मसीह	144
मेरो मन लागो	145
मेरे जीवन का मकसद तू है	146
माँगो तो मिल जायेगा	147
मुक्ति दिलाये यीशु नाम	148
महिमा से तू जो भरा हुआ	149
मन का दीप जला जीवन दीप जला	150
मन तो प्रभु का मन्दिर है	151
मन मन्दिर में बसने वाला	152
मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा	153
मेरे गीतों का विषय, तू मेरी आराधना,	154
मेरे हाथों को यीशु थामो,	155
मेरे प्रभु, जग करतार मोहे अपने...	156
मसीह तू हमको बचा ले	157
मसीही जिन्दगी, आनन्द की जिन्दगी	158
मिलकर हम सन्ना तेरी गाते	159
मिलती है जय हमको तुझसे	160
मेरा एक ही मित्र यीशु	161
मेरा मन धो देना प्रभु	162
मेरा प्रभु जन्मा, प्यारा यीशु जन्मा	163
मेरा यीशु है कितना महान्	164

गीत	गीत नं.
मेरे महबूब प्यारे मसीहा	165
मेरे दिल में नया गाना	166
मेरे मन कर ले तारीफ	167
मैं आता हूँ तेरे पास, प्रभु यीशु मेरे मसीह	168
ये दुनिया बाज़ार है	169
यीशु आये गाँव समरिया में	170
यीशु के नाम से थर-थर काँपें	171
यीशु के पीछे मैं चलने लगा	172
यीशु का नाम है सारी ज़मीन पर	173
यीशु का दरबार रे, मोहे	174
यीशु ने कलवरी दु:ख क्यों सह लिया	175
यीशु तेरा नाम, है कितना सुन्दर	176
येशु तेरा नाम सबसे ऊँचा है	177
यीशु तेरी प्रेम कहानी	178
यीशु है सच्चा गड़रिया,	179
यीशु है मेरी पनाह, वही है मेरी चट्टान	180
यीशु का नाम सुखदाई, भजन करो भाई	181
यीशु का नाम है, सारी जमीन पर,	182
यीशु का प्रेम है, जीवन का आधार	183
यीशु का हाथ-हाथों में लेके	184
यीशु के संग संग चलें	185
यीशु को मैं सब कुछ देता	186
यीशु ने हमें छुड़ाया है	187
यीशु मेरा हाथ न छोड़ेगा	188
यीशु रखना हमें, साये में अपना सदा	189
यीशु राजा मुक्तिदाता	190
यीशु बुला रहा है,	191
यीशु लियो तेरो नाम	192
यीशु नाम में उद्धार हमको	193

गीत	गीत नं.
यीशु सलीब पर मुआ	194
यीशु मसीह पैदा हो गए	195
यीशु ने अपना खून बहाके	196
यीशु बुलाता तुम्हें	197
यीशु मसीह दिलावर है	198
यीशु मसीह, तेरे जैसा है कोई नहीं	199
यहोवा चरवाहा मेरा	200
यहोवा जिन्दा खुदा, वह हमारा बादशाह	201
यादें जब सताए, यीशु को याद करना	202
यात्री हूँ मैं जग में प्रभु जी	203
रक्तम जयम-रक्तम जयम	204
राजाधिराज महिमा के साथ	205
राजाओं का राजा यीशु राजा	206
राजा यीशु आये हैं सब मिलके गाएँगे	207
रब्ब की होवे सन्ना हमेशा	208
रब्ब खुदावन्द बादशाह है	209
रहनुमाई जिस तरह प्रभु ने की	210
रूहे पाक खुदावंद आ तू आ	211
लाखों हज़ार ज़ुबानो के साथ,	212
लहू बहाने वाले यीशु, तेरी जय...	213
वन्दे प्रभु, वन्दे मसीह	214
वन्दना करते हैं हम	215
वो प्रभु है, वो प्रभु है	216
सर नवाते हैं हम, ख्रिस्त आते हैं हम	217
सबसे ऊँचा...	218
संकट के दिन गाऊंगा	219
शून्य से लेके तूने मुझे	220
सब मिलकर गायेंगे महिमा यीशु...	221
साष्टांग प्रणाम हम करते हैं	222

गीत	गीत नं.
सिय्योन देश हमारा है देश	223
सिय्योन के सफर में	224
स्तुति हो यीशु तेरी	225
स्तुति आराधना ऊपर जाती है	226
स्तुति करो प्रशंसा करो	227
स्वर्गीय आशीष दे	228
स्वर्गीय पिता हम आते हैं	229
शांति का राजा आ रहा है	230
सारी सृष्टि के मालिक तुम्हीं हो,	231
सहारा मुझको चाहिये	232
सुन लो मेरे भाईयों मसीहा मेरा	233
सम्भालने वाला प्रभु मैं हूँ	234
सुबह सुबह स्तुति बलि	235
सेनाओं का यहोवा हमारे संग-संग है	236
सदा मैं स्तुति करूँगा	237
हृदय भेंट चढ़ाएं प्रभु को,	238
हो जय जयकार, जय जयकार करें	239
होके कुर्बान हर गुनाह से	240
होवेगी बरकत की बारिश	241
हे यहोवा, बल मेरे मैं	242
हम से बरनी न जाये, मसीह...	243
हम जायेंगे, हम जायेंगे	244
हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह,	245
हमको यहाँ से ले जाने...	246
हम हालेल्लुय्याह, हालेल्लुय्याह कहके	247
हम यीशु मसीह के चेले हैं	248
हम तो जलते दीप हैं	249
हाल्लेलुय्याह स्तुति गाएं हम	250
हा-हा हाल्लेलुय्याह मिलकर गाएं	251
हे पवित्र आत्मा शक्ति हमें देना	252
जय जय नाम येशु नाम	253

आज सवाल है	पृष्ठ नं.
1. आपके घर में	94
2. आपके चर्च के बारे में	95
3. आपकी जिंदगी पर किसी ने किताब	95
4. आग लगवा दी थी परमेश्वर ने	97
5. आदर पाने की होड़	98
6. आखिर आप हो कौन	99
7. अपना बचाव न चाहा	100
8. इस पत्थर पर	101
9. एक दिन - प्रभु यीशु के जीवन का	102
10. एकलौता पुत्र मर गया	103
11. कुँए पर बैठा आदमी कहीं मसीह तो	104
12. क्या किया?	105
13. क्या लगता है?	106
14. किससे लड़ रहे हो?	106
15. गणित पढ़ाने वाला क्या शराब	107
16. गीत गवालो, संदेश दिलवालो	108
17. ग्रहण योग्य भेंट	109
18. चाहे हो कोई सरकार	110
19. चोरी हुई थी	111
20. 'चिंता' आखिर है क्या?	112
21. ठहरो, अभी प्रचार मत करो	113
22. दोनों ही ने खून बहाया	113
23. धर्म, धन, राज शक्ति, व्यापार	114
24. नामधारी विश्वास-नहीं सुना था आपने?	115
25. नया जन्म - क्या अर्थ है?	116
26. नहीं चाहिए ऐसी-आराधना	119
27. पान वाला	119
28. परमेश्वर से व्यापारी रिश्ता	120
29. परमेश्वर का राज्य धन और	121
30. परमेश्वर का लंबा परिचय दे रहे हो	123
31. परमेश्वर हँसेगा	124

आज सवाल है	पृष्ठ नं.
32. पैसे जमा कर सकता हूँ	125
33. पीछे मुड़कर प्रभु यीशु ने क्या देखा	125
34. पवित्र आत्मा जीभ की शक्ल में	126
35. प्रार्थना में घुटने टेकने का अर्थ	127
36. प्रभु यीशु उद्घाटन में	129
37. प्रभु यीशु ''दो टुकड़े'' करता है	130
38. बारह चेले कैसे चुने प्रभु यीशु ने?	130
39. बुरा लगता है न ?	132
40. बिना कान के मनुष्य	133
41. भूखे	134
42. मजदूर नहीं मैनेजर हैं	134
43. मुँह में यीशु, बगल में छुरी	135
44. मैं उसे नहीं जानता	136
45. मैं नही हूँ	137
46. मैं भी रोया	138

आज सवाल है	पृष्ठ नं.
47. मार खाते खाते मर गए	139
48. मौत से मुनाफा	140
49. मुक्ति चाहिये है, धर्म नहीं	141
50. मनुष्य का पुत्र	142
51. मौत है?	143
52. लज्जा	143
53. सत्याग्रह नहीं किया था मूसा ने	144
54. साइमन वाईसंथाल खामोश क्यों?	145
55. सवाल बदल गया है	146
56. वह धूल में क्या लिख रहा था।	147
57. परमेश्वर और धन में समानता है	149
58. जलता हुआ दीपक	150
59. यदि नाश हो गई, तो हो गई	152
60. घी तो वो था जो...	153
61. पटेल जी का सवाल	154
62. प्याले में आखिर था क्या?	156
63. ज्ञान-कर्म या विश्वास	159

1.

1. अच्छा चरवाहा यीशु 2
   कोई घटी ना होगी मुझको,
   यीशु मेरे साथ है
   हरी चराइयों में ले जाता,
   जो झरनों के पास है

   अच्छा चरवाहा यीशु, अच्छा चरवाहा
   प्राण देने वाला वो ही मेरा रखवाला
   अच्छा चरवाहा मेरा, अच्छा चरवाहा
   अच्छा चरवाहा यीशु, अच्छा चरवाहा

2. अंधियारी हो वादी फिर भी,
   निर्भय होकर जाऊं मैं
   मौत के साए में आऊं जब,
   फिर भी ना घबराऊं मैं
3. शब्द सुनूं तेरा मैं हरदम,
   पीछे पीछे आऊं मैं
   काँधे पर ले लेता मुझको,
   थक जाऊं जब राहों मैं
4. खून बहाए जान बचाए,
   यीशु ही उद्धार है
   जीवनदाता जग का त्राता
   यीशु ख्रीस्त महान है।
5. महिमा भक्ति और प्रशंसा के गुण युग गाएँगे
   खून बहाने वाले मसीह के चरणों पे सिर को नवाएं

◆◆◆◆

2.

आओ जग के लोग सब ही
यीशु राजा बुलाता है

1. जग में जिसका स्थान नहीं है,
   जग में जिसका मान नहीं है
   राज तुम्हें देने के लिए,
   यीशु राजा बुलाता है।
2. जग में तुम हो भूखे मरते,
   जग में तुम हो प्यासे मरते
   भोजन जल अब मुफ्त में देने,
   यीशु राजा बुलाता है।
3. सिर पर कांटों का ताज निशानी,
   छाप है उसकी बहती पसली
   छिदे हाथ पसारे हुए,
   यीशु राजा बुलाता है।
4. आओ भाइयो आओ बहनों,
   आओ उसको परखो देखो
   सारा भार उठाने के लिए,
   यीशु राजा बुलाता है।

◆◆◆◆

3.

1. आराधना में है छुटकारा,
   आराधना में है चंगाई
   शरीर देह, आत्मा में
   शांति आनंद देता है
   जान से भी प्यार प्रभु-2
   प्रार्थना करो आराधना करो,
   वो अच्छा है कितना भला है-2
   छुटकारा पायें हमेशा-2
   हाल्लेलुय्याह

2. मांगो तो तुम्हें मिलेगा
ढूँढों तो तुम पाओगे-2
खटखटाओ खुलेगा, खुलेंगी
स्वर्ग की आशीषें-2
पाओ तुम उसे अभी..

3. प्रार्थना करो निरंतर
प्रार्थना करो विश्वास से-2
धर्मी जन की प्रार्थना,
विश्वास की प्रार्थना-2
खोलता है सारा बंधन...

◆◆◆◆

4.

आके देखो सारे लोगों,
मेरा यीशु जिन्दा है
वो जगत का उद्धार करता,
पापी को बचाता है।

1. स्वर्ग छोड़कर पृथ्वी पर आया
मानव से कितना प्रेम किया
मानव के बदले क्रूस उठाकर
खुद उस पर बलिदान हुआ।। (2)
2. अंधों को वो आँखें देता
लगंड़ों को वो चलाता
बीमारों को वो चंगा करता
मुर्दों को वो जिलाता।। (2)
3. करके वायदा वो गया है
जगत में फिर वो आएगा
धर्मियों को ले जाएगा
पापियों को छोड़ देगा।। (2)

◆◆◆◆

5.

आज का दिन यहोवा ने बनाया है,
हम इसमें आनन्दित हों, आनन्दित हों।

1. प्रभु को महिमा मिले,
चाहे हो मेरा अपमान (2)
वह बड़े मैं घटूं, रहे इसी का ध्यान। (2)
2. स्तुति प्रशंसा करें,
क्यों न कुछ होता रहे, (2)
उसको हम भाते रहें,
चाहे जहाँ भी रहें। (2)
3. आता हूँ तेरे पास,
मुझको है तुझसे आस, (2)
मुझको कबूल कर ले,
पापों से शुद्ध कर दे। (2)
4. जीवन से ज्योति जले,
जीवन यह ऐसा बने (2)
ज्योति में चल हम सकें,
यही दुआ है तुझसे। (2)

◆◆◆◆

6.

1. आदि और अन्त तू ही है, अल्फा और
ओमेगा तू ही है
दूतों की स्तुति तू ही है,
बुद्धि और सब ज्ञान तू ही है

यीशु तू महान् है, यीशु तू सच्चा है
यीशु तू ज़िन्दा है, यीशु तू धन्य है
दूतों की स्तुति तू ही है,
बुद्धि और सब ज्ञान तू ही है

2. जीवन मेरा पापों से भरा,
जग अंधेरा और अशुद्ध सारा
मेरे पापों से बचाने को,
मेरे लिये जीवन दिया है।
3. सारे गुनाहगारों के लिये
अपना खून बहाया यीशु ने
खाई कोड़ों की मार भी,
दी सलीब पर उसने अपनी जान।

◆◆◆◆

7.

आवाज़ उठायेंगे, हम साज़ बजायेंगे
है यीशु महान् अपना ये गीत सुनायेंगे

1. संसार की सुन्दरता में है रूप तो तेरा ही
इन चाँद सितारों में है अक्स तो तेरा ही (2)
महिमा की तेरी बातें हम सबको बतायेंगे
2. दिल तेरा खज़ाना है एक पाक मोहब्बत का
थाह पा न सका कोई सागर है तू
उल्फत का (2)
हम तेरी मोहब्बत से दिल अपना सजायेंगे
3. न देख सका हमको तू पाप के सागर में
और बनके मनुष्य आया आकाश से सागर में (2)
मुक्ति का तू दाता है दुनिया को बतायेंगे।

◆◆◆◆

8.

1. आराधना हो आराधना
खुदावन्द यीशु की आराधना (2)
2. शान्तिदाता की आराधना (2)
मुक्तिदाता की आराधना
3. पवित्र दिल से आराधना (2)
प्रेमी मन से आराधना
4. मेरे मसीहा की आराधना (2)
जीवनदाता की आराधना
5. दूतों के संग आराधना (2)
स्तुति प्रशंसा आराधना

◆◆◆◆

9.

आशीष तुम से चाहते हैं,
हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं

1. ना कोई खूबी है न लियाकत,
बख्शो हमको अपनी ताकत
खाली दिलों को लाते हैं,
हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं।
2. तुम हो शक्तिमान् प्रभु जी,
दया भी है अपार प्रभु जी
स्तुति हम सब गाते हैं,
हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं।
3. हमने बहुत खताएं की हैं
रहे निकम्मे जफाएं की हैं
शर्म से सिर झुक जाते हैं,
हे स्वर्गीय पिता हम आते हैं।

◆◆◆◆

10.

अपनी शाँति, तुम्हें देता हूँ,
संसार पर भी, विजय देता हूँ
शाँति-3, अपनी सच्ची शाँति

1. दुनिया में तुमको दु:ख होगा
कष्ट सदा ही, क्लेश आयेगा

डर न जाओ
मैंने जगत को, जीत लिया
2. न हो व्याकुल, भरोसा रखो
पिता पर वा मुझ पर, विश्वास करो
जगह तैयार, तो
लेने तुम्हें, ज़रूर आऊँगा
3. संसार अशांत है घबराना ना
करे जब वो बैर तो, डर ना जाना
संसार के नहीं तुम
मैंने तुम्हें, बचा लिया है।
4. जाँ देने तक तुम धीरज धरना
ढ़ाँढ़स बाँधो तुम, हिम्मत रखना
आज्ञा मानो तो
पिता के प्रेम में, बने रहोगे ?
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

11.

आओ हम यहोवा का, धन्यवाद करें
अपने सारे हृदय से, वन्दना करें
उसके फाटकों में, स्तुति करें और ललकारें
1. जिसने बनाया हमें, वो है हमारा आधार
जिसने दी हमको स्वांस, वो है हमार उद्धार
उसकी हो जय जय हो आराधना
वो है सभी का प्रधान (2)
2. अपने सारे तन मन से हम, प्रभु की महिमा
करें वो है शिफ़ा और नज़ात,
उसकी प्रशंसा
करें वो है जग का त्राता और तारणहार
उसकी हो जय जय सदा (2)

◆◆◆◆

12.

आने वाला यीशु के जल्द हमारा
उठो सोने वालो वो द्वार पर खड़ा
1. घर बनाने जाता हूँ फिर से जाऊंगा
गम करो न तुम साथ लेकर जाऊँगा
2. जो लिखा वचन में मशाल ले चलो
अपनी कुप्पियों में तुम तेल देख लो=2
3. स्वर्गदूत तुरहियों के साथ हाथ में
बादलों पर दूल्हे की बरात देख लो=2
वध हुआ वो मेम्ना है यीशु हमारा
बैठा है सिहाँसन पर मुक्तिदाता=2
5. सूर्य नहीं होगा न चन्द्रमा वहा
यीशु जयोत होगा ना रात है वहाँ=2
6. आंसू पोंछ देगा दुखदर्द न वहाँ
रोना फिर न होगा युगानयुग जहाँ
7. कोटि-कोटि घुटने झुक जायेंगे जहाँ
नया गीत होगा हर होंठ पर वहाँ=2
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

13.

आनन्द है महा आनन्द है
आश्चर्यकारी यीशु ने
मेरे पापों को है क्षमा कर दिया।
1. सर्वशक्तिमान मेरे सच्चे प्रभु जी,
सर्व सदा स्तुति करूँ मैं तेरी।
2. बन्दीगृह से मैंने पुकारा
स्वर्ग से तूने उत्तर दिया।
3. माँगने से बढ़कर प्रभु देता है
समझ से बाहर कार्य करता है।

◆◆◆◆

14.

1. **आनन्द आनन्द आनन्द है (2)**
   अबदी मोहब्बत से हमें प्रेम किया
   अपना बेटा हमें बना लिया
   यह हमारा सौभाग्य है।
   हल्लिलूयाह सदा गायेंगे,
   हम प्रभु यीशु के लिए
   आनन्द आनन्द आनन्द है (2)
2. आनन्द के तेल से मसह किया है
   पवित्र स्थान में दाखिल हुआ
3. पाप-घटा है छाई हुई,
   रूह मेरी घबराई हुई।
   सुन ले तू इस दिल की दुआ।

◆◆◆◆

15.

आओ हम यहोवा के लिये
ऊँचे स्वर से गाएं
अपनी मुक्ति की चट्टान का
जय जयकार करें

1. धन्यवाद करते हुए उसके सम्मुख आयें
   भजन गाते हुए उसका जय जयकार करें
2. क्योंकि यहोवा महान ईश्वर है
   सारे देवताओं के ऊपर महान राजा है
3. क्योंकि वो हमारा परमेश्वर है
   और हम उसकी प्रजा उसके
   साथ की भेड़ें हैं

◆◆◆◆

16.

आया मसीह दुनिया में तू,
पापियों को बचाने को,
लाये ईमान जो बेटे पर,
करेगा पार इस दुनिया को।

1. दुनिया गुनाहों में डूब रही थी,
   सादिक गुमराह हो रहे थे,
   छोड़ा आसमान, बना इन्सान,
   मिली नजात, इस दुनिया को।
2. बैतलहम के मैदानों में,
   गड़रिये रात सो रहे थे,
   सुना फरिश्तों की जुबान,
   पैदा हुआ ख्रीष्ट निधान।
3. आलिमों ने किताबों से,
   पढ़ी पैदाइश की तफसील,
   चल दिये वह भी ऊँटों पर,
   तारे हयात का पीछा कर।
4. समुद्र की सब लहरों पर,
   दुनिया की हर जुबानों पर,
   है उसका नाम, है उसका काम,
   सारा जहाँ लाये ईमान।

◆◆◆◆

17.

आया है यीशु आया है
मुक्ति ले साथ आया है

1. जंगल में मंगल दूत मिल गाते
   जय-जय हो प्रभु जय-जय हो
   शान्ति और मेल लाया है
2. देखन गड़रिये चले रात को

दूतों से सुन के दूतों से
मसीह मरियम का जाया है

3. पूर्व देश से चले मजूसी
तारे से देखो तारे से
पता यीशु का पाया है

4. यरूशलेम जा, पूछन लागे
किस घर जी, राजा किस घर जी
मुक्ति का राजा आया है

5. बैतलहम में मसीह को पाकर
लोबान मुर्र, सोना, लोबान, मुर्र
नजर उसकी चढ़ाया है

6. दास सुना जब प्रेम मसीह
का तन मन से, लोगों, तन मन से
शरण यीशु की आया है।

◆◆◆◆

18.

आसमानों में है
मेरा भी एक मकान
उसमें रहेंगे हम जाके,
छोड़ेंगे जब ये जहान

1. मैं काहे घबराऊँ, मेरा भरोसा वही
उसने किया है ये वायदा,
वायदा है सच्चा सही
जगह बनाऊँगा जाके,
अपने पिता के यहाँ।।

2. लिखा गया है मेम्ने की,
पुस्तक में भी मेरा नाम
मुझ पापी पर जब हुआ था,
उसके पूजन के ये काम
उसने बचाया है मुझको,
वो है बड़ा मेहरबान।।

3. झूठे जहाँ में तसल्ली, कभी नहीं पाओगे
यीशु के पास बोझ लाओ,
तभी आराम पाओगे
उसके संग रहेंगे हम जाके,
छोड़ेंगे जब ये जहान।।

◆◆◆◆

19.

1. आनन्द मनायें आओ आनन्द मनायें
यीशु राजा मेरा हो गया
इस सृष्टि का पालनहारा
मेरे हृदय का राजा हुआ।।

आ...आ आनन्द है, परम आनन्द
क्या यह मेरा सौभाग्य है (2)
इस सृष्टि का पालनहारा
मेरे हृदय का राजा हुआ।।

2. मेरे बालकपन से उसने मुझे चुन लिया
मैं था भटका और दूर हो गया
उसकी करुणा ने फिर भी नहीं छोड़ा
नया जीवन मुझे दे दिया।।

3. मैं बना रहूँगा प्रेम में अपने प्रभु के
चाहे कोई भी बाधा पड़े
उसकी आज्ञा को नहीं भूलूँगा
जब तक उसका आना न हो।।

4. प्यारा प्रभु आयेगा संग में मुझे ले लेगा
ताकि उसके साथ मैं रहूँ
मैं मगन रहूँगा उसकी संगति में
वहाँ आनन्द ही आनन्द है।।

◆◆◆◆

20.

आनन्द से भर कर जायेंगे हम सब
गाते हुए सिय्योन की तरफ

1. सारे जगत में कोई आनन्द नहीं
   प्यारे प्रभु ने बताया सही
   दु:ख और मुसीबत उठाओगे प्यारो
   थोड़ी देर और अब बाकी रही।।
2. मिस्र को छोड़कर भाइयों पार चलो
   और बंजर जमीन में सिर्फ डेरा करो
   कनान के देश पर नजर उठाओ
   क्योंकि हमें यहां सदा रहना नहीं।।
3. मारा रफीदिम में, आओगे लेकिन
   यीशु पर पूरा भरोसा धरो
   वही ले जायेगा, वही बचायेगा
   वायदा कभी उसका, टलता नहीं।।
4. यीशु के साथ-साथ आगे बढ़ो
   और मिस्र की इच्छाओं को छोड़ो सभी
   तबेरा के बेदीनों के पापों में
   भाईयों तुम हरगिज मिलो ही नहीं।।
5. स्वर्ग पर हमारा वतन है एक ही
   जहाँ से आयेगा प्यारा मसीह
   सिय्योन के गीत हम गायेंगे मिलकर
   दु:ख और तकलीफ वहां होंगे नहीं।

◆◆◆◆

21.

आराधना हो आत्मा से,
आराधना हो सच्चाई से
हर एक चीज़ जिसमें हो प्राण
यहोवा की आराधना करे

1. यहोवा राफा वो है तेरा चंगाई देने वाला
   चंगा करता हाथों से छूकर आ तू उसके पास
   बहता उसका लहू, क्रूस के तले
   आये जो भी उसके पास देता वो छुटकारा
2. यहोवा शालोम वो है तेरा शांति देने वाला
   अब्दी आशीषों से वो भरेगा, तेरे जीवन को
   महासागर जैसी बाधाओं में खोलेगा द्वार
   पाप और श्राप होंगे दूर यीशु के लहू से
3. यहोवा निस्सी वो है तेरा विजय देनेवाला
   शत्रु तेरे घेरे तुझको तू न घबराना
   देख तेरे सामने प्रभु ने दे दी विजय
   छुटकारा केवल यीशु ही में है
4. मैं जीवन भर यहोवा के गीत गाता रहूँ
   बना रहूँगा जब तक मैं गाऊँ उसका भजन
   प्रभु की सेवा करूँ जब तक हो मुझमें जान
   चाहे सारी दुनिया करे मेरा अपमान

◆◆◆◆

22.

आंसू कब मिटेंगे
दर्द मेरे कब होंगे दूर
मुश्किलों के समय में
मुझको छुड़ाना प्रभु -2

1. इस जहां में कुछ भी नहीं,
   जो कमाया सब है बेकार,
   परदेशी हैं हम यहां,
   ये जगह हमारा नहीं।
2. हे प्रभु, तेरे संग रहने को,
   मन मेरा बहुत है व्याकुल,
   अब देर न कर प्रभु
   रुकने की शक्ति नहीं।

◆◆◆◆

23.

इंजील की दुनिया में
हम शम्मा जला देंगे
दुनिया को मसीहत का
परवाना बना देंगे

1. भटके हुए राही को, मंजिल का पता देंगे
   भूले हुए मांझी को, राहों का पता देंगे
   दुनिया को मसीहत की, हम शान दिखा देंगे
2. भारत में मसीहा के, हम फूल खिला देंगे
   दुनिया से नफरत के, कांटों को हटा देंगे
   हम दीन दुखियों की, तकलीफ मिटा देंगे
3. शैतान के हमलों को, मिट्टी में मिला देंगे
   तलवार मसीहा की, दुनिया में नचा देंगे
   हम ऐसे जवान हैं जो, दुनिया को हिला देंगे

◆◆◆◆

24.

उपहार में भेंटें अपनी (2)
प्रभु को चढ़ाना है (2)

1. जो भी हमारा प्रभु का सारा (2)
   जिसका उसको देना है (2)
   भण्डारी हम प्रभु के जग में
   दसवां ही लौटाना है। प्रभु को...
2. ख्रीष्ट यीशु ने स्वर्ग को त्यागा
   हमको प्रेम दिखाना है
   हिस्सा दो प्रभु को जो कुछ हो
   निज भेंट भी लाना है। प्रभु को...
3. ईश्वर की है कृपा भारी
   हमको धन्य दिखाना है
   सारा जीवन दे दो प्रभु को
   तब आशीषें पाना है। प्रभु को...

◆◆◆◆

25.

उसका एक वादा है, और वो निभाएगा
मुझको साथ ले जाने मेरा यीशु आएगा
मसीहा आएगा-5

1. वक्त वो जब होगा,
   कौन जाने कब होगा-2
   प्यार का मसीहा वो, पर जरूर आएगा
   प्यार का मसीहा वो तो जरूर आएगा
   मसीहा आएगा-5
2. जागते ही रहना तुम,
   तुम कभी न सो जाना 2
   दिल तो ले चुका है वो,
   रूह को लेके जाएगा
   दिल तो ले चुका है वो,
   रूह लेके जाएगा
   मसीहा आएगा-5
3. उसका इंतजार है,
   मुझको उससे प्यार है 2
   यीशु राजा आएगा, यीशु राजा आएगा
   यीशु राजा आएगा, यीशु आएगा
   मसीहा आएगा-5

◆◆◆◆

26.

उस मसीह का हम नमन, करते हैं सदा
जिसने जान देकर दी है, पापों से क्षमा

1. वो मसीह जो पानी पर, खुद ही चल पड़ा
   तूफ़ान और आँधी से ले, अपनों को बचा
   ज़िंदगी की राहों पर, हो ना घबरा
   यीशु ख्रीष्ट साथ है, वो है मेहरबां

2. वो मसीह जो पाँव धोये, अपने शिष्यों के
कह रहा है जो बड़ा बने वही झुके
उस मसीह का कर नमन प्रणाम हम करें
सबके सेवक बन सकें, प्राण दे सकें

3. पापिनी स्त्री की जिसने, जान ली बचा
हर गुनाहगार को, मौका दे रहा
उस मसीह के कदमों पर, गिर सकें सदा
मन फिरायें पापों से, पालें हम शिफ़ा

4. सामरी स्त्री से यीशु ने यही कहा
आत्मा और सत्य से करो आराधना
ऐसे भक्त ढूंढ़ता, स्वर्ग का पिता
जीवन जल के स्त्रोत जो बन सकें यहाँ
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

27.

ऐ मेरे दिल, क्यों डर रहा,
ऐ मेरे मन, क्यों रो रहा,
भरोसा रख यीशु मसीह पर
वो है तेरा चरवाहा

1. अंधियारी घाटी में, हो कर है जाना,
दिखती ना राह तुझे, ना है ठिकाना,
शत्रु के सामने, मेज बिछाता है,
जीवन की रोटी यीशु मेरा चौपान है

2. मौत की वादी है, काली वो घाटी है,
जान में जान प्रभु यीशु ले आता है,
यीशु चट्टान है, जीवन का दान है,
शान्ति का राजा मेरा परम प्रधान है,
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

28.

ऐ मसीह तुझसे अरमान करूँ
अपने जिस्म को कुरबान करूँ

1. मेरा चलना, बोलना और
हर ख्याल तुझ को भाए
मेरी सूरत ऐ, मसीहा
तुझ सी ही होती जाए
ऐसी जिन्दगी, अरमान करूँ
अपने जिस्म को, कुरबान करूँ
2. न बनूं मैं जमाने सा,
पर मन बदलता जाए
मसीह हर दिन जिये मुझमें,
मेरा मैं मरता जाए
यही इच्छा जो है तुम्हारी,
उसको सुबहो-शाम करूँ
अपने जिस्म को कुरबान करूँ

◆◆◆◆

29.

एक आग हर दिल में हम को जलाना है
भटके हुए जीवन को, प्रभु से मिलाना है

1. संसार की आशा भरी नजरें हम ही पर हैं
उद्धार का संदेश भी काँधों के ऊपर है
एक दीप से लाखों दिये हमको जलाना है

2. इतने सरल से ये रास्ते कल न खुले होंगे
प्रचार के अवसर हमें हासिल नहीं होंगे
तैयार रहना कल हमें खुद को मिटाना है

◆◆◆◆

30.

ओ हो मसीह आया जमीन पर,
खुशी होती है सारे आमसान,
आसमान! आसमान!
आसमान! आसमान! आसमान!

1. अपने गल्ले की करते रखवाली
   गड़रिये बारी बारी हो जैसे पासबान।
   पासबान (5)
2. उन पर चमका, उजियाला बड़ावाला,
   कि जिससे हुआ रौशन, तमाम वह मैदान।
   वह मैदान (5)
3. एक लश्कर तब, आया आसमानी,
   सुनाई स्वर्गीय वाणी, बहुत ही खुश इलहान
   खुश इलहान! (5)
4. रब्ब को ऊपर बढ़ाई,
   नीचे सुलह सलामती,
   हो मिन्नत, हो राजी, सब इन्सान।
   सब इन्सान (5)

◆◆◆◆

31.

कौन बचायेगा, मुझको छुड़ाएगा-2
यीशु आ गया, सुनकर मेरी ये पुकार

1. मारा फिरा हूँ, घायल पड़ा हूँ
   दुनिया में यीशु, में गिर पड़ा हूँ
   मुझको उठाने आप आये हैं,
   ज़ख्मों को भरने, यीशु आये हैं
   प्यारे यीशु, प्रेमी यीशु, मेरे यीशु
2. हँसती है दुनिया, ताने देती है
   अपने पड़ोसी से, मैं कट गया हूँ
   घर में तिरस्कार, बाहर अंधेरा
   संभालो मुझे यीशु, मैं थक चुका हूँ
   प्यारे प्रभु, प्रेमी प्रभु, मेरे प्रभु
3. क्रूस पर चढ़ते हुए देखा है
   बहते लहू को मैंने छुआ है
   आप की आँखें मुझ पर लगीं उस
   मोहब्बत ने मुझको जीत लिया है
   प्यारे मसीह, प्रेमी मसीह, मेरे मसीह
   (शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

32.

कौन हमको जुदा उससे कर पायेगा-
खून का प्रेम बंधन हमें बाँधेगा-

1. क्लेश आये सताव संकट हो या अभाव-
   मुझको यीशु के प्रेम से ना कर सके जुदा
2. आये क्यों ना अकाल नग्न-जोखिम तलवार
   ऊँचाई न गहराई सृष्टि की कोई भरमाई
3. ना ही जीवन ना मौत प्रधानता न स्वर्गदूत-
   वर्त्तमान न भविष्य, शक्तियाँ ना प्रेतभूत
4. जान देते हैं हम वध की भेड़ों तरह-
   प्रेम जयवंत है, यीशु के क्रूस का
   (शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

33.

क्रूस उठाकर, खून बहाकर
तुमने किया हमें प्यार-यीशु
तुमने दिया उद्धार

1. सृष्टिकर्त्ता हमारे घर आये
   ज्योत जगत में लाये (2) ..... यीशु
   फिर भी न हम पहचाने

2. कोड़े लिये तुमने, कपड़े फाड़े हमने
काँटों का ताज पहनाये (2) .....यीशु
फिर भी न हम पछताये

3. कुचला सताया, झूठा ठहराया
विश्वास तुम पर न लाये (2) .....यीशु
फिर भी क्षमा हम पाये

4. धारा लहू की, कलवरी पथ से
बहती चली-चल आये (2) .....यीशु
जीवनदान दिलाये

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

34.

क्रूस हमें दे दो, काँधे पर हम उठा लें
काँटे-ताज दे दो, हम सर पर अब सजालें = 2

हम तो मर चुके हैं अब, यीशू इस जहान में -2
पीछे पीछे यीशू तेरे बढ़ते चले जाएँ रे

मान या सम्मान नहीं, चाहें तेरा नाम रे
हो जाए दर-दर पर मेरा, चाहे अपमान रे = 2
सब कुछ हम अपना, निछावर किए जाएँ रे

शरीर की शक्ति को प्रभु, पूरा तुम मीटाय दे
भरोसा बस तुम्ही पर यीशू, करना अब सिखाई दे = 2
आत्मा ही तो जीवन, अमृत का जल पिलाई दे

जी-उठे का अनुभव, प्रभु हमको तुम कराई दे
हर समय अनुग्रह, प्रभु हमको तुम दिलाई दे = 2
अपना कर इनकार हमपीछे चले आएँ रे

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

35.

क्रूस को धारण कर, सर्वनिछावर कर
दर्शन यीशु के करने चले
संसार को छोड़कर, अपना इन्कार कर
मरणहार देह, छोड़ चले

1. दुनिया ठुकराऐगी, हमको सतायेगी
परिवार छूटेंगे यहाँ (2)
फिर भी हम गायेंगे, हिम्मत न हारेंगे (2)
पीछे मसीह के चलते रहेंगे (2)
2. जो मेरे पीछे आना चाहे
अपनी सलीब वो साथ में लाये (2)
जो मेरा अपना, बनना चाहे (2)
अपनी खुदी को सूली चढ़ाये (2)
3. नम्र बनेगा जो, महिमा पायेगा
सेवा करेगा, पाँव धोयेगा (2)
जीवन खोएगा जो, मृत्युंजय होगा (2)
अनंत जीवन पायेगा (2)

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

36.

क्रूस पर, क्रूस पर, है ये कौन लहूलुहान
मेरा स्वामी, मेरा नाथ, मेरे खातिर देता जान

1. इस महान प्यार को, मैंने ठुकरा दिया
इस महापाप को, हे प्रभु कर क्षमा
2. पाप से करने प्यार, जाऊँगा अब मैं क्या?
तेरी सन्तान बन, मैं प्रभु जीऊँगा
3. आये क्लेश कितने भी, हानि हो हर कहीं
क्रूस के प्रेम को भूलूँगा मैं नहीं।

◆◆◆◆

37.

1. करते हैं तेरी हम स्तुति
   हृदय की गहराइयों से
   यीशु तू ही है, तू ही है हमारा प्रभु।
   महिमा हो तेरी–हाल्लेलुय्याह
   महिमा हो तेरी
   ऊँचा और ऊँचा
   सबसे ऊँचा रहे तेरा नाम–2
2. आत्मा और सच्चाइयों से
   तेरी आराधना करेंगे
   यीशु तू ही है, तू ही है हमारा जीवन।

◆◆◆◆

38.

1. कलवरी के पास खड़ा हो
   खून की धार को देखता जा
   तेरे पापों का यही दाम
   दिया है मसीह यीशु ने।

   हर एक आँख उसे देखेगी देखेगी
   बादलों पर आते हुए
   छेदा था जिन्होंने उसे
   छाती पीटकर सिजदा करेंगे।

2. यह हुआ सब तेरे लिये
   तूने भी उसे छेदा था
   फिर भी प्यार से वह बुलाता
   जाता क्यों नहीं पास उसके।
3. ऐ नादान क्यों जाता उदास
   कर कबूल चश्मे में नहा
   सारे दाग मिटाकर पापों के
   रहेगा आराम और खुशी से।
4. जल्दी वक्त गुजरता जाता है
   रात अन्धेरी आती है
   तौबा का दरवाजा होगा बन्द
   कुछ न होगा फिर पछताने से।
5. कबर का वह तोड़कर बन्द
   ऊपर गया भेजा रूह–ए–पाक
   तुम्हें लेने जल्दी आता है
   हो तैयार उससे मिलने को।

◆◆◆◆

39.

1. करुणा से बुलाया है और
   मुझे सम्भालता है,
   इसलिए मैं तुझे भजूँगा और
   तेरी स्तुति करूँगा।
   विश्वास योग्य....
2. मैं तेरे प्रेम से हे प्रभु–
   कितनी ही बार दूर गया (2)
   पर जब मैं तेरे पास आया
   तूने मुझे क्षमा कर दिया
   विश्वास योग्य....
3. तू मेरा सच्चा साथी है–
   विश्वास योग्य प्रभु तू (2)
   सनातन का मेरा प्रभु–
   मैं तेरी स्तुति करूँगा।
   विश्वास योग्य....

◆◆◆◆

40.

कठिन प्रभु तुझसे कुछ नहीं है–2
असम्भव तुझसे कुछ नहीं है–2
कुछ नहीं है यीशु जी कुछ नहीं है–2
असम्भव कुछ भी नहीं है–2

तूने सामर्थी वचन से रचा जमीं और आसमान
अपनी ही भुजबल से संभालता है सारी सृष्टि
तुझसे असम्भव प्रभु कोई चमत्कार नहीं है
हजारों-हजारों पीढ़ियों को
दया दिखाने वाला प्रभु है
कुछ नहीं है यीशु जी,
असम्भव कुछ भी नहीं है।
युक्तियाँ हैं तेरी बड़ी, शक्ति में महान तू ही है
सेवा का प्राणयुक्त एलसदाय तू ही प्रभु।

◆◆◆◆

41.

कितना हसीन वायदा ये किया
खुदावंद ने जहां दो या तीन जमा हों
हाजिर हूं मैं उनमें

1. तुझे अकेला न छोड़ूं मैं, रूह अपनी भेजूं
   तुझे अनाथ भी न छोड़ूं एक मददगार भेजूं
   यीशु के सिवाय ये कब है बात कही
   किसने-2

2. दस्तक वो देता है चाहे, हर दिल में
   आना भरता उसको रूह से अपनी,
   जिसने उसे जाना जिसका बने वो माली,
   कलियां लगे खिलने

3. रूहे पाक जो हाजिर है और करे
   खुशमदीद इज्जत दौलत सोहरत जिसकी,
   उसकी करे तमजीद रूह के शोले बरसे जब
   फिर बदन लगे जलने-2

◆◆◆◆

42.

क्या दिन खुशी का आया,
रहमत का बादल छाया
दुनिया का मुंजी आया
आ... हा... हाल्लेलुय्याह

1. जिब्राइल फरिश्ता आया,
   पैगाम खुशी का लाया
   सब लोगों को सुनाया
   आ... हा... हाल्लेलुय्याह
2. वह तीन मँजूसी आये,
   सोना, मुरे लोबान लाये
   यीशु को नजर चढ़ाये
   आ... हा... हाल्लेलुय्याह
3. और देखो गड़रिये आये,
   भेड़ों के बच्चे लाये
   यीशु को भेंट चढ़ाये
   आ... हा... हाल्लेलुय्याह
4. पूरब से निकला तारा,
   जिसने मारा चमकारा
   रास्ते का हुआ सहारा
   आ... हा... हाल्लेलुय्याह

◆◆◆◆

43.

खून अपना बहाके-कीमत मेरी चुकाते
यरूशलम की गलियों में क्यों
क्रूसित करो के नारे (3)

1. लाठी तलवारें, ले भीड़ साथ में
   यहूदा दे धोखा, अंधेरी रात में (2)
   यरूशलम की सड़को में क्यूँ
   क्रूसित करो के नारे (3)

2. लालच, घमंड, क्रोध, द्वेष, झूठ, सब
हमारा अन्याय लिये, क्रूस चढ़े अब (2)
सूरज ये काला हुआ आज क्यूँ
क्रूसित करो के नारे (3)
3. पाप की कीमत, ले आये यीशु
अपना लहू खुद बहाते यीशु (2)
सारे जगत में, बगावत है क्यूँ
क्रूसित करो के नारे -3

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

44.

खुशी खुशी मनाओ (4)

बोलो बोलो मसीहा की जय जय जय-2
मेरे लिए आया, मेरे लिए जीया-2
मेरे लिए यीशु ने दु:ख उठाया।-2
मेरे लिए मारा गया,
मेरे लिए गाड़ा गया, (2)
मेरे लिए फिर जी उठा,
मेरा है मसीह।
मैं मसीह का हूँ, हम मसीह के हैं,
खुशी खुशी....

◆◆◆◆

45.

खुल जायेंगी किताबें, जब भी हिसाब होगा
इन्साफ का तराजू, यीशु के हाथ होगा।

1. जो भी तू कर रहा है, यीशु वह देखता है
हर पल का तुझको इन्सा
देना हिसाब होगा। ...इन्साफ का तराजू
2. आजा अभी भी मुड़कर यीशु बुला रहा है
वरना यह याद कर ले
तेरा ही नाश होगा। ...इन्साफ का तराजू
3. कदमों में उसके रोले तौबा गुनाह से कर ले
फिदिया मसीह ने दिया
माफी तू आज ले ले।...इन्साफ का तराजू

◆◆◆◆

46.

खुशियों की बहार लिए,
पापी का उद्धार लिए आया है,
आया है, मेरा मसीहा (2)

1. ऐसा प्रेम किया उसने... हा... हा
स्वर्ग सुख छोड़ा उसने... हा... हा
हर पापी को बचाने (2)
आया है, आया है मेरा मसीहा (2)
2. आओ हम सब मिलकर गाएं... हा...हा
तबला, ढफ और झांझ बजाएं... हा...हा
सब को गीत सुनाएँ (2)

◆◆◆◆

47.

खुदा से माँगो मिलेगा,
उसका वायदा है वो देगा
उसके वायदे पे ऐतबार करो,
खुदा से प्यार करो...3

1. वो ही तो राह है, सच है,
वो ही तो जीवन है...2
और उसने रूह जो भेजी... साथ हरदम है
2. वो सदा साथ चलेगा, उसका वायदा है
चलेगा उसके वायदे पे ऐतबार करो...

3. पहले उसकी बादशाहत, उसकी राह चुनो
तुमको दुनिया की हर एक चीज भी,
वो देगा सुनो वो जो कहता है करेगा,
उसका वायदा है करेगा,
उसके वायदे पे ऐतबार करो।

◆◆◆◆

48.

गाते बजाते जायेंगे हम
झंडा मसीह का उठायेंगे हम (2)

बोलो यीशु की जय-प्रभु यीशु की जय
यीशु के लहू की जय जय जय (2)

1. अंधों को आँखें-ज्योति जगत को
तुम ही हमारी आशा
हमको बचाने-रक्त बहाने
क्रूस विराजे तुम राजा (2)
मिलकर करेंगे हम्द-ओ-सना हम
यीशु के नाम की जय जय करें..... बोलो
2. भूखों को रोटी-प्यासों को जल भी
मृतकों को तुमने जिलाया
गिरते हुओं को, तुमने उठाया
दलितों को गले लगाया (2)
महिमा करेंगे, धन्य कहेंगे
यीशु के नाम की जय जय करें.....बोलो
3. आँधी थमा दी, सागर में शाँती
पानी पर चलते प्रभुजी
भूतों को तुमने पल में निकाला
यीशु के नाम में शक्ति (2)
बढ़ते चलेंगे ऊँचा करेंगे
यीशु के नाम की जय-जय करें..... बोलो

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

49.

गिन गिन के स्तुति करूँ
बेशुमार तेरे दानों के लिए
अब तक तूने सम्भाला मुझे
अपनी बांहों में लिये हुए

1. तेरे शत्रु का निशाना
तुझ पर होगा न सफल
आँखों की पुतली जैसे
वो रखेगा तुझे हर पल
2. आंधियां बनके आयें
ज़िन्दगी के फ़िकर
कौन है तेरा खेवन हारा
है भरोसा तेरा किधर
3. आये जो तुझको मिटाने
वो शस्त्र हो बेअसर
तेरा रचनेवाला तुझ पर
रखता है अपनी नज़र

◆◆◆◆

50.

गिन गिन के स्तुति करूँ मैं
उपकारों को याद करूँ मैं
चकित करते हैं मुझे तेरे काम
आशीषों को याद करूँ मैं

1. प्रभु ने मुझमें क्या देखा था
कि मसीह ने मुझे चुन लिया
मुझ पापी पर दया दिखाकर
मेरी दुआ को उसने सुन लिया
2. कितने बलवान दुनिया में थे
फिर भी उसने मुझे बुलाया
अपनी सेवा में व्यस्त करके
अपनी महिमा को मुझे दिखाया

◆◆◆◆

51.

घर-घर आये यीशु नाम
हर मुंह में वो पावन नाम
यीशु नाम जय ख्रिस्त नाम
परमेश्वर प्रभु यीशु नाम

1. अंधकार मिट जायेगा
   भारत अब जग जायेगा-2
   जगत ज्योत प्रभु यीशु में सूर्योदय हो जायेगा
2. गलियों में बाज़ारों में गाँव खेत-मैदानों में-2
   सर्वशक्त प्रभु यीशु में नवभारत बन जायेगा

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

52.

चलें हम खुशियाँ लेकर यीशु की
हिमालय पहाड़ों के पार
चलें हम ज्योति लेकर यीशु की
गंगा और यमुना किनार
बोलो यीशु का नाम,
जय-जय यीशु नाम-2

1. तीरथ को आये, प्रभु तुम्हें नहीं पाये
   अंधियारे में अंध भटकायें
   ढूंढन तुम आये यीशु हमको बुलाने प्रभु -2
   पापिन जनों को बचाने.....बोलो
2. कितना तुम्हारा करूँ में बयान
   प्रभु यीशु मेरे तुम महान्
   सड़कों और गलियों में, घर-घर जा गाऊँ में-2
   जन-जन में तेरा गुणगान-बोलो.....
3. जग के करतार त्याग सब तुम अधिकार
   आये हमको बचावन अधार
   निर्बल के बल तुम, भोजन और जल तुम-2
   यीशु तुम ही तारणहार.....बोलो

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

53.

चले हो तुम खुदा के साथ
रास्ता सकरा है
खुदा का थामे रहना हाथ
रास्ता सकरा है
चलो चलें यीशु के साथ
आओ थामें यीशु का हाथ
हाल्लेलुय्याह-4

1. बहुतेरे आएंगे देखो,
   कहेंगे हम तुम्हारे हैं
   खुदा की बात तुम सुनना,
   रास्ता सकरा है चलो चलें...
2. खुदा का रूह सिखाएगा
   खुदा का रूह बताएगा
   खुदा की रूह की सुनना बात,
   रास्ता सकरा है चलो चलें...
3. खुदा की बरकत तुम पर हो,
   मसीह की रहमत तुम पर हो
   दुआएं बाप की ले लो,
   रास्ता सकरा है चलो चलें...

◆◆◆◆

54.

चले जाना है, दूर से दूर तलक
लेके यीशु का प्यारा प्यारा नाम
वो ही नाम, प्यारा प्यारा नाम। (2)

1. जिस नाम से हमको मुक्ति मिली
   जिस नाम से हमको शान्ति मिली (2)
   वो ही नाम प्यारा प्यारा नाम। (2)
2. जिस नाम से अन्धा देखने लगा
   जिस नाम से लंगड़ा चलने लगा (2)
   वो ही नाम प्यारा प्यारा नाम। (2)
3. जिस नाम से हमको आनन्द मिला
   उस आनन्द को बांटते चले जाना है
   वो ही नाम प्यारा प्यारा नाम। (2)

◆◆◆◆

55.

चार दिन की जिन्दगी है
दो दिन की है जवानी
कट जायेगी ये चार दिन की जिन्दगी
दुनिया से चले जायेंगे॥

1. सारे संसार ने पाप किया है
   रब्ब की महिमा से दूर हुए हैं।
   पापी का स्वर्ग में निवास नहीं है
   सोच लो तुम्हारा अब वास कहाँ है।।
2. रहना नहीं दुनिया में हमेशा हमें
   जाना जो पड़ेगा एक दिन दुनिया से हमें
   जाने से पहले ये बात सोच लो
   मरने के बाद तुम कहाँ जाओगे।।
3. पापों से बचाने केवल एक ही आया है
   यीशु उद्धारकर्ता जीवन लाया है
   वो ही प्रभु एक दिन न्यायी बनेगा
   सोच लो तुम्हारा क्या फल आयेगा।।

◆◆◆◆

56.

चाहे तुमको दिल से, गायें ये गीत मिलके,
तेरे नाम, यीशु नाम की जय...2
जिय नाम में है जिंदगी,
वो नाम है यीशु मसीह
जिस नाम में है बंदगी, वो नाम है यीशु मसीह
यीशु नाम, यीशु नाम 6, की जय...
यीशु नाम में मिलती है क्षमा,
यीशु नाम में मिलती है शिफा,
यीशु नाम में मिलती है कृपा,
यीशु नाम में करना दुआ
यीशु नाम यीशु नाम...4
यीशु नाम यीशु नाम... 6 की जय

◆◆◆◆

57.

जय यीशु, जय जय यीशु
जय यीशु, जय जय कार
यीशु नाम, प्रभु यीशु नाम
तुझे कोटि-कोटि प्रणाम्

1. शक्तिशाली वो नाम, प्रभु यीशु परमेश्वर नाम
   पाप दुष्ट शैतां पर जयते, पुण्य प्रभु जय नाम-2
   यीशु-यीशु जय नाम
2. महामहिमन वो नाम, त्रिलोकों में यीशु प्रभु नाम
   झुक जायें प्राणी हर शीष, करें साष्टांग प्रणाम-2
   यीशु-यीशु जय नाम
3. बंधन तोड़े कबरें खोले, ख्रिस्त प्रभु जय नाम
   ऊँचे सुर जय घोष करें, नर नारी यीशु सुनाम-2
   यीशु-यीशु जय नाम

4. शैतां की सेना हो चाहे, भूत प्रेत संसार
अंधकार भागे भय से,
सुनकर प्रभु यीशु नाम–2
यीशु–यीशु जय नाम
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

58.

जायेंगे यीशु के पीछे हम, जायेंगे–2

1. तेरी स्तुति, तेरी महिमा
गाते हुऐ हम जायेंगे
हर धड़कन, और हर क्षण
कुरबान हम किए जायेंगे
2. अपना धन, तन और मन
तेरी वेदी पर हम लायेंगे
दु:ख और सुख हाँ सब कुछ
भूलेंगे और हम भुलायेंगे।
3. करें इकरार, तज संसार
अपना इनकार, किए जायेंगे
काँधे पर, क्रूस लिये
यीशु सब तुम पर लुटायेंगे
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

59.

1. जी उठा तारणहारा मसीह
मृत्यु पर जीत लाया वही
उसको ढूंढो न मृतको में तुम
कर दो घोषित, जहाँ में ये तुम

जय तुम्हारी जय कार (3) प्रभु यीशु

2. कब्र पर था, पहरा लगा
पीलातुस ने मोहर में रखा
दुनिया डोली, सिपाही भय
लुड़का पत्थर, मसीह जी उठा
3. तड़की चट्टान मरे जी उठे
आये खुलकर, शहर में दिखे
पुनरूत्थान और जीवन मसीह
जीवन दाता, यीशु ख्रिस्त ही
4. उसके हाथों के देखो निशान्
उसकी शाँति लो, डर दो निकाल
दुनिया को दो, ये शुभ संदेश
जीवित है आज, यीशु महान्
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

60.

जीवन का जल हमें दे दे प्रभु
हम तो प्यासे हैं।
तृष्णा बुझादे, पाप मिटा दे
हम आये हैं

1. आये थे यीशु सुखार गांव में
कुँए पर बैठे थे दो पहर में–2
आई जब सामरी स्त्री वे बोले,
प्यासा हूँ मुझको जल दे।
2. यदि तुम जानती मैं कौन हूँ
तभी तुम माँगती मुझ से वो जल–2
नदियां बनकर जो बहता जीवन भर
जल ही जल जीवन का जल
3. सहकर तुम प्यास हमारी क्रूस पर
प्यासे को पास बुलाते हो आकर–2
आत्मा के झरने बनते तब अन्दर
जल ही जल जीवन का जल।
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

61.

1. जंगली दरख्तों के दर्मियान,
   एक सेब के पेड़ के समान
   नज़र आता है मुझे ऐ मसीह,
   सारे सन्तों के बीच में तू

   हम्द करूँ, तेरी ऐ प्रभु
   अपने जीवन भर इस, जंगल के सफर में
   गाऊँ शुक्र गुज़ारी से मैं

2. तू ही है नर्गिस खास शारोन का
   हाँ तू सोसन की वादियों का
   सन्तों से भी तू है अति पवित्र
   कैसा कामिल और शान से भरा
3. इत्र के समान है तेरा नाम
   खुशबू फैलाता है जहाँ में
   तंगी, मुसीबत और बदनामी में
   बना खुशबूदार तेरे समान
4. घबराहट की लहरों में गर
   डूबा दु:खों के सागर में
   अपने जोरावर हाथ को बढ़ा
   मुझे अपने सीने से लगा
5. अभी आ रहा हूँ मैं तेरे पास
   पूरी करने को तेरी मर्ज़ी
   ताकि दे दूँ मैं काम को अंजाम
   पाऊँ तेरे दीदार में इनाम

◆◆◆◆

62.

जब से प्यारा यीशु आया, मेरा जीवन बदल गया
जब से जब से मैंने उसे है पाया मेरा जीवन बदल गया (2)

1. मुझे ग़म और मुसीबतों में सहारा देकर (2)
   मेरे पापों का बोझ लेकर अपने ऊपर (2)
   क्रूस पर खून अपना बहाया (2) मेरा
2. इस जहाँ की गन्दगी से मुझे छुड़ाया (2)
   जान देकर मुझे गुनाहों से बचाया (2)
   तब से दिल मेरा मन मेरी काया (2) मेरा
3. मुझे खरीदा है मसीह ने खून देकर (2)
   मैं हूँ उसका मेरा न कोई सिवाय उसके (2)
   पुत्र ने है पिता से मिलाया (2) मेरा
4. रात काली बीत गयी है हुआ सवेरा (2)
   सुबह का तारा देखो चमका यीशु मेरा (2)
   इसलिए मैंने ये गीत गाया (2) मेरा

◆◆◆◆

63.

जय जय प्रभु यीशु की (2)
हमको बचाने आया जगत में
उसकी स्तुति करो, गाओ खुशी के गीत
हे धरती और आकाश, आया मसीह जग में
पाप का करने नाश

1. खून की धारा बहती सूली से
   जिसमें धुले सब पाप
   धो लो अब तुम अपने हृदय को
   उसमें रहे न दाग
2. ग्रहण करो तुम आज प्रभु को
   प्रेम की बहती धार
   उसको बना लो खेवनहारा
   नाव लगा लो पार
3. वापस आता मेरा प्रभु जी
   ले जाएगा साथ
   आशा मेरी अब तो यही है
   चलो तुम मेरे साथ

4. हर दम होंगे साथ यीशु के
खुशी और शान्ति आराम
आयेगा वह लेने तुम्हें भी
रहना तुम तैयार

◆◆◆◆

64.

जय-जय यीशु, जय-जय यीशु, -2
जय मृत्युंजय, जयकार
सिरजनहार, पालनहार, तारणहार

1. दीनों का दु:ख हरने वाला
हृदय में शान्ति भरने वाला
जय जन रंजन, जय दुख भंजन
जय जयकार सिरजनहार,
पालनहार, तारणहार
2. नरतन धार लियो अवतारा
दे निज प्राण कियो छुटकारा,
जय जगत्राता, जय सुखदाता
जय जयकार सिरजनहार,
पालनहार, तारणहार
3. मृत्यु बन्धन भंजन हारा
अक्षय जीवन देवन हारा
रोगिन शोकिन एक अधारा
जय जयकार सिरजनहार,
पालनहार, तारणहार
4. जय-जयकार करो सब प्यारो
नर नारी एक संग पुकारो
नारे मारो जय ललकारो
जय जयकार सिरजनहार,
पालनहार, तारणहार

◆◆◆◆

65.

1. जैसा मैं हूँ बगैर एक बात,
पर तेरे लहू से हयात
अब तेरे नाम से है नज़ात,
मसीह, मसीह मैं आता हूँ
2. जैसा मैं हूँ कंगाल बदकार,
कमज़ोर नालायक और लाचार
अब तेरे पास ऐ मददगार,
मसीह, मसीह मैं आता हूँ
3. जैसा मैं हूँ कम्बख्त नापाक,
और मेरी हालत दहशतनाक
लड़ाई भीतर बाहर पाक, मसीह,
मसीह मैं आता हूँ
4. जैसा मैं हूँ कबूल कर ले,
मुआफ़ी और तसल्ली दे
सिर्फ तेरे ही वसीले से,
मसीह, मसीह, मैं आता हूँ

◆◆◆◆

66.

जगत में आया है तारणहार
सुनकर हम पतितों की पुकार

1. पाप का प्याला उसने पिया है
मरके मरण को जीत लिया है
खोला स्वर्ग का द्वार
2. गिरते हुओं को पल में उठाकर
पाप करण का नाम मिटाकर
कर दिया बेड़ा पार
3. उठो और उठकर सब मिल गाओ
यीशु मसीह का नाम जगाओ
कर दो प्रेम प्रचार।

◆◆◆◆

67.

जब तू जुम्बिस करे हम पर छाया रहे
रूहे पाक हम परस्तिस हम करते रहें

1. तेरी मीठी जुबां, ये बेगाना जुबां
   जो मैं कह न सकूँ, वो तू करता बयां-2
2. यीशु मेरा खुदा, जो सदा बादशाह
   तूने नाजल किया, बना तू रहनुमा
3. तू बताता रहे, तू सिखाता रहे
   दे जलाल हम यीशु को मसा से तेरे
4. मुझको राहत मिले, मुझको चाहत मिले
   रूह की संगत में अब तो नये सिलसिले

♦♦♦♦

68.

जागो सोने वालों वक्त जाने लगा
आज तुमको जगाने कोई आया है
जिन्दगी में किसी की सुनी न सुनी
आज वचन सुनाने कोई आया है।

1. जब दिन का उजाला बढ़ने लगा
   गफलत में पड़े क्यों सोने लगे (2)
   हर दम तुम्हें कोई जगाने आये
   कभी जाग उठे फिर सोने लगे (2)
   ऐसों का नतीजा कुछ न मिले
   तुम्हें याद दिलाने कोई आया है।
2. दुनिया में तुम ने पाप किये
   अपने लिये मौत कमाई है (2)
   और मन की शान्ति पाने में
   यूँ सारी उम्र गवाई है (2)
   मरने से पहले जरा सुन लो
   तुम्हें मौत से बचाने कोई आया है।
3. आ जाओ यीशु के कदमों में
   छोड़ो यह दुनिया की बातें (2)
   जो न मानें मिट जाते हैं
   जो बच जाते जीवन पाते (2)
   ऐसा न समय फिर आये कभी
   तुम्हें जीवन दिलाने कोई आया है।

♦♦♦♦

69.

जिन्दगी मेरी बदल गई
जब से मसीह को पाया है
खिल गई है कलियाँ नयीं
यीशु बहार लाया है।

1. जीवन है क्या, पल ही दो पल का
   किसने है जाना, होगा क्या कल का
   घड़ियाँ सुनहरी फिर न लौटेगी
   मुक्ति और जीवन, वह लाया है।
2. जीवन की रोटी और अमृत जल को
   कैसी भरपूरी से देता वह हमको
   लहू बहा के पाप हमारा,
   प्यारे प्रभु ने उठाया है।
3. मार्ग में हमारे, वह दर्शक रहेगा
   कदम डगमगाए हाथ वह थामेगा
   भटके हुओं को राह बताने
   इस धरती पर वह आया है।

♦♦♦♦

70.

जीवन से भी उत्तम, तेरी करुणा (2)
होठों से स्तुति, करूंगा सर्वदा
तेरे नाम से मैं हाथ उठाऊँगा
तेरे नाम से मैं हाथ उठाऊँगा

होठों से स्तुति करूँगा सर्वदा
तेरे नाम से मैं हाथ उठाऊँगा
है शफ्कत तेरी जिन्दगी से बेहतर (2)
होठों से तारीफ मुबारक गाऊँगा
यीशु नाम से मैं हाथ उठाऊँगा (3)

◆◆◆◆

71.

जो क्रूस पर कुर्बान है, वो मेरा मसीहा है
हर जख्म जो उसका है, वो मेरे गुनाह का है

1. इस दुनिया में ले आए,
   मेरे ही गुनाह उसको (2)
   वह जुल्म सितम उस पर,
   मैंने ही कराया है (2)
2. इन्सान है वह कामिल,
   और सच्चा खुदा वह है (2)
   वह प्यार का दरिया है,
   सच्चाई का रास्ता है (2)
3. देने को मुझे जीवन,
   खुद मौत सही उसने (2)
   क्या खूब है कुर्बानी,
   क्या प्यार अनोखा है (2)

◆◆◆◆

72.

डरेंगे नहीं, मौत से कभी
यीशु के पीछे, चलें हम सभी-(2)

1. क्रूस उठायेंगे हँसते हुए
   जान गवाँ देंगे, जीते-जीते (2)
   अपना करेंगे, इनकार सदा
   यीशु के पीछे, हो लेंगे (2) डरेंगे
2. नम्र बनेंगे, झुकते हुए
   पाँव धोने को, होंगे खड़े (2)
   प्रेमी मसीह के, कदमों में हम
   कुरबान कर देंगे, तन-मन और धन (2)
   डरेंगे
3. नहीं, बचायेंगे प्राण अपने भी
   पायेंगे जीवन का ताज तभी (2)
   नवजन्म पाकर, भारत भूमी पर
   यीशु का जीवन, जीयें हर पल (2) डरेंगे

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

73.

तुम जगत की ज्योति हो
तुम धरा के नमक भी हो)2)

1. तुम को पैदा इसलिये किया
   तुम को जीवन इसलिये मिला
   उसकी मर्ज़ी कर सको सदा (2)
2. वो नगर जो बसे शिखर पर
   छिपता ही नहीं, किसी की नज़र
   तुम्हारे भले काम, चमकें इस तरह (2)
3. पड़ोसी से प्रेम, तुमने सुना है
   दुश्मनों से प्रेम, मेरा कहना है
   तभी तुम संतान, परमेश्वर समान (2)
4. आँख के बदले आँख, बुराई का सामना है
   फ़ेरो दूसरा ग़ाल सहलो सब अन्याय
   ऐसा जीवन ही, पिता को भाता है (2)

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

74.

तेरे मार खाने से यीशु मैंने
शिफा पायी है (2)
तेरे खून बहाने से मिली मुझको
रिहाई है (2)

1. कोई चारागाह तुझ सा नहीं
   कोई राहबर तुझ सा नहीं (2)
   तूने अपनी जान देकर
   मेरी जिन्दगी बचाई है (2)
   तेरे मार खाने से....
2. तूने वादा पूरा कर दिया है,
   तूने पाक रूह से भर दिया है (2)
   तूने मेरे कदमों को,
   आसमानी राह दिखाई (2)
   तेरे मार खाने से.....
3. मैं हर दम यीशु ही तेरी.
   हम्दों सना गाऊँ (2)
   मैंने अपनी सांसों में,
   तेरी खुशबू बसाई है (2)
   तेरे मार खाने से.....

◆◆◆◆

75.

तेरे सन्मुख शीष नवाते, हे जग के करतार
डूबे हुओं को दे दो सहारा, कर दो बेड़ा पार

1. पाप के बादल सिर पर
   छाये, घिर हुआ तूफान,-2
   तुम बिन नैय्या कौन सम्भाले, मेरे प्रभु महान्,
   आके बचा लो प्राण हमारे, जग के खेवनहार
2. जन्म के अन्धों को दी आँखें, रोगी लिये बचाये,
   पाप क्षमा किये सब पापिन के, मुर्दे दिये जिलाये,
   पापी हृदय हम भी लाये, धो दो तारणहार
3. सुन्दर पक्षी पर्वत सागर, सबके सिरजनहार,
   आके बिराजो मन मन्दिर में बन्दे करें पुकार,
   व्याकुल हृदय तुझको पुकारे, आजा तारणहार

◆◆◆◆

76.

तेरे ज़ख्मों को हम,
देखने आये हैं,
यीशु तेरी प्रेम कहानी,
गाते हुए आये हैं,

1. हाथों के ये निशान,
   प्रभु तेरा ये अपमान-2
   हमने कर डाला क्या,
   प्रभु यीशु तेरा हाल,
2. पैरों में कीलों के,
   पसली में भालों से-2
   किस ने कर डाला ये,
   प्रभु मेरे तेरा हाल,
3. सिर पर जख्मों के ये,
   कैसे है तुम्हारे घाव-2,
   सबने कर डाला हाँ,
   प्रभु तुझे ये बेहाल,

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

77.

तेरे दिल में मुझको जगह मिली,
मेरा दिल पुकारे मसीह-मसीह
तेरा प्यार है मेरी जिन्दगी,
मेरी जिन्दगी है मेरा मसीह।

1. मैं अंधेरी राह पे ही लिया,
मैं गुनाह की वादी में खो गया
तेरी आँख मुझ पे लगी रही,
मेरे पास आयी सलामती।
2. मैं गुनाह के हाथ बिका हुआ,
यह है सच कि मैं था मरा हुआ
तूने मेरी मौत कबूल की,
मुझे बख्श दी तूने जिन्दगी।
3. न फिरूंगा अब कहीं दर-ब-दर,
तू हुआ है खुद मेरा हम सफर
मुझे मंजिलें हैं पुकारती,
मैं रहूँ अब तेरे साथ ही।।

◆◆◆◆

78.

तेरे पास आता हूँ
यीशु, तेरे पास
हर पल, मेरी हर सांस
तेरी स्तुति, करती रहे
हर दिन, मेरी हर बात
तेरी महिमा, गाती रहे
येशु आ...आ...आ...

◆◆◆◆

79.

तेरे लहू से पाप धोता हूँ-2
तू बढ़ता जा मैं कम होता हूँ-2
तू बढ़ता जा, तू बढ़ता जा,
तू बढ़ता जा, मैं कम होता हूँ-2
1. तेरा कलाम दिल में रखा है
तेरा वादा हर एक सच्चा है
तेरा ही नाम सबसे अच्छा है-2
अपनी खुदी से हाथ धोता हूँ
तू बढ़ता जा मैं...
2. तेरा लहू है मेल का पैगाम
तेरे लहू में सब चैन आराम
तेरे लहू से बने बिगड़े काम-2
खुद को लहू में डुबोता हूँ
तू बढ़ता जा मैं...
3. तेरा कलाम जीवन रोटी
तेरा कलाम राहों की ज्योति
तेरा कलाम है हंसी मोती-2
दिल की माला में पिरोता हूँ
तू बढ़ता जा मैं...

◆◆◆◆

80.

तेरे लहू से, मुझे धो ले तू प्रभु
पूरी तौर से अभी
तेरे ही समान, होने के लिए
मेरे जीवन में, काम कर तू प्रभु
1. दल-दल की कीच से, मुझे उभारा
चट्टान पर खड़ा कर दिया, तेरे लिए
क्षमा किया है, तमाम पापों को
स्मरण करता हूँ कि मैं मिट्टी ही हूँ
2. कलवरी पर बलिदान, हुआ तू
दान और दाता है तू, मेरे लिए
विश्वास में, स्थिर रहूँगा
और तुझसे ज्यादा, प्रेम करूँगा
3. टूटा हुआ मन चाहता है तू
कठोर कर दिया मैंने, पिछले दिनों में
नया बनाया, दया करके
स्वर्गीय स्थानों में बैठा दिया

◆◆◆◆

81.

1. तेरा प्यार है महान, तेरा प्यार है यहाँ
   मैं जो पहले मुर्दा था तूने डाली मुझ में जान
   क्यों न बोलूं फिर मैं तेरी जय जयकार (2)
   जयजयकार (2)
   तूने मेरे लिए क्या कुछ न किया
2. मेरी सूरत बिगड़ी थी मेरा दिल भी था खाली
   तूने सींचा था खून से ताकि आए हरियाली
   क्यों न बोलूं फिर मैं तेरी जयजयकार
3. आयी जीवन में खुशी आई अब्दी जिन्दगी
   तू है जिन्दा शाफिया तूने यह है किया
   क्यों न बोलूं फिर मैं तेरी जयजयकार
4. अपनी रूह से भर दिया अपनी
   शक्ति मुझको दी
   ताकि दूँ मैं गवाही तेरे जी उठने की
   क्यों न बोलूँ फिर मैं तेरी जयजयकार

◆◆◆◆

82.

तेरा हो अभिषेक,
अमन के राजकुमार
आज हमारे दिल में जन्म ले
हे प्रभु यीशु महान (2)

1. घोर अन्धेरा था, राहें उलझी थीं
   ये जमीं कुछ थी, आसमाँ कुछ था
   तूने आकर फिर संभाला (2)
   तेरा प्रेम अपार
   तेरा हो अभिषेक, अमन के राजकुमार
2. क्या चढ़ाएं हम, भेंट में तुझको
   सोना मूर्र लोबान, पास ना देने को
   वर दे ऐसा, तुझ पे कर दे (2)
   जीवन अपना निसार
   तेरा हो अभिषेक, अमन के राजकुमार...
3. लहर बड़े दिन की सदा जहां में रहे
   दुआ करें मिलकर, अमन जहां में रहे
   हम जहाँ जिस हाल में हों (2)
   करेंगे तेरा प्रचार
   तेरा हो अभिषेक, अमन के राजकुमार...

◆◆◆◆

83.

तेरी आराधना करूँ.....2
पाप क्षमा कर जीवन दे दे
दया की याचना करूँ।
तेरी आराधना....

1. तू ही महान् सर्वशक्तिमान,
   तू ही है मेरे जीवन का संगीत।
   हृदय के तार छेड़ें झंकार,
   तेरी आराधना है मधुर गीत।
   जीवन से मेरे तू महिमा पाये,
   एक से कामना करूँ .....पाप
2. सृष्टि के हर एक कण-कण में,
   छाया है तेरी महिमा का राज।
   पक्षी भी करते हैं तेरी प्रशंसा,
   हर पल सुनाते हैं आनन्द का राग।
   मेरी भी भक्ति तुझे ग्रहण हो।
   हृदय से प्रार्थना करूँ .....पाप
3. पतित जीवन में ज्योति जला दे,
   तुझ से लगी है आशा मेरी।
   पापमय तन को दूर हटा दे,
   पूर्ण हो अभिलाषा मेरी
   जीवन के कठिन दुखी क्षणों का
   दृढ़ता से सामना करूँ .....पाप

◆◆◆◆

84.

तेरी महिमा हम गायें मेरे यीशु मसीह
तेरी जय जय हम गायें मेरे यीशु

1. तुम बनके मनुष हम साथ रहे
   तुम जीवन हमारे साथ जीये
   दु:ख दर्द हमार तुम जाने प्रभु
   तुम सूली पर चढ़ने आये।
2. तुम आये बचान् हम पापिन जनोंको
   हम तो पतित पावन तुम प्रभु हो
   फिर भी, तुमने प्यार दिखलायो प्रभु
   तुम सूली पर चढ़ने आये
3. तुम अँधे लाचारों कंगालों को लाये प्रभु
   कुचले हुओं को तुम घर में ले आये।
   जान अपनी दे हमको बचाय दियो रे
   तुम सूली पर चढ़ने आये।
4. तुम भूत और प्रेतों को मार भगाये
   प्रभु शैतां को सूली पर चढ़के हराये
   तुम मुक्ति भी हमको दिलाय दियो रे
   तुम सूली पर चढ़ने आये।
5. तुम प्रेमी पिता से हमको मिलाये
   यीशु खोये हुओं को वापस घर लाये
   प्रभु मौत से हमको जिलाय दियो रे
   तुम सूली पर चढ़ने आये।

(शिष्य थॉमसन)

♦♦♦♦

85.

तेरी इच्छा पूरी हो जाए

तेरे हाथों में सौंपूंगा मैं
मैं मिट्टी हूँ, तू है कुम्हार
मुझको उठा, मुझको बना
अपनी मर्जी से चलता रहा
तुझको कभी अपना न कहा
लेकिन प्रभु आज से मैं
तेरे क्रूस को ले लेता हूँ

♦♦♦♦

86.

तन मन और धन उसे दो
अपने यीशु को सब कुछ दो
क्योंकि उसी के द्वारा उद्धार पाना है
जीती आत्मा का दान उसे दो।

1. गर यीशु के बनना चाहो
   कुछ करके दिखाना होगा
   खुद बचना ही काफी नहीं है
   औरों को बचाना होगा (2)
   दिल में पहली जगह उसे दो।

2. गर यीशु की सेवा करोगे
   अपनी आशीष वह तुमको देगा
   और पाप की सेवा करोगे
   हरगिज नहीं माफ करेगा (2)
   उसके लहू से दिल धो लो।

3. गर यीशु नाम को अपना कहना
   जैसे काँटो की राहों पर चलना
   और सच्चे मसीही बनना
   संग क्रूस पर उसके मरना (2)
   जिन्दा रहने की शक्ति ले लो

♦♦♦♦

87.

थोड़ा समय है बाकी,
सेवा अभी है काफी,
हम रुके नहीं, पीछे मुड़े नहीं
यीशु है हमारा साथी॥

1. सन्देश सुनाते जाना, सेवा से नहीं शर्माना
   चाहे जग हमें रोके, आये दुख के झोके
   हमें देगा वो भरपूर शान्ति।।
2. हम अपना क्रूस उठाए और
   यीशु के पीछे आए
   अपने को त्यागें यीशु से मन लगाएं
   हम हैं उसके विश्वासी।।
3. प्रतिफल में वो देगा
   विश्वास में स्थिर करेगा
   उसकी आज्ञा हम मानें
   उससे शान्ति हम पाएं
   प्रतिज्ञा है उसकी काफी।।
4. यीशु ने हमें भेजा है,
   उसका काम दिन ही दिन में हमें करना है
   वह रात है आने वाली, ये हमारी जिम्मेदारी
   यीशु है हमारा न्यायी।।

◆◆◆◆

88.

देखो देखो कोई आ रहा है
कैसा जलवा मसीह आ रहा है
आँखें अपनी उठाकर तो देखो
कैसी शान से मसीह आ रहा है

1. वह भी कैसी सवारी है देखो
   आसमान की बेदारी तो देखो
   बाजे बजते हैं दूत गाते हैं
   क्योंकि मसीह चला आ रहा है
2. अब नहीं है वह कांटों का सेहरा
   वह तो पहिने है दुल्हे का सेहरा
   जिन्दगी ये वचन कैसी प्यारी दुल्हन
   जिसको लेने दूल्हा आ रहा है
3. वहाँ सूरज, न चाँद है न कोई
   अब तो मुर्दे पड़े हैं न कोई
   हम सब डरते हैं और कांपते हैं
   न्याय करने मसीह आ रहा है
4. यह दुनिया हमारी मिटेगी
   एक नई दुनिया फिर से बसेगी
   सब नया होगा, जग नया होगा
   राज्य करने मसीह आ रहा है

◆◆◆◆

89.

देखो मैं दुनिया के अंत तक
तुम्हारे साथ हूँ
न घबराना तुम, न डरना कभी
मैंने थामा है हाथ तुम्हारा
यही ये कहता मसीह

1. गम है दुनिया में तुमको अभी
   निराश मत होना
   मैं आऊँगा फिर से लिखा वचन में-2
   ले जाने अपनों को अपने करीब,
   अपने करीब
2. इंतजार है हमको मसीह
   तेरे ही आने का तू आयेगा फिर से लिखा
   है वचन में
   ले जाने अपनों को अपने करीब,
   अपने करीब।

◆◆◆◆

90.

1. दिल मेरा ले ले प्यारे यीशु
   तुने इसे बनाया है,
   इसमें तू अपना घर बना ले
   जिसके लिए बनाया है
2. दुनिया की सब चीज़ें निकाल कर
   इसे पाक ओ साफ़ कर,
   गन्दगी गुनाहों की धोकर
   उस खून से जो बहाया है
3. बहुत साल से मैं रहा, तुझसे दूर
   लापरवाही ने किया दूर,
   फ़जल प्यार रहम की बख़्शिश ने
   सब्र कर मुझे सिखाया है
4. जब पढ़ता हूँ, कलाक-इ-पाक
   जो रास्ता है शाहेराह,
   राह-हक ओ ज़िन्दगी अब्दी
   ईमान उम्मेद बढ़ाया है
5. रूह-इ-पाक का हो जाए मसकन
   रूह-इ-पाक के बपतिस्मे से,
   हर वक्त हर जगह दूँ गवाही
   जैसा उसने सिखाया है

♦♦♦♦

91.

दिल से गाते बजाते रहो (2)
खुदावन्द यीशु के लिये
तारीफ़ और हम्द करो। दिल से...

1. हम भी गाएँ तुम भी गाओ यीशु के लिए (3)
   खुदावन्द यीशु के लिये
   तारीफ़ और हम्द करो
   दिल से.....
2. प्रेम से उसकी स्तुति करो यीशु के लिए (3)
   खुदावन्द यीशु के लिये
   तारीफ़ और हम्द करो (2)
   दिल से.....
3. पापा गाएँ मम्मी गाएँ यीशु के लिए (3)
   खुदावन्द यीशु के लिये
   तारीफ़ और हम्द करो (2)
   दिल से.....

♦♦♦♦

92.

1. दिन में बादल का छाया बना
   रात में अग्नि की ज्वाला बना
   रक्षक बना हमारा (2) प्रभु जी
   सुख शान्ति से सम्भाला
   धन्य, धन्य, धन्य प्रभु को
   जिसने मुक्ति दी हमको
   शरण में अपनी लाया (2) प्रभु जी
   दिन-रात है सम्भाला
2. वचन का मन्ना खिलाया हमें
   पानी चट्टान से पिलाया हमें
   आत्मा को तृप्त किया (2) प्रभु जी
   दिल में तू शान्ति लाया
3. इस सुन्दर आत्मिक जीवन में
   प्राण, आत्मा, शरीर और हृदय में
   है स्वर्गीय जीवन डाला (2) प्रभु जी
   आत्मिक जागृति लाया
4. कनान देश में लाया हमें
   सन्तों के साथ मिलाया हमें
   दण्डवत् तुझे करें हम (2)
   प्रभु जी साष्टांग प्रणाम करें हम।

♦♦♦♦

93.

दुनिया में सबसे प्यारी पुस्तक बाइबल (2)

1. पढ़े जो इसको रोज़-ब-रोज़,
   राह में खतरा कोई न हो,
   ओ दुनिया में सबसे प्यारी पुस्तक बाइबल
2. दुनिया में सबसे प्यारा दोस्त है यीशु (2)
   गिरने से बचावेगा–मेरी बिनती सुनेगा,
   हाँ दुनियाँ में सबसे प्यारा दोस्त है यीशु

◆◆◆◆

94.

दुनिया का डेरा छोड़कर, एक दिन
पहूँचूगा मैं अनन्त घर
गाऊँगा खुशी से वहाँ जय गान
क्लेशों पर जयवंत होकर

1. दुनिया के सुख न चाहूँ
   दौलत इज्जत न चाहूँ
   चलना मुझे है, यीशु के कदमों पर
   सर्वस्व करता तुझे अर्पण
   जग के विधाता, प्रभुवर
2. नफरत से मेरे अपने
   मुझसे अपना मुँह मोड़ें
   ठुकरा के मुझको गैरों की तरह
   अपने प्रभु की बाहों में जल्द ही
   रहूँगा मैं हर पल
3. धरती और सारी सृष्टि
   निश्चय उस दिन बदलेगी
   होगा प्रभु से जब मेरा मिलन
   जाऊँगा पंछी के समान उड़कर
   होगा महिमा में रूपांतर।

◆◆◆◆

95.

दुनिया के कोने-कोने में
गूँज रहा यीशु का नाम (2)
कैसा प्यारा यीशु का नाम
दुनिया में हाल्लेलूयाह (2)

खून की नदियां बहती सूली से
दुनिया के सारे जहाँ में (2)
कैसा प्यारा यीशु का नाम
दुनिया में हाल्लेलूयाह (2)

◆◆◆◆

96.

दीपक हम तेरे हैं प्रभु
हम ज्योति जलायेंगे
अंधियारे को हम करके दूर
उजियाला लाएंगे... हा...हा...हा...हा...

1. विनती हमारी तुम से
   बचाओ हमारे प्राण
   लेके शरण हमें अपनी
   मुक्ति दे महान
   तेरे नूर को हम देखकर
   हम शीष झुकायेंगे। अंधियारे...
2. नीले गगन में हमने
   सुनी थी ये पुकार
   आएगा प्यारा यीशु
   बादलों के साथ
   अरमान हमारा है यही
   हम तुझ संग जायेंगे। अंधियारे...

◆◆◆◆

97.

दीप जले प्रभु नाम रहे
मेरे मंदिर में मंदिर में-2

1. सांझ सवेरे यह मन गाये
   यीशु तेरा नाम, प्रभु यीशु तेरा नाम
   नाम रहे मन में प्रभु नाम रहे मन में-2
2. दीप जलाये राह निहारूं
   दर्शन को प्रभु दर्शन को
   आन बसो दिल में
   प्रभु आन बसो दिल में
3. हे प्रभु दाता विश्वविधाता
   नमन करूँ प्रभु नमन करूँ
   राग रहे मन में अनुराग जगे मन में।

◆◆◆◆

98.

1. धन्य तुम्हीं प्रभु, यीशु मसीह मेरे
   सजदा हम करते तेरा (2)
   रक्त बहाकर यीशु जी तुमने
   कर दिये पाप क्षमा
   हालेलूय्याह-2, यीशु की हम्द-ओ-सना
2. लाखों जनों के साथ,
   स्वर्गीय स्थलों में आज
   गूँजें तुम्हारी जय गाथा (2)
   यीशु जी तुमने, क्रूसित होकर
   नव जीवन हमको दिया..... हालेलूय्याह
3. पवित्र आत्मा, तुम, संगत हमारे साथ
   करते हो हरदम सदा (2)
   यीशु की महिमा करते तुम हरदम
   सांत्वना तुमसे यहाँ..... हालेलूय्याह
4. प्रेमी पिता तुमने, वापस बुलाया है
   खोए हुए हम यहाँ (2)
   प्रिय पुत्र यीशु को भेजा जहाँ में
   होने दिया बलिदान..... हालेलूय्याह

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

99.

धन्य नाम प्रभु यीशु सुनकर,
दर्शन को हम आये हैं,
जय जय कार करें सब मिलकर,
यीशु राज विराजे हैं,
जीवन दाता, मुक्ति दाता,
हम गाते हैं तेरी महिमा,

1. हम मिलकर सब भक्त यहाँ,
   प्रभु यीशु के गुण गाते हैं,
   खून बहाने वाले प्रभु के,
   चरणों में सर को झुकाते हैं-2,
   प्रभु आते हैं, गुण गाते हैं
2. बोझ दबे, और थके हुए सब,
   यीशु के दर आये हैं,
   वो ही उठाये, वो ही बचाए-2,
   यीशु शरण में आये हैं,
   प्रभु आये हैं, शरण आये हैं
3. प्यासे हैं जीवन जल यीशु
   प्यास बुझाने आये हैं,
   भूखे है जीवन रोटी, प्रभु
   भूख मिटाने आये हैं-2,
   प्रभु आये हैं, हम आये हैं,
4. सब मिलकर नाचें गायें
   प्रभुवर जग आप ही आये हैं,

ना अब दु:ख ना दर्द हमें,
प्रभु यीशु मोचन लाये हैं-2
प्रभु आये हैं, सब लाये हैं
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

100.

न कभी वो भूलेगा, न कभी वो छोड़ेगा
यीशु मसीह है वफादार (4)

1. दूध पीते बच्चे को, भूल जाये माँ अगर(2)
तरस न खाये वो तो, रहम के बेटे पर(2)
अपने हाथों पे खोदी, देख सूरत जो तेरी(2)
करे न तेरा इन्कार (4)
2. हर रोज हमारा यीशु, बोझ उठाता (2)
उकाब की मानिद अपने, परों पे बिठाता(2)
मन्ना स्वर्गीय खिलाता,
आये हयात् पिलाता(2)
करता है बेहद प्यार (4)
3. अंधकार की दुनिया में, नूर बनाकर (2)
खुशबू कला में हर, जहाँ फैलाकर (2)
देता अपनी फतह, ताकी बन जाये गवाही(2)
सबका है परवरदिगार (4)
4. धोये लहू से तेरी, सारी बदकारी (2)
चंगी करे वो तेरी, सारी बीमारी (2)
हुआ क्रूस पे कुर्बान,
ताकी बच जाये जहाँ (2)
करता है तेरा इंतजार (4)

◆◆◆◆

101.

न तो बल से न शक्ति से
पर तेरी आत्मा के द्वारा (2)
यह पहाड़ टल जाएगा (3)
पर तेरी आत्मा के द्वारा

◆◆◆◆

102.

नया जीवन होगा, कैसा सुहाना
अनन्त जीवन होगा
जहाँ तुम रहोगे, वहाँ मैं रहूँगा
अनन्त जीवन होगा

1. दुनिया की ये शाम ढल जायेगी
कितना सुहाना, प्रभु का दिन होगा
जहाँ तुम रहोगे, वहाँ मैं रहूँगा।
2. यीशु महिमा की धूम मचेगी
कैसा लुभावना, आलौकिक दिन होगा
जहाँ तुम रहोगे, वहाँ मैं रहूँगा।
3. हाल्लेलुय्याह-हाल्लेलुय्याह
कैसा सुहाना, ईश्वरीय दिन होगा
जहाँ योहन गाएगा, वहाँ पीटर नाचेगा।

◆◆◆◆

103.

नन्हे मुन्ने बच्चों आओ चलें
प्यारे मसीह से हम बातें करें
मिलके चलें, मिलके चलें
प्यारे मसीह से हम बातें करें

1. खाना और कपड़ा वह देता हमें
मामा और पापा और भाई-बहिनें, मिलके चलें
2. छोटा प्यारा यीशु कभी न लड़ा
हम भी किसी से कभी न लड़ें, मिलके चलें
3. कितनी अच्छी चीज़ें वह देता हमें
छोटा सा दिल भी उसी को दे दें, मिलके चलें
4. प्यार से बुलाता है यीशु तुम्हें
उछलते और कूदते और गाते चलें, मिलके चलें

◆◆◆◆

104.

नया हम गीत गायेंगे
यीशु की महिमा के,
सारा संसार स्वर्ग एक सुर में
यीशु की जय गायेंगे...नया हम गीत....

1. मुक्ति हाँ मुझको ये यीशु ने है दी,
   अपना लहू बहाकर कीमत उसने दी-2
   हम जायेंगे सब मिलकर,
   नाचेंगे साज हम बजायेंगे मिलकर-2
   नया हम गीत गायेंगे....
2. मेरे गुनाहों को वो याद ना करे,
   दुष्कर्मों का हिसाब वो ना रखे-2
   स्तुति करेंगे हम मिलकर
   नाचेंगे साज हम बजायेंगे मिलकर-2
   नया हम गीत गायेंगे....
3. युग युग आनंद उत्सव हम साथ मनाएंगे,
   जीवन जल के झरनों से प्यास बुझाएंगे-2
   हम खायेंगे जीवन के फल
   नाचेंगे साज हम बजायेंगे मिलकर-2
   नया हम गीत गायेंगे....

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

105.

नीले आसमान के पार जाएंगे
मेरा यीशु रहता वहाँ
हम मिलेंगे बादलों पर (2)
देखेगा सारा जहाँ

1. उसका कोई भी वादा, न होगा अधूरा
   हर एक वादा उसका, होता है पूरा
   उसका कोई भी वादा, (2)
   उसके आने का वादा भी होगा पूरा,
   देखेगा सारा जहाँ (2)
2. ये विश्वास है मेरा जो, होगा पूरा,
   सपना ये मेरा, न रहेगा अधूरा,
   ये विश्वास है मेरा, (2)
   संग-संग हम रहेंगे।
   अपने यीशु के देखेगा सारा जहाँ (2)

◆◆◆◆

106.

नाम लियो रे नाम लियो रे
यीशु का मंगलकारी नाम लिया रे-2

1. पाप हरेगा, शाप हरेगा-2
   पावन-भावन सुंदर मेरे यीशु का नाम-2
2. शांति वो देगा, शक्ति वो देगा-2
   पावन-भावन सुंदर मेरे यीशु का नाम-2

◆◆◆◆

107.

निर्बल पापी, हारे हुए हम
देता प्रभु क्षमादान, हमारा
यीशु ख्रिस्त महान्

1. जीवन कलंकित, हृदय है दूषित
   कर्म, विचार, अधर्म से पूरित
   हमको बचा लो आज- यीशु-2
2. कोशिश हमारी, नाकाम हुई सब
   निराशा पराजय, ही हाथ लगी अब
   हमको संभालो आज..... यीशु (2)
3. जीवन दान कर दो प्रदान
   ख्रिस्त की आत्मा का दो वरदान
   तुझको करें हम प्रणाम .....यीशु (2)

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

108.

पग पग बढ़ते जाना है,
जीवन पथ पर बढ़ना है।
रुकना कभी ना राहों में,
हर पल बढ़ते जाना है।।

1. काँटों की राह बनाई जग ने,
   इसपे चलना है तुझको
   क्रूस तुझे देगी ये दुनियां,
   उसको उठाना है तुझको
   सम्भल के बढ़ना राहों में,
   पीछे न हटना राहों में....
2. तुझको डरायें काली घटाएँ,
   फिर भी रुकना न हरगिज
   जिस पल रूह भी राह बनाए,
   उससे हटना न हरगिज
   अपना ही क्रूस उठाना है,
   कलवरी राह पे चलना है

◆◆◆◆

109.

पाक रूह हम यीशु के प्यासे हैं
खाली दामन हैं, खाली कांसे हैं
कोई त्रिषणा यहाँ से न लौटे
झोलियाँ खूब भरना चाहते हैं।

1. तेरी सूरत खुदा की सूरत है
   तेरी सीरत मसीह की सीरत है
   कर करम आज अपने लोगों पे
   पाक यीशु से मिलना चाहते हैं।
2. तेरी बातें खुदा की बातें हैं
   तेरी साँसें मसीह की साँसें हैं
   बंधनों से रिहाई पायेंगे
   खूने यीशु से धुलना चाहते हैं।
3. ऐ खुदा रूह हमें सिखाता जा
   गलबामोजी पे तू हमें दिलाता जा
   साथ ईमान भी बढ़ाता जा
   हाथ अपने उठाये आते हैं।।

◆◆◆◆

110.

1. पाप का बन्धन तोड़ा गया,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद
   सब अपराध भी दूर हो गया,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद
   हालेलूय्याह यीशु मुआ,
   मेरे बदले में मुआ,
   हालेलूय्याह, हालेलूय्याह,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद
2. जब से अपना पाप मान लिया,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद,
   तब से दिल में आग भी आई,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद
3. कोई बन्धन अब नहीं है,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद,
   कोई डर भी अब नहीं है,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद
4. उसकी स्तुति मैं गाऊँगा,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद,
   उसकी सेवा भी करूंगा,
   मैं आज़ाद हूँ हाँ आज़ाद

◆◆◆◆

111.

पावन, प्रभु तुम, शरण तुम्हारे
यीशु भक्त हम आये हैं (2)
तुम बिन डूबें, सब नर नारी
यीशु तेरे चरण आये हैं.... पावन

1. ना हमें चैन यहाँ, कोई नहीं कहे अपना
   यीशु नाम-नाम भाये (2)
   हर पल दु:ख हैं यहाँ, पाप अंधेर जहाँ
   यीशु-यीशु दिल पुकारे (2)
2. तुम चरवाहे मेरे, भेड़ें हम हैं तेरी
   भूख अब प्यास नाही लागे (2)
   तुम ही द्वार अंधेरे में ज्योत बने
   ले चलो साथ घर पिता के (2)
3. तुम ही मार्ग, सत्य और जीवन हो प्रभु
   मृत्युंजय तुम्ही हमारे (2)
   मरके, मरण विजय, पाने वाले तुम्ही
   जीवनदाता यीशु प्यारे (2)
   (शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

112.

प्रभु का आनन्द है मेरी ताकत
संसार में यीशु है मेरी ताकत
वो मेरा आनन्द हर एक दिन में,
वो मेरा सहारा है (2)

1. जब मैंने सोचा, मैं अकेला हूँ तब
   प्रभु यीशु ने मुझ से कहा
   संसार के अन्त तक साथ रहने वाला,
   मैं तेरे साथ हूँ (2)
2. जब मैंने सोचा मैं निर्बल हूँ तब
   प्रभु यीशु ने मुझ से कहा
   शक्ति देने वाला सामर्थ देने वाला,
   मैं तेरे साथ हूँ (2)
3. जब मैंने सोचा कि असम्भव है तब
   प्रभु यीशु ने मुझ से कहा
   असम्भव को सम्भव करने वाला, यीशु
   मैं तेरे साथ हूँ (2)

◆◆◆◆

113.

प्रभु का धन्यवाद करूँगा
उसकी संगति में सदा करूँगा
साथ चलूँगा मैं, जय जरूर पाऊँगा।
प्रभु का...

1. न देगी मुझे दुनिया कभी भी,
   कोई सुख और शांति आराम,
   मेरे यीशु के साथ धन्य संगति में,
   सदा मिलती खुशी मुझको
2. मेरी जिन्दगी की हर परेशानी में,
   खुल जाता है आशा का द्वार,
   कभी न डरूँगा कभी न हटूंगा,
   चाहे जान भी देना पड़े
3. कितना अच्छा है वो, कितना धन्य है वह,
   यीशु ही मेरे जीवन का साथी,
   मेरी जरूरतों को पूरी करता है वह,
   कोई घटी नहीं मुझको
4. मेरी आयु के दिन पग-पग में सदा,
   तेरी सेवा को पूरी करूँगा,
   एक बत्ती समान जलता रहूँगा,
   तेरी महिमा मेरी कामना

◆◆◆◆

114.

प्रभु का दर्शन, यीशु का दर्शन
पाके भाई लग जा सेवा में (2)

1. भारत वर्ष बुलाये तुझको
   आ बचा मुझको (2)
   आत्मायें मरती (2)
   देखो हज़ारों पाप के सागर में
2. क्रूस पर अपनी जान प्रभु ने
   जग के लिए दी (2)
   जगह हैं देखो (2)
   हिन्द के लिए उसके हृदय में
3. बैठे बैठे साल गंवाये
   नौजवानी के (2)
   अभी भी कर ले (2)
   प्रभु की सेवा बाकी जीवन में
4. चारों ओर अन्धेरा छाया
   रात अब आ पहुंची (2)
   जो कुछ है करना (2)
   अभी तू कर ले दिन की ज्योति में
5. प्रभु के लिए आत्मा बचाने में
   तू जल्दी कर (2)
   फसल है पक्की (2)
   पूले जमाकर उसके खत्ते में

◆◆◆◆

115.

प्रभु मेरा चरवाहा, प्रभु मेरा रखवाला
कोई घटी मुझे नहीं है।।

1. सुखदाई झरने के पास
   ले जाता है बुझाने मेरी प्यास
   धर्म के मार्ग में वो
   ले जाता है मुझे अपने साथ।।
2. शत्रुओं के सामने
   आदर करता है मेरा
   आनन्द के तेल से
   अभिषेक करता है मेरा।।
3. घोर अंधकार से भरी
   घाटी से यदि मैं चलूँ
   कोई हानी से न डरूँगा
   प्रभु मेरी करता है रक्षा।।
4. करुणा भलाई और जीवन
   निश्चय मेरे साथ रहेगा
   अपने प्रभु के भवन में
   सर्वदा मैं वास करूँगा।।

◆◆◆◆

116.

प्रभु तोरे मन्दिरों में पूजन करूँ मैं,
पूजन करूँ मैं, पूजन करूँ मैं (2)

1. यीशु तेरे लहू से अपने को धोऊँ,
   शोधन करूँ मैं, निर्मल होऊँ,
   स्वामी तोरी वेदी की प्रदक्षिणा करूँ मैं।
2. मन और हृदय को, अपने मैं जाँचूँ
   निज अभिलाषा सावधान तौलूँ
   सत्य और आत्मा से, भजन करूँ मैं।
3. जब तोरे मुख को, सम्मुख देखूँ,
   करूँ मैं प्रशंसा शुभ राग गाऊँ,
   तेरे शुद्ध चरणों में शीश नवाऊँ मैं।

◆◆◆◆

117.

1. प्रभु महान् विचारूँ कार्य तेरे
   कितने अद्भुत जो तूने बनाये
   देखूं तारे, सुनूं, गर्जन भयंकर
   सामर्थ तेरी सारे भूमंडल पर
   प्रशंसा होवे, प्रभु यीशु की,
   कितना महान् (2)
   प्रशंसा होवे, प्रभु यीशु की,
   कितना महान् (2)
2. वन के बीच में तराई मध्य में विचरूँ
   मधुर संगीत मैं चिड़ियों का सुनूं
   पहाड़ विशाल से जब मैं नीचे देखूँ
   झरने बहते लगती शीतल वायु
3. जब सोचता हूँ कि पिता अपना पुत्र
   मरने भेजा है वर्णन से अपार
   कि क्रूस पर उसने मेरे पाप सब लेकर
   रक्त बहाया कि मेरा हो उद्धार
4. मसीह आवेगा शब्द तुरही का होगा
   मुझे लेगा जहाँ आनन्द महान्
   मैं झुकूंगा साथ आदर भक्ति दीनता
   और गाऊँगा प्रभु कितना महान्

◆◆◆◆

118.

प्रभु तेरा प्यार सागर से भी है गहरा
तू है महान् आसमानों से भी ऊँचा
तेरे विचार सागर की रेत से ज्यादा
प्रभु तेरा दिल सृष्टि से भी है बड़ा

1. प्रभु मैं तुझसे प्यार करूं-2
   तेरी आराधना मैं करूं-2
   प्रभु तू ही है महान्-2
   सिर्फ तू और कोई नहीं।

◆◆◆◆

119.

प्रभु परमेश्वर तू कितना भला है
तेरी भलाई सदा की
मेरा दिल तुझे धन्यवाद देता,
मेरा प्राण तुझे स्तुति देता

1. कठिन समय में तू मजबूत गढ़ है
   अंधेरी राह में तू उजियाला है
   मेरी दोहाई तू सुनता
   मेरा प्रभु कभी नहीं सोता,
   मेरा प्राण...
2. तू कहता है नहीं छोड़ूँगा
   तू कहता है नहीं ठुकराऊँगा
   तेरा हाथ मेरी अगुवाई करता
   तेरा सामर्थ मुझे बल देता,
   मेरा प्राण...

◆◆◆◆

120.

प्रभु मुझको बना, तू अपना पवित्र स्थान
धोकर शुद्ध कर अपने लहू से
मैं धन्यवाद के साथ, मानकर तेरी बात
जीऊँगा प्रभु तेरे लिए।

◆◆◆◆

121.

परम पिता की हम स्तुति गायें
वो ही है जो बचाता हमें
सारे पापों को करता क्षमा
सारे रोगों को करता चंगा

1. धन्यवाद दें उसके आसनों में
   आनन्द से आयें उसके चरणों में
   संगीत गाके खुशी से
   मुक्ति की चट्टान की हम जय ललकारें

2. वही हमारा है परम पिता
तरस खाता है सर्व सदा
पूरब से पश्चिम हैं जितनी दूर
उतने ही दूर किये हमारे गुनाह
3. माँ की तरह उसने दी तसल्ली
दुनिया के खतरों में छोड़ा नहीं
खालिस दूध है कलाम का दिया
और दी हमेशा की ज़िन्दगी
4. चरवाहे की मानिन्द ढूंढ़ा उसने
पापों की कीच से निकाला हमें
हमको बचाने को जान अपनी दी
ताकि हाथ में हम उसके रहें
5. घोंसले को बार-बार तोड़कर उसने
चाहा की सीखें हम उड़ना उससे
परों पर उठाया उकाब की तरह
ताकि हमको चोट न लगे

◆◆◆◆

122.

पवित्र, अति पवित्र स्थान में ले चल प्रभु
मुझको तू अपने लहू से, धो दे मेरे प्रभु,
तेरे सामने, झुकते हैं, सिजदा हम करते हैं,
आत्मा और सच्चाई से, आराधना करते हैं..

1. शुद्ध जल तू छिड़क दे,
मन को मेरे बदल दे,
प्रार्थना है हमारी, आत्मा से तू भर दे
तेरे सामने
2. जितना मैं तुझको जानूं, उतना करीब पाऊं
जितना मैं तुझको पाऊँ,
उतनी ही आशीष पाऊँ,
तेरे सामने
3. चाहो तो आओ तुम मेरे साथ,
नया जीवन तूने दिया, पापों से छुड़ाया,
चट्टानों पे तूने बिठाया,
शैतान की ताकत से तूने मुझे छुड़ाया
गाऊँगा तेरे ही नाम सुबहो शाम...
4. जिंदा खुदा, फिर जी उठा
जीवन नया तूने दिया,
यीशु मसीह है उसका नाम,
छोडूंगा ना अब तेरा साथ
सबको बताऊँगा मैं आज
चाहूं तुझे ही मैं क्यों सुबहो शाम
5. मुरदे को जगाया, अंधों को दिखाया,
कोढ़ी को भी तूने चंगा किया,
दुनिया के पापों में जो डूबे हुए थे,
उनको भी तूने ही प्यार किया।

◆◆◆◆

123.

पवित्र आत्मा आ, पवित्र आत्मा आ
मुझे ले जा यीशु के चरणों में

पवित्र आत्मा आ
सिर्फ तेरे लिए यीशु तेरे लिए (3)
मैं हाथ उठाता हूँ
घुटने टिकाकर सिर झुकाकर
हाथ उठाता तेरे लिए (2)
सिर्फ तेरे लिए यीशु तेरे लिए (3)
मैं सिर झुकाता हूँ
यीशु ही मार्ग है, यीशु ही सत्य है
यीशु ही जीवन है, यीशु मेरा प्रभु
सिर्फ तेरे लिए यीशु तेरे लिए
मैं हाथ उठाता हूँ

◆◆◆◆

124.

पावन है वह प्रभु हमारा
उसकी जय, जयकार करो
निर्बल का वह बल है न्यारा
उसकी जय, जयकार करो
जय हो (3) जय हो (3)

1. दीन दुखियों का है दाता
   भटके हुओं को राह दिखाता
   सीधे मार्ग में हमें चलाता
   उसकी जय, जयकार करो
   जय हो (3) जय हो (3)
2. प्रभु हमारा बड़ा महान्
   निर्बुद्धियों को देता ज्ञान
   पतितों का वह बचाता प्राण
   उसकी जय, जयकार करो
   जय हो (3) जय हो (3)
3. प्रभु की महिमा अपरम्पार
   जग का वह है तारणहार
   मानों उसे अपना आधार
   उसकी जय जयकार करो
   जय हो (3) जय हो (3)

◆◆◆◆

125.

पीछे पीछे यीशु तेरे हम चले आयेंगे
हिमालय की वादियों में जय गायेंगे।

1. मुक्ति की बातें और प्रेम की कहानियां
   गली-गली सबको हम सुनायेंगे - 2
2. स्वर्ग में विराजमान प्रभु यीशु आये तुम
   पाप दण्ड क्रूस को उठाते हो तुम - 2
3. पाप को क्षमा करो, नव जीवन दान दो
   भक्त तेरे चरणों पर आये हैं हम - 2
4. दुनिया को छोड़कर माया मुँह मोड़कर
   शैतां को हर दिन, हम हरायेंगे- 2
5. आत्मा उँडेल दो, अनुग्रह और सत्य दो
   यीशु राज्य अपना स्थापित करो - 2

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

126.

परमेश्वर पिता परमेश्वर
तू ही है दाता हमारे जीवन का
जीवन से भी है उत्तम
तेरी करुणा सदा हम पर।

1. बंजर जमीं से तू उगाता है फसल, सूखी
   नदी से तू बहाता प्रेम जल (2)
   ये आसमां और ये जमीं
   गाते हैं तेरी महिमा।
2. हमको बनाया तूने अपने रूप में
   देकर जीवन भेजा तूने संसार में (2)
   ये जिन्दगी मेरी सदा
   करती है तेरी महिमा।

◆◆◆◆

127.

प्रार्थना में जो कुछ माँगा,
पूरा करो अरमान
सारी खताएँ माफ करो,
तेरा करूँ अब ध्यान।

1. दिल से धीमी आवाज आई
   अपने गुनाहों को मान
   जान लिया मैंने आवाज उसकी,
   जिसका किया अपमान।

2. ईमान लाए जिस पल मसीहा,
आए तुम्हारे पास
माफ करो अब पाप हमारे,
आओ हमारे पास।
3. जाना सभी को आखिर वहाँ है,
होगा जहाँ इन्साफ
धो दे दिलों को आज हमारे,
कर दे लहू से साफ।

◆◆◆◆

128.

फिर से वो आग बरसा दे,
फिर से तूफान आने दे।
तेरी महिमा से, तेरे सामर्थ से,
फिर से तू अभिषेक कर दे...
आ पवित्र आत्मा...6
1. बहने दे उस हवा को,
छू ले हर एक दिल को,
तेरा दर्शन हमें मिले,
करते हैं प्रार्थना तुझसे,
तेरी महिमा...
2. तू बदल दे मेरे मन को,
दे आशीष इस जीवन को,
तेरी करुणा हम पे बरसे,
अपने मार्ग पे चला हमको
तेरी महिमा...

◆◆◆◆

129.

प्यारो हिम्मत बांधो आगे बढ़ो
क्रूस का लो निशान,
जीतेंगे हम यारो हारेगा शैतान,
1. लड़ो-लड़ो फुर्ती करो यीशु है कप्तान, (2)
हिम्मत बांधो आशा रखो भागेगा शैतान
2. पाप और दुख में चारों तरफ
मरते हैं इंसान, (2)
दया करो भारत पर, वह हुआ परेशान,
3. घर-घर जाकर करो प्यारो,
यीशु का बयान, (2)
वह है राजा मुक्तिदाता, सब पर मेहरबान
4. जल्दी करो सुनाओ सबको
यीशु का फरमान
पापी बचते जाते, लाते जो उस पर ईमान
5. दास कहें बैरी शरमाते सुन यीशु का ज्ञान,
लोग मसीह को मानते जाते, हारता है शैतान

◆◆◆◆

130.

बिजलियाँ चमकेंगी, तुरहियाँ, फूकेंगी-2
मेरा यीशु मुझे लेने आयेगा .....
हाँ मेरा यीशु मुझे लेने आयेगा
1. भूकंप धरती को देंगे हिला
भूख और अकाल में, सारा जहाँ (2)
होगी लड़ाईयाँ चारों तरफ़
फिर भी रखेंगे धीरज हम सब (2)
बिजलियाँ
2. झूठे नबी होंगे, सब लों जमा
धोखा वे देंगे, सब को यहाँ (2)
हम पर न होगा, उनका असर
आत्मा की भरपूरी में अगर (2)
3. सारा जगत उसकी आमद को
देखेंगे उसके जलाल को (2)
रोऐंगे छाती वे पीटेंगे
ठुकराया जिन सबने यीशु को (2)

4. सोये हैं जो प्यारे यीशु के संग
पल में उठेंगे विश्वासी जन (2)
कब्रें खुलेंगी, ना कोई डर
मृत्यु का होगा, अब न असर (2)
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

131.

बोलो जय मिलकर जय,
बोलो जय यीशु की जय, (2)
बोलो जय, जय, जय

1. तेरे प्रेम की यही रीत,
मन में भर दे अपनी प्रीत,
तेरे प्रेम के गाएं गीत
बोलो जय

2. क्रूस पर अपना खून बहाया,
मुझ पापी को दी शिफा,
मन मेरे तू बोल सदा
बोलो जय

3. तेरी कुदरत की यह शान,
खुद ही दाता, खुद ही दान,
पूरे कर मन के अरमान
बोलो जय

4. खिदमत अपनी ले मुझ से,
इस मन्दिर में तू बसे,
हिन्द में तेरा नाम रहे
बोलो जय

◆◆◆◆

132.

बरकत और इज़्ज़त और जय तेरी हो,
और जय तेरी हो, और जय तेरी हो
बरकत और इज़्ज़त और जय तेरी हो,
कि तू ही तख़्त पर है
तारीफ़ तारीफ़ हर एक जन ललकारे, (2)
तारीफ़ तारीफ़, कि तू ही तख़्त पर है
बरकत और इज़्ज़त और जय तेरी हो,
और जय तेरी हो, और जय तेरी हो
बरकत और इज़्ज़त और जय तेरी हो,
कि तू ही तख़्त पर है

◆◆◆◆

133.

बादलों पे यीशु जब आओगे तुम
हम तुमसे मिलन चले आयेंगे-2
1. होशन्ना गाते हुए तेरे भक्त आयेंगे-2
सब जन हम मिलकर गायेंगे
तुमसे मिलन....
2. स्वर्गदूत आयेंगे तुरहियाँ बजायेंगे-2
सुर साज साथ लिए आयेंगे
तुमसे मिलन...
3. यीशु में सोये सब जीवित हो जायेंगे-2
बादलों पे जय ललकारेंगे
तुमसे मिलन...
4. प्रभुओं के प्रभु तुम राजा राजाओं के-2
युग युग हम तेरी स्तुति गायेंगे
तुमसे मिलन....
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

134.

बिनती सुनले यीशु प्यारे (2)
मोहे संग रखो महाराज
अब तुम राखो मेरी लाज
प्रभुजी राखो मेरी लाज

1. बिनती करूं तुमसे कर जोरी
   अब तुम बिनती सुनलो मोरी (2)
   मोहे आशा लग रही तोरी (2)
   दर्श दिखादो आज
   अब तुम राखो मेरी लाज (2)
2. तुमही हमारे नैनों के तारे
   मन के प्यारे दिल के दुलारे (2)
   तुमही हमारे तारणहारे (2)
   हमरे तुम सरताज
   अब तुम राखे मेरी लाज
3. आपका मैं शैदा कहलाऊँ
   आस लगी तोरे दर्शन पाऊँ
   युग-युग आपका मैं गुणगाऊँ
   मेरे ग़रीब नवाज़
   अब तुम .....

◆◆◆◆

135.

बड़ी भोर को तेरे दर्शन को मैं
चरणों में आता हूँ
आराधना स्तुति और प्रशंसा
पिता को चढ़ाता हूँ
आराधना आराधना-2
मेरे यीशु राजा की
पवित्र आत्मा प्रभु की

1. हर दिन के हर एक पल में
   तेरा यीशु ध्यान दें
   मेरे मुँह के वचनों से
   दूजों के घाव भरे
2. तेरी इच्छा तेरी चाहत।
   मेरे मन सबल करें
   उठूँ प्रार्थना वीर बनकर
   हर पल को सफल करें।
3. कलाम को सुनाना
   मेरे मकसद होना है
   तेरे नाम को सुनाने
   पूरे देश में जाना है।

◆◆◆◆

136.

भजने आए हैं पिताजी
आत्मा सच्चाई से तुझ को,
झुकते हैं प्रणाम करते
आए हैं हम भजने भजने।

1. देन पुत्र की है देनी
   सर्वदा भण्डार से जो,
   हे पिता त्रिएक स्वामी
   आए हैं हम भजने भजने।
2. पापियों का मित्र तू है
   पाप को तू मिटाने आया,
   तू है सच्चा मुक्तिदाता
   आए हैं हम भजने भजने।
3. सत्य, मार्ग जीवन तू है
   पिता से हमको मिलाने आया,
   अच्छा चरवाहा तू ही है
   आए है हम भजने भजने।

4. जख्मी हाथ हैं कैसे सुन्दर
तूने जय पाई है सब पर,
अपना प्रभु जान के तुझको
आए हैं हम भजने भजने।

◆◆◆◆

137.

भजो मीठा नाम, प्रभु यीशु नाम
प्यारे प्रभु यीशु का, करो आदरमान

1. महिमा अपनी छोड़कर आया जगत में
जन्म उसने पाया कुंवारी मरियम से
गरीब बनकर रहा सारे जगत में
मेरी जान का प्यारा प्रभु यीशु है।
2. पाप और शर्म के सारे घृणित रोगों को
दिल के गन्दे दागों को मिटाने को
यीशु ने बलिदान दिया अपने आपको
मेरी जान का प्यारा प्रभु यीशु है।
3. आयेगा फिर से अपने लोगों के लिए
अपने साथ आसमान पर ले जाने के लिए
आनंद हर्ष पिता को देने के लिए
मेरी जान का प्यारा प्रभु यीशु है।
4. पाप और श्राप,
और दुष्ट की सारी चालों पर
देता है विजय के, माँगों उससे वर
हृदय में वह शांति भरता सरासर
मेरी जान का प्यारा प्रभु यीशु है।
5. जय जय जय जय मिलकर गाओ भाईयों
खुशी का समाचार सबको जा के दो
हो जाओ तैयार अब उससे मिलने को
मेरी जान का प्यारा प्रभु यीशु है।

◆◆◆◆

138.

भजन करूँ, मैं भजन करूँ
नाम मसीह का मैं लेता रहूँ।

1. दुश्मन मुझको मेरे सताएं
दोष वे झूठे मुझ पर लगाएं
उनके लिए मैं दुआ करूँ।
भजन करूँ ...।
2. लोग जो झूठी बातें गढ़ें
चारों तरफ़ बदनाम करें
फिर भी मैं उनको क्षमा करूँ
भजन करूँ ...।
3. हाथ पकड़ ले, प्यारे मसीह
राह दिखा दे, जो है सही
तेरे मैं पीछे-पीछे चलूँ।
भजन करूँ ...।

◆◆◆◆

139.

भजता क्यों नहीं रे मन मूरख
यीशु नाम सच्चा नाम,
पार करेगा जीवन नैय्या,
यीशु नाम, सच्चा नाम।

1. भव सागर से है यदि तरना,
दु:ख संकट से नहीं कुछ डरना
पार करेगा जीवन नैय्या
यीशु नाम सच्चा नाम।
2. दुनिया के यह गोरख धन्धे,
जीवन के हैं सारे फन्दे
यीशु नाम को भज लें बन्दे,
यीशु नाम सच्चा ना।

3. दुनिया में तूने पाप कमाया,
पाप में सारा वक्त गंवाया
यीशु नाम सच्चा नाम।
4. टूटे फूटे हौज बनायें,
जिनमें पूरी शान्ति न पाये
तुझको पूरी शान्ति देगा।
यीशु नाम सच्चा नाम।
5. दुनिया से है एक दिन जाना,
फिर माया में क्यों फंस जाना
जीना है तू जब जब तक भज ले,
यीशु नाम सच्चा नाम।

◆◆◆◆

140.

1. मैं तो प्यार की नौका में
परलोक जाता हूँ प्रीतम के संग
ओ...मेरे प्रीतम के संग
यहाँ धरनी में भवन न मान नहीं
मेरा मान नहीं
मेरा भवन यह स्वर्ग में जाना वहीं
मुझे जाना वहीं
2. यदि बादल से घिर मेरी
नाव तरंगों से हिलने लगे
ओ...नाव हिलने लगे
शीघ्र शरण का लंगर वह डालूंगा मैं
उस को डालूंगा मैं
उस के निकट में रहना ही आराम है
मेरा आराम है
3. यहाँ चार दिन रहना है
पीछे हमें वहाँ जाना ही है
ओ...वहाँ जाना ही है
उसके चरण में रहने को जाना ही है
मुझे जाना ही है
आँसू नयनों से पोंछेगा प्यारा मसीह
मेरा प्यार मसीह।

(टी.ए. कुरियन)

◆◆◆◆

141.

मुझको यीशु मसीह मिल गये हैं अभी
जीना है बस अब, यीशु मसीह

1. राह अंधेरी दु:खों से भरी है यहाँ (2)
कुछ न सूझे, जहाँ में कहीं
मिल गया मुझको यीशु मसीह
2. दुश्मन आये हैं जाँ लेने को अब यहाँ (2)
सब लुटा देंगे, अब हम यहीं
मिल गया मुझको यीशु मसीह
3. दोस्त छोड़ें और अपने, सतायें मुझे-2
क्रूस छोड़ेंगे, हम न कभी
मिल गया मुझको यीशु मसीह
4. जान दी उसने मरना सिखाया मुझे-2
इस जहाँ के हैं हम अब नहीं
मिल गया मुझको यीशु मसीह

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

142.

महफिल मसीहा की,
शाम भी मसीहा की
ये महफिल सजाने आए हैं हम
मसीहा से मिलेंगे, मसीहा से कहेंगे,
तेरे गीत गाने आए हैं हम।
महफिल मसीहा की

1. मस्सा की फराबानी की,
उकाबों सी जवानी की,
शिफा की अबगानी की हमें आरजू
मसा में भर जाएँगे,
हवा में उड़ जाएँगे,
तेरे रूह से भरने आए हैं हम
महफिल मसीहा की...
2. मसीहा ही सहारा है,
मसीहा जाँ से प्यारा है,
गुनाहों का गफारा है,
जिंदा खुदा
मीठी-मीठी जिन्दगी,
रूह की ताज़गी,
नई ज्योति देने आए हैं हम
महफिल मसीहा की...
3. नजर है मसीहा पर,
फकर है मसीहा पर,
ईमान मसीहा पर मसीहा तू आ
है दुल्हन मुल्तजर, नजर
अफलाद पर,
नकारे को सुनने आए हैं हम
महफिल मसीहा की...
4. मसीहा मेरा जीवन है,
मसीहा मेरी दौलत है,
मसीहा मेरी इज्जत है,
जिंदा खुदा।

◆◆◆◆

143.

मुक्तिदाता यीशु नाम
भजले दिल में उसका नाम

1. आदि वो नाम, अंत वह नाम
सब को जीवन दे वह नाम (2)
2. ज्योतिर नाम, सत्य वह नाम
शांति वह देता येशू नाम (2)
3. जय मृत्युंजय, येशू नाम
पापिन को दे पुनरुत्थान (2)
4. निर्बल निष्फल, का वह नाम
शक्ति देता येशू नाम (2)
5. क्रूस पर नाम, खून से नाम
राजाओं का राजा येशू नाम (2)

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

144.

मेरी आँखें खोलो यीशु मसीह
हम भटक रहे अंधियारे में
ज्योति दिलाओ प्यारे प्रभुजी
ले आओ उंजियारे में .....मेरी

1. हम हैं लाचार और गिरे हुए
जग में निर्बल और दबे हुए (2)
तुम शक्तिमान् प्रभु यीशु
हम चरण तुम्हारे आये हैं, ज्योति .....
2. ये पाप हमें दु:ख देते हैं।
हर पग हम उसमें गिरते हैं (2)
तुम परमपिता हो हमारे प्रभु
हम शरण तुम्हारे आये हैं, ज्योति .....
3. परमात्मा का तुम दान करो
मेरे जीवन का बलिदान करो (2)
दुनिया पर विजय की शक्ति दो
मरने के भय से मुक्त करो, ज्योति .....

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

145.

मेरो मन लागो (2)
यीशु जी के ध्यान,
प्रभु जी के ध्यान (2)

1. प्रेम की तेरी रीत निराली (2)
   तेरी निराली शान (2)
2. पापिन कारण क्रूस उठाया (2)
   दे दी अपनी जान-(3)
3. जो कोई तेरी शरण में आया (2)
   बच गये उसके प्राण (3)
4. प्रार्थना में जो कुछ तुझसे मांगा (2)
   पूरे किये अरमान (3)
5. जिसने तेरा दामन छुआ (2)
   पाई शिफा उसी आन (3)
6. बिनती हमारी सुनिए यीशु जी (2)
   दीजो अपना ज्ञान (3)

◆◆◆◆

146.

मेरे जीवन का मकसद तू है
मेरे जीने का कारण तू है
मैं जीयूँ या मरूँ वो तेरे लिये
तू मेरा प्रभु

1. पिछला सब भूलकर
   मैं आगे दौड़ा चलूँ
   जो मेरे लिये धन था
   उसको मैं त्याग दूँ
   कि मैं पाऊँ उससे पुरस्कार
   दौड़ा मैं जाऊँ (2)
   मैं जीयूँ...
2. मुझ पर हुई हैं कृपा
   बेकार ना जाने दूँ
   जिसने मुझे है चुना उसकी ओर मैं बढ़ूँ
   देखूँ तेरी सलीब पर खिंचा मैं जाऊँ
   मैं जीयूँ...

◆◆◆◆

147.

माँगो तो मिल जायेगा
ढूँढ़ो तो तुम पाओगे
खटखटाओ द्वार खोलेगा यीशु
प्यार वो करता तुझे .... माँगो

1. चिड़ियों को देखो तुम, बोते न काटते
   स्वर्गीय पिता पालनहार
   भूखा न रखता वो, हर दिन खिलाता
   तुम हो बहुमूल्यवान् (2)
2. फूलों को देखो तुम, बुनते न कातते
   सुंदर हैं वे कितने
   वस्त्र की चिंता हो, या निर्धनता
   सब कुछ पिता पर छोड़ो (2)
3. कल की न चिंता हो, उस पर भरोसा हो
   रोटी कपड़ा न मकान
   राज्य-धरम उसका जीवन हो यीशु जैसा
   होऐं न हम परेशान (2)

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

148.

मुक्ति दिलाये यीशु नाम
शान्ति दिलाये यीशु नाम, (2)

1. यीशु दया का बहता सागर (2)
   यीशु है दाता महान....
2. चरनी में तूने जन्म लिया यीशु (2)
   सूली पर किया विश्राम....
3. हम पर भी यीशु किरपा करना (2)
   हम हैं पापी नादान...
4. हम सब के पापों को मिटाने (2)
   यीशु हुआ बलिदान...
5. क्रूस पर अपना खून बहाया (2)
   सारा चुकाया दाम...

◆◆◆◆

149.

1. महिमा से तू जो भरा हुआ
   ज्योति में सदा रहने वाला
   मनुष्यों में तू ने जन्म लिया
   फिर से यीशु जग में तू आएगा
   आयेगा यीशु (2)
2. भूमि, आकाश में समा न सका
   मन्दिरों में तू रह न सका
   नम्र होके चरनी में पैदा हुआ
   मनों में हमारे घर तू बना
   घर तू बना यीशु (2)
3. खैमे में आकर तू ही बसा
   लोगों को अपने लिए फिरा
   अग्नि और बादल में तू ही दिखा
   फिर से यीशु अपना जलवा दिखा
   जलवा दिखा (2)
4. दानिएल की तूने प्रार्थना सुनी
   एज्रा की तूने सहायता की
   बाबुल में तूने बेदारी भेजी
   अपने लोगों को फिर से दे रिहाई
   दे रिहाई (2)
5. तू ही हमारा राजा है,
   तू ही मुक्तिदाता है
   फिर से आनेवाला है
   प्यारे प्रभु यीशु तू जल्दी आ
   जल्दी आ (2)

◆◆◆◆

150.

मन का दीप जला जीवन दीप जला
ख्वाबों में खोया है, जाग ज़रा मतवाले

1. सच बतलाओ तेरे मन में, रात कैसी छायी
   अच्छा नहीं है देख संभल जा यीशु से है जुदाई
   मन का मैल धुला (2) ख्वाबों में
2. यह दुनिया है ख्वाब सुनहरा,
   इसमें जो फंस जाए
   रोए तड़पे चैन न पाए, घुट-घुट कर मर जाए
   यीशु को अपना (2) ख्वाबों में
3. यीशु को तू अपना जीवन अपना मीत बना ले
   छोड़ दे अब यह दुनिया सुनहरी,
   दुनिया से मन फिरा ले
   होगा तेरा भला (2) ख्वाबों में

◆◆◆◆

151.

मन तो प्रभु का मन्दिर है,
तन अपना दान करो
अपने प्रभु की सेवा में,
सब अपना दान करो।

1. है याद तुम्हें जन्मे थे,
   तुम पाप के सागर में,

और पाने तुम्हें आया,
वह पाप के सागर में,
उस प्यारे प्रभु के नाम के लिए,
कुछ अपना दान करो।

2. कल तुम जो भटकते थे,
अन्जान सी राहों में,
यीशु तुमको बचा लाया,
अपनी प्यार की बाहों में,
जो भी मिला है, प्रभु में तुम्हें,
औरों को दान करो।

3. अन्धकार से जीवन में,
वह रोशनी ले आया,
उस रोशनी में हमने,
एक मार्ग नया पाया
जीवन तुम्हारा है उसका,
जीवन बलिदान करो।

◆◆◆◆

152.

मन मन्दिर में बसने वाला,
यीशु तू है निराला (2)

1. जिसके मन में तू जन्म ले
अविनाशी आनन्द से भर दे (2)
आदि अनन्त की प्रीत रीत की
जल जाएगी ज्वाला (2)

2. मूसा को तून पास बुलाया
स्वर्ग लोक का भवन दिखाया (2)
महा पवित्र स्थान में रहकर
आप ही उसे सम्भाला (2)

3. पाप में दुनिया डूब रही थी
परम पिता से दूर हुई थी (2)
महिमा अपन आप ही तज कर
रूप मनुष्य ले आया (2)

4. प्रेम हमें अनमोल दिखाया
प्रेम की खातिर रक्त बहाया (2)
क्रूस पर अपनी जान को देकर
मौत से हमें छुड़ाया (2)

5. हर विश्वासी प्रेम से आये
खुशी से अपनी भेंट चढ़ाये (2)
अन्धकार अब सब दूर हुए हैं
मन में हुआ उजाला (2)

◆◆◆◆

153.

1. मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा
दिन और रात उसके पीछे मैं चलूंगा
पीछे चलूंगा, फतह पाऊँगा
यीशु मेरा मुन्जी मसलूब

चलते चलते नूर में यीशु के साथ
चलते चलते थामते यीशु के हाथ
नूर में मैं रहूँगा, फतह पाऊँगा
मैं नूर में चलता रहूँगा

2. मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा
गर अन्धेरी राह में न डरूंगा
पैर उठाऊँगा दिल से गाऊँगा
यीशु मेरा मुन्जी मसलूब

3. मैं यीशु के साथ नूर में चलूंगा
जब कभी आवाज़ उसकी सुनूंगा
उससे कहूँगा, तुझे सब दूंगा
यीशु मेरा मुन्जी मसलूब

◆◆◆◆

154.

मेरे गीतों का विषय, तू मेरी आराधना,
तेरी महिमा मुझसे होवे, यह मेरी है कामना (2)

1. तुझको मैंने मेरे प्रभु जी, जब से पाया है,
तेरे अनोखे प्रेम के आगे, शीष झुकाया है,
तेरी महिमा गाने को जो साज उठाया है,
गीत नया जीवन में तब से मेरे आया है,
मेरे जीवन का हर-पल अब तेरा, तू थामना।
तेरी महिमा....
2. तेरा वचन जो राह में मेरे, दीप सा जलता है,
मेरे जीवन का हर पहलू, उसमें ढलता है,
तेरे वचन के द्वारा मुझको साहस मिलता है,
वह तो कभी न भटकेगा, जो उन पर चलता है,
तेरे वचन को थामे रहूँ, हो मेरी यह साधना।
तेरी महिमा....
3. वक्त चुनौती देकर पूछे, तुमसे बारम्बार,
यीशु को क्या बनाया तुमने, जीवन का आधार,
सोचना होगा हर प्राणी को, क्या वह है तैयार,
देखो शायद कल न आए, करना न इनकार,
एक दिन करना होगा सबको उसका सामना।
तेरी महिमा....

♦♦♦♦

155.

1. मेरे हाथों को यीशु थामो,
मुझे ले चलो अपने साथ,
मेरे पावों को यीशु संभालो,
ना भटकें अपनी राह,
मेरे होंठ करें धन्यवाद,
तेरा भजन करें दिन रात,
मैं चलता रहूँ तेरे पीछे पीछे
करके अपना इनकार
2. मेरी आँखों को यीशु खोलो,
राह तुम मुझको दिखलाओ,
तुम ही हो जगत की ज्योति,
अंधियारा तुम ही मिटाओ,
मैं देखूं सदा तेरी महिमा,
तेरी सेवा करूं प्रभुराज,
मैं चलता रहूँ तेरे पीछे पीछे,
तजके सारा संसार
3. मेरे कानों को यीशु खोलो,
सुनु हर पल तेरी आवाज,
मानूं तेरी आज्ञा मैं सारी,
पाऊँ मै अनुग्रह आज,
तन मन धन समर्पण करके,
बन जाऊं मैं अब तेरा दास,
मैं चलता रहूँ तेरे पीछे पीछे,
क्रूस उठाकर साथ

(शिष्य थॉमसन)

♦♦♦♦

156.

मेरे प्रभु, जग करतार मोहे अपने ही प्रेम से भरदे
मोहे अपने ही रंग में रंग दे
मोहे अपने ही प्रेम से भरदे।

1. प्रेम से छोड़ा स्वर्ग सिंहासन
प्रेम से किया तुमने क्रूस धारण–2
तुम ही सत् अवतार रे ... मोहे
2. अंधक नैन भी कोड़िन काया
मुर्दों को भी तुमने जिलाया
तुम ही जग करतार रे .... मोहे
3. प्रेम हमे भी करना सिखा दो
क्रूस पे चढ़ना हमको सिखा दो
बिनती करत बार बार रे ... मोह

♦♦♦♦

157.

मसीह तू हमको बचा ले
गुनाहों से तू छुड़ा ले,
टूटी हुई है ये नैया
मसीहा तू पार लगा दे (2)

1. पतवार टूट चुकी है, दिखता नहीं है किनारा
   ऐसे में तू ही मसीहा,
   दिखता तू ही सहारा (2)
2. हिम्मत हार चुकी है, छाया है अन्धेरा
   ऐसे में तू ही मसीहा,
   दिखता तू ही सहारा (2)
3. वो सुबह जा रही है, ये रात आ रही है
   ऐसे में तू ही मसीहा,
   दिखता तू ही सहारा (2)

◆◆◆◆

158.

मसीही जिन्दगी, आनन्द की जिन्दगी
है जिसका दाता, यीशु मसीह जी
चाहे कष्ट आयें, चाहे नष्ट होवे
यीशु हे मेरा हमेशा साथी।

1. दुनिया की मदद जब बंद हो जाये
   लोग हमें जब छोड़ भी देवें
   खुद के भाई त्याग भी देवें
   यूसुफ का प्रभु है मेरा साथी।
2. अंधकार जग में जब फैल जावे
   राजा और हाकिम शत्रु हो जावे
   वह अग्नि कुंड हो शेरों की मान्द हो
   दानिय्येल का प्रभु है मेरा साथी।
3. वह मेरा मित्र है वह मेरा चरवाहा
   वह मेरा राजा हमेशा साथ है
   हम दबे क्यों रहें हम व्याकुल क्यों रहें
   प्रभु के पुत्र सब गाते ही रहें।
4. तुरही सुनने का वक्त अब आ गया
   अपने प्रभु को शीघ्र ही देखेंगे
   कब तू आयेगा कितनी देर करेगा
   इन्तजार मुझको है तेरा प्रभु जी।

◆◆◆◆

159.

मिलकर हम सन्ना तेरी गाते
सारे जहाँ को सुनाते
जय जय हो तेरी महिमा हो तेरी
प्रभु सबको हम यह गीत सुनाते।

1. सारे जहाँ का सहारा
   डूबे हुओं का किनारा
   नैय्या हमारी डोले
   मौजों में खाये हिलोरे
   ले चल किनारे ले जा
   बन कर तू माँझी ले जा
   हम सबको पार लगा दे।
2. चारों तरफ है घटायें
   घनघोर बादल हैं छाये
   सूझे नहीं अब किनारा
   तू ही हमारा सहारा
   ले चल किनारे ले जा
   बन कर तू माँझी ले जा
   हम सबको पार लगा दे।
3. पापों में जीवन हमारा
   कष्टों को झेल रहा है
   कैसे बचेंगे सारे ये पापी जीवन हमारे
   तू ही हमारी आशा तू ही हमारा जीवन
   हम सबको पार लगा दे।

◆◆◆◆

160.

मिलती है जय हमको तुझसे
गा मेरे दिल हाल्लेलुय्याह
मसीह मैं तेरे संग चलूं
मसीह में मैं बना रहूँ।

1. तमन्ना दिल की ये जुबां पे आयी है
   करे बयां सबको खुशी जो हमने पायी है
   वो मेरे संग-संग रहा, जहां भी मैं बढ़ा चला
   तो कैसे रहूँ मैं खुदा से जुदा।
2. उकावों से ऊँचा मैं उड़ता आया हूँ
   हाँ शेरों से ज्यादा मैं ताकत पाता हूँ
   उसी से मुझे बल मिला वही तो मेरा है खुदा
   तो कैसे रहूं मैं खुदा से जुदा।

◆◆◆◆

161.

1. मेरा एक ही मित्र यीशु
   वो मेरा सब कुछ है
   लाखों में वो मेरा एक ही प्रिय है
   वो शारोन का गुलाब है
   और भोर का तारा है
   लाखों में वो मेरा एक ही प्रिय है।
   उसके दु:ख से मुझको शांति
   और आनन्द मिलता है
   उसका क्रूस मुझको चंगा करता है
   वो शारोन का गुलाब है
   और भोर का तारा है
   लाखों में वो मेरा एक ही प्रिय है।
2. मेरा सारा बोझ उठाया
   मुझे चंगा कर दिया है
   पाँवों को वो मेरे स्थिर किया है
   जब अकेला था भटकता
   और सबने छोड़ दिया
   यीशु मेरा प्यारा मित्र बन गया।
3. अब मैं जीवन भर उसकी महिमा करूँगा
   हाथ उठाकर उसकी स्तुति करूँगा
   यीशु के लिए जीऊँगा और उसमें मरूँगा
   यीशु ही मेरी एक मात्र आशा है।

◆◆◆◆

162.

मेरा मन धो देना प्रभु
विनती करूँ बार-बार

1. मन मेरा हो गया पापों से मैला
   मैं धोते-धोते हुआ लाचार
2. गंगा यमुना तीरथ नहाया
   और नहाया जाकर हरिद्वार
3. मैंने भूल करी बड़ी भारी
   आया नहीं मैं तुम्हारे द्वार
4. बाइबल भीतर मैंने पाया
   तुम ही हो दिल के धोवनहार
5. दास कहे इस पापी मन को
   कृपा कर तुम दीजियो निखार।

◆◆◆◆

163.

मेरा प्रभु जन्मा, प्यारा यीशु जन्मा
पापिन कारण तारण
मेरा प्यारा यीशु जन्मा

1. मरियम बैठी अपने घर में,
   आया दूत स्वर्ग से
   बोला कुंवारी मरियम से
   कि लो सलाम हमारा जी
2. मरियम बैठी गौशाला में,
   राजा बालक चरनी में

आये गड़रिये दंडवत करने
सारे जग के त्राता को
3. आगे-आगे तारा,
पीछे-पीछे पंडित लोग
सोना, मुर्र, लोबान चढ़ाते
करते उसकी महिमा जी।

◆◆◆◆

164.

मेरा यीशु है कितना महान्
उसके जैसा कोई है कहाँ
उसके चरणों में सिजदा करूँ
वही तो है मेरा खुदा-2
हा...हाल्लेलुय्याह-3

1. तूने रचाए धरती आसमां,
अपने एक शब्द के द्वारा।
तूने सजाए चारों ओर दिशा
अपनी सामर्थ के द्वारा।
क्या है इंसा जो तू उसे याद करे,
क्या है इंसा जो तू उसे प्यार करे-2
2. तू है पवित्र यहोवा अलशाहाई,
तू है शालोम यहोवा अदोलाई।
तेरी इच्छा से तूफान उठे,
तेरी आज्ञा से आंधी थम जाए
क्या है इंसा जो तू उसे याद करे,
क्या है इंसा जो तू उसे प्यार करे-2

◆◆◆◆

165.

मेरे महबूब प्यारे मसीहा
किस जगह तेरा जलवा नहीं है
किस जगह तेरी शोहरत नहीं है
किस जगह तेरा चर्चा नहीं है

1. लोग पीते हैं और गिर जाते हैं
मैं तो पीता हूँ गिरता नहीं हूँ
मैं तो पीता हूँ दर से मसीह के
वो अंगूरों का सीरा नहीं है।
2. मर गई थी वह याईर की बेटी
तूने उसपे निगाहें करम की
कर दिया उसको जिन्दा यह कहकर
ये तो सोती है मुर्दा नहीं है।
3. आँख वालों ने तुझको है देखा
कान वालों ने तुझको सुना
तुझको पहचानते हैं वो इन्शां
जिनकी आँखों में पर्दा नहीं है।
4. जिसमें शामिल न हो इश्क तेरा
वह परस्तिश, परस्तिश नहीं है
तेरे कदमों पे होता नहीं तो
कोई सिजदा वह सिजदा नहीं है।

◆◆◆◆

166.

मेरे दिल में नया गाना
मुझे यीशु देता है
आनन्द से गाऊँगा, जीवन भर अपने
प्रभु की स्तुति करूँगा
हाल्लेलुय्याह...

1. पाप की गन्दगी से मुझे उठाया
दिया उसने नया गीत मेरे जीवन में
2. कीच से उसने मेरे प्राण को खींच के निकाला
खून से उसने बदबू सारा दूर किया
3. माता-पिता भाई-बहन सब कुछ वही है
निन्दा लेकर उसकी महिमा करता रहूँगा

4. इस जहाँ की मुसीबतें क्या करेंगी उस
जहाँ की जिन्दगी पर आशा रखता हूँ
5. मेरे लिए जल्दी वह आने वाला है उसके
साथ हमेशा मैं गाता रहूँगा

◆◆◆◆

167.

मेरे मन कर ले तारीफ
तारीफ के योग्य प्रभु है
उसने किये हैं बड़े-बड़े काम
उसकी हो महिमा हम से सदा

1. भेंट जो तुम लाये हो
कर लो उसे तुम दान
दिल से चढ़ायें मिलकर हम
धन्यवादों की ये बलिदान
2. तारीफों में विराजमान
प्रभु है कितना महान्।
दिल से चढ़ायें मिलकर हम
धन्यवादों के ये बलिदान।

◆◆◆◆

168.

मैं आता हूँ तेरे पास, प्रभु यीशु मेरे मसीह
मेरे पापों के लिये ही, उद्धार दे दे मसीह

1. स्वर्गधाम छोड़ के आया,
उद्धार देने मसीह
चरणों में तेरे आता,
तुझको ये दिल देता मसीह।
2. मुझे पापों से छुड़ाने,
खून क्रूस पर बहा दिया
कितना गहरा प्यार किया है,
मैं भूला न सकूँगा मसीह।
3. स्वीकार कर प्रभु मुझे,
अपने राज्य में ले ले
आजा तू मेरी जिन्दगी में,
मेरी जिन्दगी तेरी मसीह।

◆◆◆◆

169.

ये दुनिया बाज़ार है
हर दिल में व्यापार है
शैतां के पिंजरे में फंसते
जाते हम इन्सान हैं।

1. पत्थर से रोटी बनालो
कहते सारे आज हैं
झूठ-फरेब और लालच करलो
ऐश करो आराम है,
बोलें यीशु वचन है जीवन
रोटी नहीं जिलाये रे
2. धन-दौलत और वैभव ले लो
बड़े बनो दुनिया में तुम
शैतां की खुशखबरी यही है
फंस न जाना इसमें तुम
बोलें यीशु झूठ ये बातें
स्वर्ग राज्य मन लागो रे
3. दुनिया तुम्हें दिलाये, शैतां
शक्ति पाओगे तब तुम
गर तुम शैतां से हारोगे
झुक, जाओगे गर अब तुम
बोलें यीशु परमेश्वर की
भक्ति हमें सुहाऐ रे

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

170.

1. यीशु आये गाँव समरिया में
   बैठे कुँए दुपहरिया में
   आई नारी पानी भरने
   ले जाने साथ गगरिया में
2. यीशु बोले देखो नारी
   में प्यासा दो मुझको पानी
   बोली झट से तब वो नारी
   जब छुआछूत तब क्यों पानी
   पीता न हमरे हाथ कोई
   यहाँ छुआछूत भाई,
   कहीं प्रेम मिलत नाहीं भाई-2
3. ले आओ पति को अपने तुम
   घर जाओ गाँव अब झटपट तुम
   हाँ पाँच पति करके भी तुम
   अंधियारे में भटकी हो तुम
4. नहीं बुझती प्यास गुनाहों की
   नहीं सुलझे बात खताओं की
   जीवन जल लेकर आया हूँ
   मैं प्यास बुझाने आया हूँ
5. ईश्वर ना हाथ बने घर में
   रहता है आत्मा में दिल में
   जो खून बहाने आया है
   हाँ ख्रिस्त हमारा आया है
6. चाहे चोर या कातिल ही ना हो
   वेश्या या अधर्मी कोई ना हो
   यीशु प्यार संदेशा लाया है।
   पापिन को बचाने आया है।
   सारा जग मिलकर अब गाये रे
   यीशु की जय ललकारे
   जग ख्रिस्त हमारे आये हाँ-2

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

171.

यीशु के नाम से थर-थर काँपें
भूत भागें अंधियारे में
यीशु के खून की जय ललकारें
बच जायें पापी जो पुकारें

1. क्रूस पर मरने वाले, खून बहाने वाले (2)
   यीशु का नाम श्रेष्ठ नाम है
   यीशु राजाधिराज आज है।
2. मेरी चट्टान मेरा गढ़ मेरी ढाल है (2)
   उद्धार का सींग, शरणस्थान है,
   जीवन दाता यीशु महान है।
3. सब नामों में है ऊँचा, नाम यीशु-यीशु का (2)
   स्वर्ग, पृथ्वी, अधोलोक आयें
   उसके चरणों पर सब झुक जायें
4. दाहिने पिता के स्वर्ग में यीशु विराजा है (2)
   शैतां के सर को उसने कुचला है,
   यीशु का नाम सबसे ऊँचा है।

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

172.

यीशु के पीछे मैं चलने लगा, (3)
न लौटूंगा, न लौटूंगा। यीशु के...

1. गर कोई मेरे साथ न आवे, (3)
   न लौटूंगा, न लौटूंगा। यीशु के...
2. संसार को छोड़कर सलीब को लेकर, (3)
   न लौटूंगा, न लौटूंगा। यीशु के...
3. अगर मैं उसका इन्तज़ार करूं, (3)
   ताज पाऊँगा, ताज पाऊँगा। यीशु के...

◆◆◆◆

173.

यीशु का नाम है सारी ज़मीन पर,
जिससे हम पाते उद्धार

1. वह दुनिया में आया, लहू बहाया,
   फिदिया जहान का दिया
   हम को बचाने मुक्ति दिलाने
   यीशु सलीब पर मुआ
2. आसमान के नीचे लोगों के बीच में
   कोई दूसरा नाम नहीं है,
   सिर्फ यीशु का नाम है,
   सारी ज़मीन पर जिससे हम पाते उद्धार
3. लोगों बाइबल पढ़ो और दुआ करो तुम
   यीशु जल्दी आने वाला है
   जागते रहो और प्रार्थना करो तुम
   यीशु जल्दी आने वाला है
4. जो लाये ईमान अब यीशु नाम पर
   जिन्दा हमेशा रहेगा
   वह ही मार्ग है, वह ही सत्य है
   वह ही अनन्त जीवन है

♦♦♦♦

174.

यीशु का दरबार रे, मोहे
प्यारा लगत है,
दुलारा लगत है (2)

1. तेरे दरबार मसीह कौन-कौन आए?
   धर्मों के भूखे, हज़ार रे,
   हमें प्यारा लगत है।
2. तेरे दरबार मसीह कौन-कौन बैठे?
   पण्डित, मूर्ख, गंवार रे
   हमें प्यार लगत है।
3. तेरे दरबार मसीह, क्या-क्या मिलते है?
   मुक्ति और शान्ति, अपार रे,
   हमें प्यारा लगत है।
4. तेरे दरबार मसीह, हब सब है आये
   बख्शों अपनी पहचान रे,
   हमें प्यारा लगत है !

♦♦♦♦

175.

यीशु ने कलवरी दु:ख क्यों सह लिया
मुझ पापी में क्या देखा था
कोई खूबी न थी कोई खूबी नहीं
मुझमें कोई भी खूबी नहीं

1. प्रेमियों ने तो छोड़ दिया था
   कोई न मेरा था तेरे ही सिवाय -यीशु
2. पांव से न मैं तेरी राह चला
   हाथ से मैं ने न तेरी सेवा की - यीशु
3. नैन से मैंने पाप किया था
   जीभ से मैंने न तेरी महिमा की - यीशु
4. पाप में मर के जी उदास हुआ
   जीना ही मेरा था मौत की तरह -यीशु
5. प्रेम की सन्ती क्या मन देऊं
   सोच सोच मैं उस पांव पर गिरूं - यीशु

(टी.ए. कुरियन)

♦♦♦♦

176.

यीशु तेरा नाम, है कितना सुन्दर
यीशु तेरा नाम, है कितना पावन

1. तुझमें मिली है हमको क्षमा,
   तुझमें मिला है नया जीवन।
2. तुझमें मिली है हमको कृपा,
   तुझसे हुए है हम पावन।

3. तुझमें मिली है हमको शिफा,
तुझमें मिला है अनन्त जीवन।

◆◆◆◆

177.

येशु तेरा नाम सबसे ऊँचा है (2)

1. जिस नाम में है मुक्ति,
जिस नाम में है शक्ति
जिस नाम में है शांति
देता वो नाम चंगाई
जिस नाम में है जिन्दगी,
यीशु है वो नाम
जिस नाम में है बन्दगी,
यीशु है वो नाम
2. बीमारी से गरीबी से,
श्रापों से है छुड़ाता
वो नाम है जो अन्धों को,
रोशनी भी है देता
जिस नाम में है जिन्दगी...
3. जिस नाम में शैतान डरे,
उस नाम की जय-जय करें
जिस नाम से जमाना झुके,
उस नाम को हम सलाम करें
जिस नाम में है जिन्दगी...

178.

यीशु तेरी प्रेम कहानी
गली-गली गाऊँ मैं
यीशु तेरी मीठी वाणी
घर-घर सुनाऊँ मैं (2)

1. भूखों को जीवन रोटी
देने यीशु आये तुम
प्यासों की प्यास बुझाने
जीवन जल लाये तुम–(2)
निर्बलों के हो बलवान
यीशु नाम गाओ रे...
2. अंधों को आँखें देने
यीशु चले आये तुम
कोड़ियों की आहें सुनकर
प्रभु चले आये तुम–(2)
पतितों के पालनहार
यीशु नाम प्यारा रे
3. टूटे दिलों को जोड़े
बंधनों को यीशु तोड़े
कैदियों को दे रिहाई
अंधेरों में ज्योति आई (2)
मरण को जीते आज
मरके बचायो रे
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

179.

यीशु है सच्चा गड़रिया,
उसकी हम भेड़ें हैं
हरी चराइयों में, हमें चराता है

1. घाटी पहाड़ों में ले चलता है, आ..हा..हा.
जहाँ पर सुखदाई जल के झरने हैं, आ..हा..हा..
2. मार्गों में मेरी रक्षा वह करता है, आ..हा..हा..
शैतान के हाथों से हमें बचाता है, आ..हा..हा..
3. हमें किसी का अब तो डर नहीं है,
आ..हा..हा..
क्योंकि यीशु जो मेरा साथी है,
आ...हा...हा...

◆◆◆◆

180.

यीशु है मेरी पनाह, वही है मेरी चट्टान
लंगर मैं डालता उसमें,
जिस वक्त आ घेरते तूफान

1. दुनिया के इस सफर में,
   फिक्रों का होता जब शोर
   यीशु एक ही झिड़की से,
   तोड़ता सब आंधी का जोर
2. दु:ख से जब हूँ परेशान,
   जब जाना चाहता हूँ पार
   तब उसका उम्दा कलाम,
   रोशनी का होता मीनार
3. मुझे है पूरा यकीन,
   पहुंचूँगा एक दिन किनार
   सुनहरे साहिल पर मैं,
   पाऊँगा उसका दीदार

◆◆◆◆

181.

यीशु का नाम सुखदाई, भजन करो भाई
ये जीवन दो दिन का (2)

1. ये जीवन है माटी का पुतला
   पानी लगत धुल जायी, भजन करो भाई
2. ये जीवन है चन्दन की लकड़ी
   आग लगत जल जायी. भजन करो भाई
3. ये जीवन है घास का तिनका
   धूप लगत मुरझाई, भजन करो भाई
4. ये जीवन है कागज़ की पुड़िया
   हवा चलत उड़ जायी, भजन करो भाई।

◆◆◆◆

182.

यीशु का नाम है, सारी जमीन पर,
जिससे पापी पाते उद्धार

1. वह दुनिया में आया, लहू बहाया,
   फिदिया जहान का दिया,
   हम को बचाने, मुक्ति दिलाने,
   यीशु सलीब पर मुआ।
2. आसमान के नीचे, लोगों के बीच में
   कोई दूसरा नाम नहीं है,
   सिर्फ यीशु का नाम है,
   सारी जमीन पर जिससे पापी पाते उद्धार।
3. लोगों बाइबल पढ़ो, और दुआ करो तुम
   यीशु जल्दी आने वाला है।
   जागते रहो और, प्रार्थना करो तुम
   यीशु जल्दी आने वाला है।
4. जो लाये ईमान अब, यीशु के नाम पर
   जिन्दा वो हमेशा रहेगा
   वह ही मार्ग है, वह ही सत्य है
   वह ही अनन्त जीवन है।

◆◆◆◆

183.

यीशु का प्रेम है, जीवन का आधार,
महासागर से भी है गहरा,
जीवन करता पार।

1. प्रेम जगत में आया,
   पाप का बोझ उठाया,
   प्रेम में उसके अमृत जीवन,
   जिससे मिले उद्धार
2. जिसने प्रेम से ये पाया,
   उसमें छल न माया,

दिल की वीणा गूँजे स्वर में,
प्रेम का बजता तार
3. प्रेम कनक और मोती,
नव जीवन की ज्योति,
प्रेम के इन रत्नों से आओ,
अपना करें शृंगार।

◆◆◆◆

184.

यीशु का हाथ-हाथों में लेके
तूफानी लहरों पर मैं चलूँगा
हो चाहे सामने कैसी भी मुश्किल
मैं न डरूँगा, मैं न डरूँगा...

1. राहों में हो काँटे, या हो अन्धेरा
ना कोई साथी अकेला चलूँगा
शैतान के तीर, घायल भी कर दे
मैं न डरूँगा, मैं न डरूँगा
2. मेरे लिए जिसने दी जिन्दगानी
मैं उसकी खिदमत सदा करूँगा
गर जाए जान, उसकी लगन में
मैं न डरूँगा, मैं न डरूँगा।

◆◆◆◆

185.

यीशु के संग संग चलें,
उसी के गुण हम गाएं
वो ही हमारा मुक्तिदाता
उससे प्रीति लगाएं

1. प्रेमी पिता वो है हमारा जग का तारणहारा
दीन दुःखी और लाचारों का वही एक सहारा
ऐसे अनोखे प्रेम को हम
सारे जहाँ को बताएं।
2. पापों से अपने मन को फिराएं
तज के ये जग सारा
देता एक नया जीवन वो प्रभु यीशु हमारा
आओ उसके चरणों में हम
हृदय भेंट चढ़ाएँ।

◆◆◆◆

186.

1. यीशु को मैं सब कुछ देता
सब कुछ करता हूँ कुरबान
जीऊँगा मैं रोज मसीह में
उस पर रखूँगा ईमान।

सब मैं देता हूँ, सब मैं देता हूँ
तुझी को मुबारक मुन्जी,
सब कुछ देता हूँ।

2. यीशु को मैं सब कुछ देता
झुकता तेरे कदमों पर
छोड़ता सारी दुनियादारी
मुझे ले और अपना कर।
3. यीशु को मैं सब कुछ देता
मुझे बिल्कुल अपना कर
दे मकबूलियत की गवाही
हूँ मैं तेरा सरासर।

◆◆◆◆

187.

यीशु ने हमें छुड़ाया है
पापों के जाल से
यीशु ने हमें बचाया है
शैतान की चाल से
तो गाओ हाल्लेलुय्याह-3

1. हमने शांति पाई है, यीशु के नाम से
   हमने पाई है क्षमा मुक्ति श्रापों से (2)
   तो गाओ...
2. अब हम न डरेंगे, यीशु जो साथ है
   शैतान हम लड़ेंगे, यीशु के नाम से (2)
   तो गाओ...
3. शालोम, शांति और सलाम
   लाए हैं आपके नाम
   शालोम, शांति और सलाम
   ये है यीशु का पैगाम।

♦♦♦♦

188.

यीशु मेरा हाथ न छोड़ेगा (2)

बड़ी आन्धी आने से, बड़ा तूफान आने से
यीशु मेरा हाथ न छोड़ेगा
मैं भी उसका हाथ न छोडूँगा
बड़ी आन्धी आने से, बड़ा तूफान आने से
यीशु मेरा हाथ न छोड़ेगा
मेरा दिया जलता रहेगा।
बड़ी आन्धी आने से, बड़ा तूफान आने से
यीशु मेरा हाथ न छोड़ेगा।

♦♦♦♦

189.

यीशु रखना हमें, साये में अपना सदा।
हमें बचाना, प्रभु बचाना सारे गुनाहों से।

1. शैतान की ये राहें, मुझको बहकाती हैं।
   उसकी जो बातें हैं, मुझको सताती हैं।
   मुझको न दूर कर मेरे मसीहा अपनी
   निगाहों से।
2. थामो ये मेरा हाथ, छोड़ो ना मेरा साथ
   हारा हुआ हूँ मैं, सुन लो ये मेरी बात।

♦♦♦♦

190.

यीशु राजा मुक्तिदाता
जीवन की आशा
पास आओ, मुक्ति पाओ
वो सबको है बुलाता।।

1. हम हैं निर्बल प्राणी लेकिन
   वो ही हमारा बल है
   वो ही हमारा उद्धारकर्ता
   वो ही जीवन जल है।।
2. भूखों की वो, भूख मिटाता
   प्यासों की, प्यास बुझाता
   भटके हुओं को राह दिखाता
   नया जीवन वो देता।।
3. छोड़ दिया उसने, स्वर्ग अपना
   धरती पर वो आया
   मेरे उद्धार के लिए उसने
   अपना लहू बहाया।।

♦♦♦♦

191.

यीशु बुला रहा है,
आवाज़ दे रहा है
मुझको न रोको लोगो,
मैने मन बना लिया है।

1. ये सब शरीर बंधन
   लालच लोभ और धन-2
   मुझे रोक न सकेंगे
   प्रभु ने बुला लिया है।

2. ये चार दिन का मेला
मुझको न रोक लेगा-2
चलता रहूँगा पीछे
यीशु बुला रहा है
3. मेरे दोस्त दुनिया दुश्मन
संसार-मान-प्रियजन
मुझे मोड़ न सकेंगे
मैं चला हूँ पाके दर्शन
4. अब क्रूस ही निशा हैं
कलवरी पथ यहाँ है
काश जान में भी दे दूँ
उसने भी ये किया है
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

192.

यीशु लियो तेरो नाम (4)
जिसने लियो, तेरो नाम प्रभु
पाये वो उसी में मुकाम।

1. सुख चैन मिलता है,
गम दूर होते हैं
मिटती है सारी परेशानियाँ
हर सांस पर नाम लिखते हैं तेरा
तू करता है उन पर मेहरबानियाँ
उजड़े मुक्कदर संवर जाते हैं
कदमों में मोती बिखर जाते हैं
श्रद्धा से जो तेरे दर आते हैं
बिगड़े बने सारे काम (2)
यीशु लियो...
2. लेते हैं दिल से जो नाम तेरा
वो तेरी कृपा से भर जाते हैं
होती है पूरी तमन्ना उनकी
हर वक्त तेरे ये गुण गाते हैं
धड़कन मेरी मुझ से कहने लगी
अर्पित करूँ अपनी ये जिन्दगी
करता रहूँ आपकी बन्दगी
दिल को मिले विश्राम (2)।
यीशु लियो....

◆◆◆◆

193.

यीशु नाम में उद्धार हमको,
हालेल्लुय्याह
प्रभु यीशु नाम में अनन्त जीवन,
हालेल्लुय्याह

1. राजाओं का राजा यीशु, हालेल्लुय्याह
प्रभुओं का प्रभु यीशु, हालेल्लुय्याह...
2. चंगा करने वाला यीशु, हालेल्लुय्याह
छुटकारा देने वाला यीशु, हालेल्लुय्याह
3. अद्‌भुत करने वाला यीशु, हालेल्लुय्याह
शान्ति देने वाला यीशु, हालेल्लुय्याह
4. मुक्ति का है मार्ग यीशु, हालेल्लुय्याह
स्वर्ग का है द्वार यीशु, हालेल्लुय्याह

◆◆◆◆

194.

यीशु सलीब पर मुआ
तेरे लिए मेरे लिए
कैसे महान दु:ख सहा
तेरे लिए मेरे लिए

1. नदिया वह कैसी खून की,
ख्रीष्ट के लहू से बह गई
धुल गए पाप मिट गए दाग,
यीशु ख्रीष्ट के लहू से।

2. मारा गया था क्रूस पर,
छेदा गया था क्रूस पर
मैं भी बचा और तुम भी बचो,
यहोवा की सजाओं से।
3. धो डालो आज पापों को
दिल से मिटा लो दागों को
हो जाओ साफ तन मन से, आज
यीशु ख्रीष्ट के लहू से।

◆◆◆◆

195.

यीशु मसीह पैदा हो गए,
चौबीसा की रात-2
आ हा.....

झीलम का बिच भयो, झीलम का बिच-2
यीशु मसीह पैदा हो गए, चरनी को बिच-2
आ हा.....
खाई जालो भात भायो, खाई जालो भात-2
यीशु मसीह पैदा हो गए, चौबीसा की रात-2
आ हा.....
बाजी जालो, बाजा भायो, बाजी जालो बाजा-2
यीशु मसीह पैदा हो गए, उद्धार को राजा-2
आ हा.....

◆◆◆◆

196.

यीशु ने अपना खून बहाके
मुझे बचा लिया
क्यों न मैं गाऊँगा गीत उसी के,
मुझे बचा लिया...

1. जब मैं गुनाहों में पड़ा हुआ था
यीशु आ गया,
उसी के मारे जाने से मैं
जीवन भी पा गया,
इसलिए गाऊँगा गुण उसी के,
मुझे बचा लिया।
2. मेरे गुनाहों का बोझ उठाकर
क्या-क्या न उसने सहा?
मेरे गुनाहों को माफ कराने
खून भी उसका बहा,
कितना अनोखा है प्यार मसीह का
मुझे बचा लिया।
3. सेवा करेंगे प्यारे प्रभु की
जैसा कि उसने कहा,
मर भी मिटेंगे प्यारे प्रभु में
जैसा कि उसने सहा,
हरदम हम गाएँगे गीत उसी के,
हमें बचा लिया।

◆◆◆◆

197.

यीशु बुलाता तुम्हें (2)
बड़ी चाहत से तुमको,
बांहों में लेने,
यीशु बुलाता तुम्हें (2)।

1. दु:ख की गहराइयों में,
देगा शान्ति तुम्हें,
सोच समझकर उसे निहारो,
आनन्द अनोखा देगा तुम्हें।
2. आँसू मिटाकर तेरे,
रक्षा करेगा तेरी,
अपनी आँखों की पुतली जैसे,
वह सच्ची सुरक्षा देगा तुम्हें।

3. गर तेरा दिल दुखित हो,
वह शान्ति देगा तुम्हें,
यीशु तेरी मुक्ति और रोशनी है,
संकोच मिटाकर आओ अभी।

4. हर रोग मिटाने की,
शक्ति है उसी के पास,
बिना किसी भेद के तैयार है उद्धारक,
अपनी दया से प्यार करने को।

◆◆◆◆

198.

यीशु मसीह दिलावर है
शैतान से जोरावर है
उसके जोर से जीतेंगे, हम जीतेंगे
हम हारेंगे न शैतान से हम जीतेंगे।

1. फौज हमारी थोड़ी है,
पर हममें दिलेरी है

2. रूह-ऊल-कुद्दस की तेज तलवार
खाली नहीं जिसका वार

3. शाह हमारा यीशु है,
जिसके खून में कुदरत है।

◆◆◆◆

199.

यीशु मसीह, तेरे जैसा है कोई नहीं
तेरे चरणों में झुके आसमां,
और महिमा गाये जमीं
हम गायें होसन्ना, तू राजाओं का है राजा
तेरी महिमा होवे सदा,
तू है प्रभु हमारा खुदा (2)

1. प्यारे पिता, तूने हमसे
कितना प्यार किया
हमें पापों से छुड़ाने को
अपने बेटे को कुर्बान किया (2)

◆◆◆◆

200.

यहोवा चरवाहा मेरा,
कोई घटी मुझे नहीं है
हरी चराइयों में मुझे स्नेह
से चराता वह है

1. मृत्यु की वादी से, जब मुझे जाना हो
प्रभु मेरे साथ है सदा, मुझे कोई भय नहीं है
2. शत्रुओं के सामने, मेज़ वह बिछाता है
सिर पर वह तेल मलता है,
अभिषेक मुझे करता है।।
3. करुणा भलाई मेरे, जीवन भर साथ रहेगी
प्रभु के भवन में सदा, स्तुति की ध्वनि रहेगी।

◆◆◆◆

201.

यहोवा जिन्दा खुदा, वह हमारा बादशाह
जो मसीह में मुजस्सम हुआ, यहोवा

1. यहोवा शाम्मा भी तू,
जो रहता साथ-साथ-2
यहोवा राफा भी तू,
मेरा चौपान साथ-साथ
जो भी मांगेंगे, वही मिल जाएगा
जो भी ढूँढ़ेंगे वही पायेंगे
खटखटाए तो खुल जाएगा यहोवा-3
2. ऐ पाक यहोवा निस्सी,
तू झंडा कौम का-2

ऐ पाक यहोवा राफा, तू शाफी कौम का
तेरे पीछे चले और शक न करे
बल्कि रखे ईमान, है मसीह मेहरबान
जो भी चाहे हो जाएगा यहोवा-3

3. तू है यहोवा यिरै, जो मुहैया करता है-2
तू है यहोवा शालोम जो तसल्ली देता है
तूने बेटा दिया, सबको माफ किया
नया जन्म दिया, रूह से भर दिया
आज शैतान झुक जाएगा यहोवा-3

◆◆◆◆

202.

यादें जब सताए, यीशु को याद करना
ख्वाहिशें जब रूलाऐं-2
यीशु को याद करना...करना...करना।

1. सूली उठाना अपनी, यीशु के पीछे चलना-2
रूहे खुदा से कहना, मुझको संभाले रखना
जब सांस घुट के आए...यीशु को याद करना।

2. हर एक गुनाह को अपने, यीशु के खून से धोना-2
खामोश बैठ जाना, परस्तिश खुदा की करना
जब पैर लड़खड़ाएं...यीशु को याद करना।

3. साथी और खुदा भी, और है वो सच्चा भाई-2
वो साथ है हमेशा, जिसने है जान लुटाई
जब अपने छोड़ जायें...यीशु को याद करना।

◆◆◆◆

203.

यात्री हूँ मैं जग में प्रभु जी,
चलता हूँ मार्ग मैं तेरा
वह निशान तू यीशु जी,
बंदरगाह तू मेरा।

1. सोचा था मैं यह जग मेरा,
खेस कुटुम्ब सब है प्यारा,
धोखा सब! कोई न सहारा,
व्यर्थ ही व्यर्थ है सारा।

2. धन दौलत सब मान और इज्जत,
यहीं रहेगा जल जाएगा,
यह जगत! पाप से जो भरा,
श्राप ही श्राप है सारा।

3. ऐसा कर प्रभु अन्त मैं जानूँ,
और जानूँ मेरी आयु के दिन को,
अब बता! कैसा अनित्य हूँ,
खेदित हूँ मैं पूरा।

4. जान गया मैं उस दिन प्रभु जी,
बदला जीवन लोहू से मेरा,
बड़ा आनन्द! तूने कहा था,
पाप क्षमा हुआ मेरा।

5. इस जग में अब मैं हूँ मुसाफिर,
क्रूस उठा कर चलता रहूँगा,
पाया मैं! अनमोल धन को,
है जो यीशु से भरा।

6. आँख जब मेरी बन्द हो जाए,
यात्रा मेरी पूरी हो जाए,
पहुँचूं मैं! स्वर्गीय वतन में,
यह है गीत अब मेरा।

◆◆◆◆

204.

रक्तम जयम-रक्तम जयम (2)
रक्तम जयम (3)

1. यीशु मेरा चरवाहा है (2)
यीशु मेरा चरवाहा है, बोलो है न.... हाँ

2. मेरी शरण यीशु ही है (2)
3. जीवन की रोटी यीशु ही है (2)
4. जीवन का जल यीशु ही है (2)

◆◆◆◆

205.

राजाधिराज महिमा के साथ
आ रहा है मेघों पर होकर सवार

1. मुसीबत निन्दा, दु:खों का सिलसिला
   खतम होने का समय आ गया (2)
2. मेरे प्रिय का, जलाली चेहरा
   देखने का अब समय आ गया (2)
3. सब दु:खों से परे, अनन्त वास में
   ले जाने के लिये, वो आ रहा है (2)
4. अपने प्रिय के साथ, करने सदा का वास
   हम जाने वाले हैं, रहें हर पल तैयार (2)

◆◆◆◆

206.

राजाओं का राजा यीशु राजा,
जगत में राज करेगा
हालेल्लुय्याह, हालेल्लुय्याह
उसका धन्यवाद करो

1. यहोवा का धन्यवाद करो,
   क्योंकि वह भला है,
   उसकी करुणा सदा की है
   धन्यवाद करो।
2. जो ईश्वरों का परमेश्वर है,
   उसका धन्यवाद करो,
   उसकी करुणा सदा की है,
   धन्यवाद करो।
3. जो प्रभुओं का प्रभु है,
   उसका धन्यवाद करो,
   उसकी करुणा सदा की है,
   धन्यवाद करो।
4. उसको छोड़ कोई बड़े-बड़े
   आश्चर्य कर्म नहीं करता,
   उसकी करुणा सदा की है,
   धन्यवाद करो।
5. उसने अपनी बुद्धि से,
   आकाश बनाया
   उसकी करुणा सदा की है,
   धन्यवाद करो।

◆◆◆◆

207.

राजा यीशु आये हैं सब मिलके गाएँगे
ताली बजाएँगे,
खुशियाँ मनाओ (2)
चिंता छोड़ो स्तुति गाओ

1. तुम माँगो तो सुनेगा
   कमी घटी को पूरा करेगा (2)
   मन से बुलाने वालों के (2)
   दिल में आएगा
2. करुणा में अव्वल है
   माफी में कामिल है (2)
   पास तेरे रहता है वो (2)
   तू भी पास आ
3. आँसुओं को पोंछेगा
   हाथों को थामेगा (2)
   दिल की सारी हसरत को (2)
   पूरी करेगा
4. निर्बल को बल देगा
   रोगी को छू लेगा (2)
   शैतान भी काँपेगा (2)
   यीशु के सामने।

◆◆◆◆

208.

रब्ब की होवे सन्ना हमेशा,
रब्ब की होवे सन्ना

1. रब्ब की होवे मदहसराई
   उस के नाम की सन्ना
2. रब्ब के घर में होवे सिताईश
   उसकी हम्द ओ सन्ना
3. कामों में है वह कैसा कादिर
   उसकी कुदरत बता
4. जय के जोर से फूंको नरसिंगे,
   बरबत बीन बजा
5. तारदार साजों पे रागिनी छेड़ो
   ढफ और तबला बजा
6. बांसुरी पर सुना सुरें सुरीली
   झन-झन झांझ बजा
7. सारे मिलकर ताली बजाओ
   गाओ रब्ब की सन्ना

◆◆◆◆

209.

रब्ब खुदावन्द बादशाह है
वह जलाल का बादशाह है

1. ऊँचे करो सिर दरवाजों
   ऊँचे हो सब द्वारों
   जहाँ जलाल का बादशाह आवे
   सिर तब ऊँचे करो
2. यह जलाल का बादशाह कौन है?
   कौन बादशाह कमाल का
   रब्ब जो जंग में जोरावर
   वह बादशाह जलाल का
3. ऊँचे करो सिर दरवाजों
   ऊँचे हो सब द्वारों
   जहाँ जलाल का बादशाह बैठे
   सिर तब ऊँचे करो
4. यह जलाल का बादशाह कौन है?
   कौन बादशाह कमाल का
   लश्करों का रब्ब खुदावन्द
   वह बादशाह जलाल का।

◆◆◆◆

210.

रहनुमाई जिस तरह प्रभु ने की
जब करता हूँ उस पर ध्यान
बहती आँखों से आंसुओं की धार
दिल में भरता स्तुति धन्यवाद-2

1. जीवन की राहों में
   जब लगा अकेला हूँ मैं-2
   हिम्मत दी मुझे अपने वचनों से-2
2. कष्टों और मुसीबतों में
   मन हुआ जब मेरा निराश-2
   लेके बाहों में शांति दी मुझे-2
3. मेरे परम मित्रों के बीच
   मुझ पर डाला आनंद का तेल-2
   शत्रुओं के बीच उठाया मेरा सिर-2

◆◆◆◆

211.

रूहे पाक खुदावंद आ तू आ
जान जिस्म और रूह में तू बस जा
आ...आ...आ... रूह आ
रूह...तू आ...(2)
रूह आ (2)

1. रूह के शोले लपक-लपक जब आते हैं
   बंधन सारे टूट के गिरते जाते हैं (2)

2. रूह की सूरत में यीशु जब आएगा
तहस नहस होगा शैतान झुक जाएगा (2)
3. बारिश होगी रूहे पाक के बादल से
धुल जायेंगे मैल दिलों के अंदर से। (2)

◆◆◆◆

212.

लाखों हज़ार ज़ुबानो के साथ,
वर्णन ना कर पाऊं तेरे प्रेम का-2,
मेरे प्रभु यीशु मसीह,
करलो कबूल ये आराधना

1. याद करूँ जब घायल बदन को,
कोड़ों की मार और कांटे जखम को-2,
तब आये होठों पे गीत ये मेरे,
लाखों हजार.....

2. याद करूँ जब तेरे वचन को,
मेरे पिता इन्हें क्षमा करो-2,
तब आये होठों पे गीत ये मेरे,
लाखों हजार.....

3. याद करूँ जब तेरे लुटने को,
काठ पर कीलों से लटके बदन को-2,
तब आये होठों पे गीत ये मेरे,
लाखों हजार.....

4. याद करूँ जब क्रूस मरण को,
तेरे पवित्र और पावन लहू को-2,
तब आये होठों पे गीत ये मेरे,
लाखों हजार.....
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

213.

लहू बहाने वाले यीशु, तेरी जयजयकार हो
पाक रूह बरसाने वाले, शत् शत् तुझे प्रणाम हो
लहू बहाने वाले यीशु, तेरी जय जयकार हो
जीवन-जल बरसाने वाले,
यीशु तुझे प्रणाम हो
1. भेड़ तरह भटके हम खोये, ढूँढन प्रभु तुम आये
काँधे पर बैठाकर घर तुम,
हम पापिन को लाये-2
खुशखबरी तुम लाये..... लहू
2. लहूलुहान ज़ख्म के मारे, हम राही घबराये
तब यीशु तुम मरहम करने,
तेल दाखरस लाये-2
खुशखबरी तुम लाये..... लहू
3. दुश्मन जब हम, पावन प्रभु
तुम, पास हमारे आये
रक्तदान बलिदान प्राण कर,
जीवन हमें दिलाये-2
खुशखबरी तुम लाये..... लहू
4. स्वर्गपिता परमेश्वर की तुम,
प्रेम कथा ले आये
खोये हुओं को घर ले जाने, तुम प्रभुवर जग आये-2
खुशखबरी तुम लाये..... लहू
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

214.

वन्दे प्रभु, वन्दे मसीह,
शत् शत् वन्दना वन्दे मसीह
1. इस शुभ दिन हम अपने को,
चरणों में तेरे लाते हैं,

इस शुभ घड़ी दोहराते हैं,
तेरे ही मधुर वचन को।।
2. अर्पण करते हैं इस जीवन को,
वचनामृत दे शरणागत को,
अपने में कर ले पूर्ण प्रभु,
धन्य मसीह, धन्य प्रभु।।

◆◆◆◆

215.

वन्दना करते हैं हम, (2)
हृदय को तेरे सामने,
लाकर रखते हैं हम,
वन्दना करते हैं हम।

1. हृदय में मेरे मसीहा,
जीवन दीप जलाओ,
हृदय के पापों को धोकर,
प्रेम की राह दिखाओ।
2. मैं हूँ निर्बल मानव,
पापों के सागर में खोया,
अब तुम सम्भालो यीशु जी,
भवसागर में हूँ खोया।
3. शक्ति दे दो मुझको,
मेरा नहीं कोई मीत,
जीवन को मेरे ले ले,
गाऊँ मैं तेरे ही गीत।

◆◆◆◆

216.

वो प्रभु है, वो प्रभु है
मुर्दों से जी उठा, वो प्रभु है।
हर एक घुटना टिकेगा
हर जुबान मानेगी
कि यीशु ही प्रभु है।

◆◆◆◆

217.

सर नवाते हैं हम, ख्रिस्त आते हैं हम
तेरे चरणों पर मस्तक, टिकाते हैं हम (2)

1. उसने पापों को मेरे क्षमा कर दिया
मेरे दामन के छीटों को भी धो दिया
2. उसने प्यासे को जीवन का जल दे दिया
और भूखों को जीवन की रोटी खिला
3. उसने बोला डरो मत, जहाँ में कभी
मैंने पा ली है, खुद ही जगत पर फ़तह
4. उसने क्रूस पर न्याय हमारा किया
अपने ही खून से कर दी कीमत अदा
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

218.

सबसे ऊँचा...
सबसे ऊँचा सबसे प्यारा यीशु
का वो नाम रे
स्वर्गलोक, संसार में,
अधोलोक पाताल में–2

1. भूत प्रेत सब थरथर काँपे
सुन यीशु का नाम रे
सब घबरायें डर-डर भागें
यीशु के शुभनाम से
सबसे ऊँचा...
2. राजे-राज और सब नर नारी
महिमा उसकी जान के
चरण-कमल पर सब रख जायें
हर वैभव और शान रे
सबसे ऊँचा...

3. यीशु नाम जय ख्रिस्त नाम
राजाधिराज वो नाम रे
पाप हरण सब जीवन पायें
यीशु के बलिदान से
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

219.

संकट के दिन गाऊंगा
यीशु नाम पुकारूँगा,
सर्वशक्तिमान परमेश्वर मेरा गढ़ होगा

1. लाल समुन्दर की लहरें अब
मुझको डरा ना पाएंगी–2
दिन में बादल रात में अग्नि
मुझको घर पहुँचायेगी–2
2. भूख और प्यास जहाँ में
मुझको फिर ना थकाने पाएगी–2
स्वर्ग से रोटी खाएं हर दिन
जीवन जल का पानी भी–2
3. दुश्मन के घोड़े रथ मुझको,
नहीं हराने पायेंगे–2
ऊंची दीवार यरीहो की हो,
यीशुजी ही गिराएंगे–2
4. कोई पहाड़ ही क्यों ना अब हो,
कर विश्वास उखाड़ेंगे–2
प्रभु का नाम लिए हम
मुंह पर आगे बढ़ते जायेंगे–2
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

220.

1. शून्य से लेके तूने मुझे
रच लिया अपने ही रूप में
प्रेम किया हे अनन्त प्रेम से
दिया पुत्र मेरी मुक्ति के लिए
अनोखा प्यार है तेरा
करूँगा स्तुति तेरी मैं सर्वदा
2. जग में आया यीशु स्वर्ग छोड़ के
मेरा सारा दण्ड सह लिया उसने
कोड़े खाके, क्रूस उठाके यीशु ने
मुझे मुक्ति और चंगाई दे दी है
3. अन्न वस्त्र और सभी आशिषें
दी मुझे उसने भरपूरी से
खतरों और सब मुसीबतों से
आँख की पुतली, जैसे सम्भाला मुझे।

◆◆◆◆

221.

सब मिलकर गायेंगे महिमा यीशु की हम
नाचेंगे गायेंगे स्तुति करें हर दम–2

1. क्रूस को रख निशां, बढ़ते हम जायेंगे,
दु:ख या संकट क्यों ना,
विजयी हो जायेंगे–2
2. यीशु ही मंजिल है, राह सकरी भी है,
डर भी लागे चाहे, हमको वो थामे है–2
3. जीना या मरना अब, यीशु के कदमों पर,
उस पर कुरबां कर दें, अपना है
जो सब कुछ–2
4. अब तो आ जाओ तुम, प्राण प्रिय यीशु तुम,
हमको घर ले जाओ, साथ में अपने तुम–2
(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

222.

साष्टांग प्रणाम हम करते हैं
राजा प्रभु यीशु को,
तन मन धन अर्पण करते हैं
आये हैं दर्शन को

1. तुम खाए कोड़े लहू लुहान,
   कांटे सिर ले हुए महिमावान-2
   गिरते थे क्रूस के भार से तुम,
   मेरे पाप का बोझ उठाये तुम
2. तुम मुँह ना खोले निंदा सुन,
   खाते थे मार जनों कि तुम-2
   कपड़े फाड़े थूके तुझ पर,
   मुक्ति लाये तुम धरती पर
3. तुम क्रूस विराजे थे प्रभुवर,
   दे प्राण अदा किये मेरे कर्ज-2
   कैसे ये प्रेम को जानू मैं,
   युग युग गुणगान ही गाऊं मैं
4. तुम खून बहा कर पाप क्षमा,
   बैठे दाहिने सर्व शक्तिमान-2
   आदि वा अनन्त हो तुम ही प्रभु,
   परमेश्वर ख्रिस्त प्रभु यीशु

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

223.

सिय्योन देश हमारा है देश
रहते हैं हम परदेश,
जाएंगे हम अपने देश,
हल्लिलुय्याह (4)

1. दिल न लगायें यहाँ जाना है हमको वहाँ (2)
   हमारा दूल्हा यीशु मसीह है (2)
   सत्य और जीवन मार्ग वही है (2)
2. दु:ख जो हमारे यहाँ न होंगे फिर वहाँ (2)
   यहाँ के दुखों का अन्त होगा (2)
   वहाँ के सुखों का अन्त न होगा (2)
3. आयेगा यीशु यहाँ ले जाएगा हमको वहाँ (2)
   वायदा यीशु का पूरा होगा (2)
   अनन्त जीवन हमको मिलेगा (2)

◆◆◆◆

224.

सिय्योन के सफर में
मेरे मन व्याकुल न होना कभी
अब्राहम का प्रभु, इसहाक का प्रभु
याकूब का प्रभु, मेरे साथ है सदा।

1. मुझे अब किसी बात की,
   कोई चिन्ता डर नहीं
   जीवन की रोटी देके
   वो चलाता कुशल से मुझे।
2. दुनिया की नजरों में मैं
   भले मूर्ख ही गिना जाऊँ
   लेकिन प्रभु की नजरों में मैं
   सर्वश्रेष्ठ ही गिना जाऊँ
3. किसी मनुष्य पर आश्रय नहीं,
   अब मेरा निश्चय यही
   मेरा आसरा केवल यीशु ही,
   वो सनातन शरण मेरी।

◆◆◆◆

225.

स्तुति हो यीशु तेरी,
हल्लेलूयाह स्तुति हो यीशु तेरी। (2)
स्तुति हो तेरी कि तूने बचाया,
और किया है हमको बरी (2)

1. जमा हुए हैं हम अब,
हल्लेलूयाह गाते हैं मिलकर हम सब (2)
तू ही हमारा है त्राता और दाता,
और तू ही हमारा है सब (2)
2. कीच से निकाला हमको,
हल्लेलूयाह किया है तू ने आज़ाद (2)
स्तुति अब गायें हम सब क्यों ने तेरी,
और हो जायें तेरे हम दास (2)
3. सारे फरिश्ते एक साथ,
हल्लेलूयाह गाते हैं मिलकर हरदम (2)
स्तुति वे करते हैं तेरी हमेशा,
और करते नहीं हैं विश्राम (2)
4. जायेंगे जब हम आसमान,
हल्लेलूयाह गायेंगे मिलकर हरदम (2)
बरबत बजाके आवाजें मिलाके,
हम गायेंगे सुबह और शाम (2)

◆◆◆◆

226.

स्तुति आराधना ऊपर जाती है
आशीषें देखो नीचे आती हैं
प्रभु हमारा कितना महान्
देखो वो हमसे करता है प्यार (2)
हालेलू, हाल्लेलुय्याह (2)

◆◆◆◆

227.

स्तुति करो प्रशंसा करो
यहोवा की स्तुति करो,
यहोवा के मकदिस में - 2
उसकी स्तुति करो
करिश्मा से भर तू, उसके फलख पर - 2
यहोवा की स्तुति करो
1. नरसिंगे की गूँज पर सारंगी सितार पर
स्तुति करो उसकी स्तुति करो
डफली बजाते, नाचते और गाते स्तुति करो
उसकी स्तुति करो
तार वाले साज और बाँसुरी बजा के -2
यहोवा की स्तुति करो
2. बुलंद आवाज की झाँझ बजा के - 2
उसकी स्तुति करो
झनझनाती झाँझ को, बजाते और गाते
स्तुति करो उसकी स्तुति करो
जितने हो प्राणी आओ सब गाओ - 2
यहोवा की स्तुति करो।

◆◆◆◆

228.

1. स्वर्गीय आशीष दे (2)
स्वर्ग को तू खोल हाथ अपना बढ़ा
स्वर्गीय आशीष दे।
2. आत्मा की चंगाई दे (2)
आत्मा पवित्र शुद्ध कर चरित्र
आत्मा की चंगाई दे।
3. यीशु मेरे दिल में आ (2)
खोलता हूँ द्वार करता इकरार
यीशु मेरे दिल में आ।
4. पवित्र आत्मा तू दे (2)
भर दे मुझे सामर्थ से
पवित्र आत्मा तू दे।
5. हमको ग्रहण कर प्रभु (2)
जैसे भी हैं हम हैं तेरे
हमको ग्रहण कर प्रभु।

◆◆◆◆

229.

स्वर्गीय पिता हम आते हैं
प्रार्थना में सर को झुकाते हैं
पवित्र माना जाये नाम
राज्य तुम्हारा आये आज

1 मर्ज़ी तुम्हारी स्वर्ग में जैसे
पृथ्वी पर भी हो वैसे
रोटी हमें दिन भर की दो
आज की ज़रूरत पूरी हो-

2. हम पापिन को करते क्षमा
वैसे ही तुम हमें क्षमा करो
परीक्षा में न लाओ हमें
बुराई से बचालो हमें...

3. पराक्रमी तुम प्रेमी पिता
राज्य और धर्म तुम्हारा सदा
महिमा, आदर, आराधना
होवे तेरी परम पिता

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

230.

शांति का राजा आ रहा है
उसकी जय-जयकार
उसकी जय-जयकार
राजाओं के राजा यीशु मसीह की
होवे जय-जयकार,
होवे जय-जयकार।

1. बालक उसका स्वागत करते,
राह में अपने कपड़े बिछाते,
इतना गहरा प्यार दिखाते,
मानो अपने दिल है बिछाते,
ऊँचे स्वर में दिल से कहते,
उसकी जय-जयकार,
उसकी जय-जयकार।

2. होसन्ना के नारे उनके,
सारे आकाश में गूँज रहे हैं,
श्रद्धा, भक्ति और खुशी से,
दिल भी उनके झूम रहे हैं,
दाऊद वंशी यीशु मसीह है
उसकी जय-जयकार,
उसकी जय-जयकार।

3. सुनने वालों आज दिलों को
सामने उसके अर्पण कर दो,
खाली दिलों को अर्पण कर के,
उसकी महिमा का दर्शन कर लो,
साथ हमारे आवाज मिला दो
उसकी जय-जयकार,
उसकी जय-जयकार।

◆◆◆◆

231.

1. सारी सृष्टि के मालिक तुम्हीं हो,
सारी सृष्टि के रक्षक तुम्हीं हो
करते हैं तुझको सादर प्रणाम
गाते हैं तेरे ही गुण गान
हा...हा...हलिल्लूयाह आमीन (3)

2. सारी सृष्टि को तेरा सहारा
सारे संकट से हमको बचाना
तेरे हाथों में जीवन हमारा है
अपनी राह पर हम को चलाना
हा...हा...हलिल्लूयाह आमीन (3)

3. हम हैं तेरे हाथों की रचना
हम पर रहे तेरी करुणा

तन मन धन हमारा तेरा है
इन्हें शैतान को छूने ना देना
हा...हा...हलिल्लूयाह आमीन (3)

4. अब दूर नहीं है किनारा
धीरज को हमारे बढ़ाना
जीवन की हमारी इस नैय्या को
भव सागर में खोने न देना
हा...हा...हलिल्लूयाह आमीन (3)

◆◆◆◆

232.

सहारा मुझको चाहिये
सहारा दे मुझे खुदा
मुझे सम्भाल मैं गिरा
मुझे सम्भाल मैं गिरा।

1. ये बोझ जो गुनाहों का
मैं ले के आज चल रहा (2)
उठायेगा अगर कोई,
वो तू ही है ऐ खुदा।
मुझे सम्भाल मैं गिरा...
2. कठिन हैं रास्ते बहुत,
हर एक मोड़ पर खतरा (2)
अंधेरे सायों को हटा,
दिखा दे मुझ को अब सहर।
मुझे सम्भाल मैं गिरा...
3. जहाँ के रास्तों पे मैं,
अकेले चल ना पाऊँगा (2)
अगर जो चलना चाहूँ भी,
फिसल के गिर मैं जाऊँगा।
मुझे सम्भाल मैं गिरा...

◆◆◆◆

233.

सुन लो मेरे भाईयों मसीहा मेरा
दुनिया में आया।

1. दुनिया में आया, मुक्ति को लाया (2),
पापिन को आन बचाया बचाने यीशु
दुनिया में आया।
2. स्वर्गीय पिता का एकलौता बेटा (2)
आदम का पुत्र कहलाया
कहलाने यीशु दुनिया में आया
3. अंधों को आँखें, गूँगों को बोली (2),
बहरों को शब्द सुनाया, सुनाने यीशु
दुनिया में आया।
4. कोढ़ी अपाहिज, चंगे किये हैं (2),
मुर्दों को क्षण में जिलाया, जिलाने यीशु
दुनिया में आया।
5. जब हम गुनाह में, पड़े हुए थे (2),
अद्‌भुत प्रेम दिखाया, दिखाने यीशु
दुनिया में आया।
6. दुनिया की खातिर, क्रूस पर चढ़के (2),
अपना ही रक्त बहाया, बहाने यीशु
दुनिया में आया।
7. जो कोई उस पर विश्वास लाया (2),
उसको मसीह ने बचाया, बचाने यीशु
दुनिया में आया।
8. धन्य, धन्य यीशु, स्वामी हमारे (2),
हमको पिता से मिलाया, मिलाने यीशु
दुनिया में आया।

◆◆◆◆

234.

सम्भालने वाला प्रभु मैं हूँ
व्याकुल क्यों होते हो
आंसुओं की तराईयों में
तुझे न छोड़ूँ कभी

1. मेरी महिमा को तू देख
   मेरे हाथों में दे तुझे-2
   मेरी सामर्थ तुझे मैं उडेलकर
   तेरे अनुग्रह में चलाऊँगा-2
2. चाहे सभी तुझे भूल जाएं
   क्या मैं तुझे भूलुंगा-2
   अपने हाथों में तुझे रखकर
   इस दुनिया में अगुवाई करूँगा-2
3. अब्राहम का प्रभु मैं हूँ
   अद्‌भुत काम में राह बनाने
   क्या मैं सामर्थी नहीं-2

◆◆◆◆

235.

सुबह सुबह स्तुति बलि
अब्बा पिता, देंगे तुझे
आराधना, स्तुति बलि
अब्बा पिता, देंगे तुझे

1. एबनेजर, एबनेजर
   अब तक संभाला है-एबनेजर-एबनेजर
2. एल-शदाय, एल-शदाय
   सर्व-शक्तिमान
3. एल-रोही, एल-रोही
   मुझ पर तेरी नजर
4. यहोवा-यिरै,
   पूर्ति करता है।

◆◆◆◆

236.

सेनाओं का यहोवा हमारे संग-संग है
याकूब का परमेश्वर हमारा ऊँचा गढ़ है

1. जिसने आकाश बनाया,
   जिसने पृथ्वी बनायी,
   जो सर्वशक्तिमान प्रभु है,
   वो यहोवा हमारे संग-संग है
2. समुंदर को जिसने दो-भागा,
   जगल में मार्ग को निकाला,
   जो वायदे को करता है पूरा
   वो यहोवा हमारे संग-संग है
3. लाजर को जिसने जिलाया,
   जक्कई को जिसने बचाया,
   जिसके लिए सब कुछ संभव,
   वो यहोवा हमारे संग-संग है।

◆◆◆◆

237.

सदा मैं स्तुति करूँगा
सदा मैं सेवा करूँगा
मुझे बचाया प्रभु ने,
सदा मैं स्तुति करूँगा

1. मुझे बचाने आया, जब मैं गुनाहों में था
   स्वर्ग को छोड़कर जगत में आया मुझे
   बचाने को
2. जब मैं निराशा में था, तूने मुझे आशा दी
   जगत में आया जीवन को दिया पवित्र प्रेमी
   यीशु
3. प्रेमी प्रभु यीशु, बचाया तूने मुझे देता हूँ मैं
   सारा जीवन, सम्पूर्ण आनन्द से
4. अनादि परमेश्वर, सच्चाई और जीवन है
   तू स्तुति प्रशंसा करता रहूँगा, तेरे आने समय तक

◆◆◆◆

238.

हृदय भेंट चढ़ाएं प्रभु को,
स्तुति प्रशंसा करें,
हम सब सन्त जन मिलकर

1. पाप का भार उठाने, आया मसीह जग में,
   पापियों के सब पाप मिटाने
   जीवन सनातन दिया
2. संकट क्लेश उठाया,
   नम्र और दीन बनकर,
   द्वार उद्धार का खोला प्रभु जी
   सनातन आशा दी
3. आश्चर्य स्वर्गीय प्रेम, हम पापियों के लिए,
   फिर मत जाना पापी जगत में
   पाप में न फंसकर
4. अर्पण करते है तुझको,
   आत्मा प्राण देह भी,
   रक्षा करो प्रभु इस जीवन की
   बिनती हमारी यही

◆◆◆◆

239.

हो जय जयकार, जय जयकार करें

1. वह है हमारा राजा, दुख संकट से बचाता
   हम पर अपनी करुणा
   करता और करता उपकार
   क्यों न उस पर तन मन वार,
   दें अपना अधिकार
2. स्वर्ग है उसका सिंहासन,
   पृथ्वी बनी है आसन
   आकाश उसकी महिमा बताये
   हस्त कला को दिखाये
   सारी पृथ्वी उसकी रचना,
   उसका ही प्रताप
3. उस पर जिसका भरोसा,
   वह तो कभी न डिगेगा
   चाहे बीमारी चाहे गरीबी,
   चाहे हो अकाल
   सब संकट से सब कष्टों से,
   हो जायेगा पार

◆◆◆◆

240.

होके कुर्बान हर गुनाह से
तूने मुझको है बचाया
हर खुशी मिली तुझ में ऐ मसीह
जब से दिल में तू है आया

1. इस जहाँ की कोई दौलत
   लगती नहीं प्यारी मुझे (2)
   जब से प्यारा प्यारा तेरा नाम
   मेरे होठों पर है आया।
2. क्या कोई रोक सकेगा
   मुझको जाने से तेरे करीब (2)
   जब भी चलती आँधी कोई
   साथ अपने तुझे पाया।।
3. जिन्दगी मेरी मेरे खुदा
   तेरे आने की राह तके (2)
   जल्दी आना संग मैं चलूँ
   तूने जो घर है बनाया।

◆◆◆◆

241.

1. होवेगी बरकत की बारिश,
   वायदा पुर प्यार है सही,
   आवेगी ताज़गी आसमान से,
   भेजेगा जिसको मसीह

बरकत की बारिश, बरकत की बारिश भरपूर,
रहम की बूँदें टपकती, पर बारिश हमको ज़रूर

2. होवेगी बरकत की बारिश,
   होगी नई कूव्वत ज़रूर,
   वादी पहाड़ और मैदान पर,
   जब बारिश होगी भरपूर
3. होवेगी बरकत की बारिश,
   काश अभी पावें हम सब,
   यीशु तू ताज़गी अब बख्श दे,
   वायदे को पूरा कर अब
4. होवेगी बरकत की बारिश,
   भेज उसे अभी हाँ अब,
   मानते गुनाह जब हम अपने,
   दे बारिश यीशु ऐ रब्ब

◆◆◆◆

242.

हे यहोवा, बल मेरे मैं
तुझ पर आस लगाऊँगा
मैं जीवन भर तेरे भवन में
तुझ पर दृष्टि लगाऊँगा

1. जग में कुकर्मी, आयें सताने
   मुझ पर चढ़ाई करने को
   चाहे सेना छावनी डाले
   मैं निश्चिंत निडर होऊँ (2) हे यहोवा
2. मेरे सहायक, मेरे उद्धारक
   मुझ को तुम ही थामों अब
   अपने मार्ग में करो अगुवाई
   चौरस राह पर लाओ तुम (2) हे यहोवा
3. एक ये वर मैं तुझ से माँगूं
   जीवन भर तेरे घर में रहूँ
   तेरी मनोहरता को निहारूँ
   तेरे प्रेम पर ध्यान करूँ (2) हे यहोवा

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

243.

हम से बरनी न जाये,
मसीह तुम्हारी महिमा

1. तुम स्वर्ग छोड़कर आये,
   तुम मुक्ति पदारथ लाए,
   कि पापी लिए बचाये, मसीह तुम्हारी....
2. अन्धों को आँखें दीना, कोढ़िन को चंगा कीना,
   कि मुर्दे दिये जिलाय, मसीह तुम्हारी....
3. पानी पर चल दिखलाया,
   तूने हवा को डाँट थमाया,
   कि चेले लिए बचाय, मसीह तुम्हारी....
4. मेरे पाप क्षमा सब कीना,
   मेरे दिल में दर्शन दीना,
   कि प्रभु से दिया मिलाय, मसीह तुम्हारी....
5. सूली पर बरछी खाई,
   तूने अमृत धार बहाई,
   कि दास सदा गुन गाए, मसीह तुम्हारी....

◆◆◆◆

244.

हम जायेंगे, हम जायेंगे
अपना इन्कार कर, क्रूस उठाकर,
यीशु के पीछे पीछे स्वर्ग जायेंगे

1. आंसू हमारे वो पोंछेगा,
   आनंद ही आनंद वहाँ मिलेगा,-2
   जीवन के फल से हम खायेंगे,
   हम सब वहाँ अमर हो जायेंगे-2
2. दुनिया के माया मोह छूटेंगे,
   शैतां के बंधन सारे टूटेंगे-2
   बलिहारी यीशु प्रभु आयेंगे,
   युग युग हम गाते चले जायेंगे-2
3. दुनियां के लोगो सुनो खुशखबरी,
   यीशु ने पापों से दी है मुक्ति-2
   कर लो भरोसा आज यीशु पर,
   पालो उद्धार हो जाओ अमर-2

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

245.

हे मेरे मन यहोवा को धन्य कह,
उसके उपकार को नहीं भूलना,
हे मेरे मन यहोवा की जय जय कह,
उसके उद्धार को नहीं भूलना

1. वो मेरा शरण और द्रड़ गढ़ है,
   दुष्टों के जाल से बचाता वो है,
   पंखों की आढ़ में रक्षा करे,
   उसको नहीं भूलना...-2
2. उसकी सच्चाई झिलम ढाल है,
   रात और अँधेरे से ना डरूंगा,
   मुझको बचाता है वो तीरों से,
   उसको नहीं भूलना...
3. महा रोग आये, हज़ारों गिर जाएँ,
   मेरा भरोसा यहोवा पर है,
   धाम हमारा परम प्रभु है,
   उसको नहीं भूलना...
4. सिंह हो या नाग, या अजगर शैतान,
   मुझको परमेश्वर ही संभालेगा,
   संकट में संग संग उद्धार लाये,
   उसको नहीं भूलना...2

(शिष्य थॉमसन)

◆◆◆◆

246.

हमको यहाँ से ले जाने, स्वर्गीय राज्य दिलाने
आये है मुक्तिदाता हमारे प्रिय प्रभु यीशु-2

1. आँखों में दृष्टि दिलाने
   जीवन ज्योत दिलाने... आये हैं
2. कंगाल को घूरे से उठाने
   पतिततारण लाने... आये हैं
3. टूटे दिलों को जुड़ाने
   बंधन सारे मिटाने... आये हैं
4. संसार ने उसको नकारा
   अंधियारों ने ललकारा
   अपनों ने खून बहाया
   उसका प्रिय प्रभु यीशु... हमको यहाँ
   शिष्य थॉमसन

◆◆◆◆

247.

हम हालेल्लुय्याह, हालेल्लुय्याह कहके
उड़ जाने वाले हैं, उड़ जाने वाले हैं,
हम दु:ख, रंज, भूख, लंग सह के (2)
उड़ जाने वाले हैं (2)

1. यीशु इबने खुदा जब आया,
इन्सान का कर्ज चुकाया (2)
सारे जग को उसने बचाया
और हम भी बचाये हैं...
2. तेरा शुक्र हो यीशु खुदाया
तूने मौत से हमको छुड़ाया (2)
और प्यार से हमको बुलाया,
हम मिलकर आये हैं...
3. रूह का ताजा मशा अब कर दे
यूँ तू नूर-ए-प्यार से भर दे (2)
होंगे दूर तारीकी के पर्दे
ये ही आरजू लाये हैं...
4. दिल लगता नहीं अब यहाँ पे
ले जा यीशु तू जल्दी यहाँ से
हम्दो सन्ना करेंगे वहाँ पे
जो तुझ को भाए हैं...

◆◆◆◆

248.

हम यीशु मसीह के चेले हैं
दुनिया में धूम मचा देंगे
जो नींद में गाफिल सोते हैं
उपदेश से उनको जगा देंगे।

1. हम मन की घुँडी खोलेंगे
और ज्ञान के मोती रोलेंगे-2
इंजील मुकद्दस पढ़-पढ़कर
हृदयों को शान्त बना देंगे
2. बन्दे हैं एक खुदा के हम
मिल जुल कर क्यों न रहें अब हम-2
इंजील मुकद्दस दुनिया के हर
कोने में पहुँचा देंगे
3. हम रंज के सहने वाले हैं
उफ तक नहीं करने वाले हैं-2
और पीछे प्यारे यीशु के
चलने की राह बता देंगे
4. दु:ख और तकलीफ उठायेंगे
प्रेम का राग सुनायेंगे-2
हम दूर करेंगे रंज और गम
और प्रेम का दरस पढ़ा देंगे।

◆◆◆◆

249.

हम तो जलते दीप हैं
यीशु की ज्योति के
जब तक हम हैं इस जहाँ में,
जलते जाना है
अँधियारे डगर पे हो, आँधिया कहीं
हर डगर पे ज्योत यीशु की फैलाना है (2)

जलना जिन्दगी हमारी, यीशु के लिए
जिसने दाग हर गुनाह के मेरे धो दिये (2)
जिसने सूली पर जलाई ज्योति प्रेम की
वो ही ज्योति मेरे दिल में आज जल रही
कोई भटका हो डगर पे, बे पनाह सा
आज सूली के तले उसे बुलाना है।

◆◆◆◆

250.

हाल्लेलुय्याह स्तुति गाएं हम
यीशु की स्तुति गाएं हम
हा....हाल्लेलुय्याह (6)

1. क्रूस पर बलि द्वारा,
अपना लहू बहाया (2)
पाप को हटा के, साफ हम को किया
हम को बचा लिया (2) हाल्लेलुय्याह

2. यीशु के पास आओ,
और मुक्ति को अपनाओ (2)
आशीष वह देगा, साथ अपने लेगा
कभी नहीं छोड़ेगा (2) हाल्लेलुयाह...
3. इस जीवन भर मैं,
सदा तुझको याद करूँगा (2)
तेरी आत्मा पाके, तेरी इच्छा जान के
आगे ही बढ़ता रहूँगा (2) हाल्लेलुय्याह

◆◆◆◆

251.

हा-हा हाल्लेलुय्याह मिलकर गाएं
भजन प्रभु जी के।

1. वह है राजाओं का राजा
उसके चरणों में तू अब आजा
उसकी स्तुति सुना, उसकी महिमा में गा
तन मन से उसे भज ले।
2. जब जान निकल जायेगी
देह मिट्टी में मिल जायेगी
तब ये माया तेरी, जिस पे आस धरी
कुछ काम न आयेगी।
3. यीशु ख्रीष्ट जगत में आया
तेरे पापों का भार उठाया
उस पर विश्वास ला,
उसके चरणों में आ
मिले मुक्ति का दान
4. जाति जाति के लोगों आओ
प्रभु यीशु के गुण सब गाओ
वही पाप हरे, मन में शान्ति भरे
वही बेड़ा पार करे।

◆◆◆◆

252.

हे पवित्र आत्मा शक्ति हमें देना (2)
तेरी वो सामर्थ हमको चाहिए
प्रभु ये तू जानता है। (2)

1. पहले युग के जैसे ही
आश्चर्य कर्म होने को (2)
पहले जैसी आत्मिक-शक्ति
तू हमको देना। (2)
2. वरदानों से सुशोभित हो
हमें वचनों में जड़ से बढ़ने को (2)
जागृति हम में आने को
आत्मिक बारिश तू भेज। (2)
3. सांसारिक अभिलाषा से भागने
और शैतान की शक्ति से जय पाने (2)
धीरज से तेरी सेवा करने
अभिषेक करना हमें। (2)

◆◆◆◆

253.

जय जय नाम येशु नाम,
गाऊँ मैं सुबहो-शाम-4

1. बलिहीन का सहारा,
पापियों का दोस्त है तू
यीशु तू है कितना प्यारा,
शब्द न कैसे बताऊं-2
2. तुम में बना रहूँ तो,
अमृत फल लाऊँ मैं
गाऊँ तेरी जय सदा तो,
तुझ सा बन जाऊँ मैं-2
3. तू ही है जो मुझको बुलाता,
देता है जीवन जल
तेरी शक्ति पाऊँ सदा
और योजना हो सफल।

◆◆◆◆